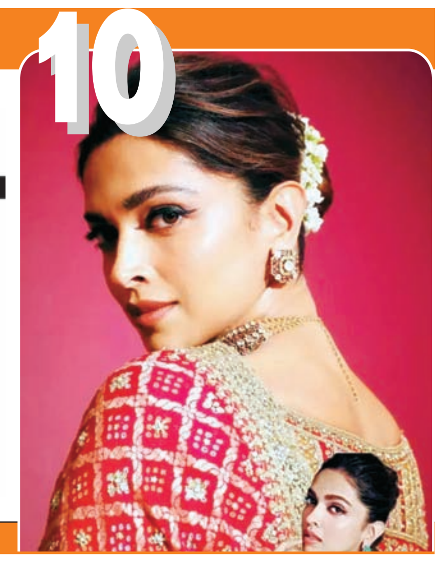

11:10:2025

अखबार जो बदल दे नजरिया

राष्ट्रीय ख़बर हमारी नज़र

web: www.rashtriyakhabar.com | पेज ›› 12 मूल्य ›› 3 रुपये ›› वर्ष ›› 16 अंक ›› 276 | epaper.rashtriyakhabar.com | कार्तिक, कृष्णपक्ष पंचमी, विक्रम संवत 2082

रांची पारा अपडेट
मैक्सिमम 27.00 °c
मिनिमम 19.00 °c
सूर्यास्त (आज) ›› 17 .26 बजे
सूर्योदय (कल) ›› 05 .44 बजे

चाणक्य नीति

पुनर्वित्तं पुनर्मित्रं पुनर्भार्या पुनर्मही।
एतत्सर्वं पुनर्लभ्यं न शरीरं पुनः पुनः॥

भावार्थ : धन भी पुनः प्राप्त हो सकता है, मित्र भी मिल सकते हैं, पत्नी भी फिर से मिल सकती है। ये सब वस्तुएं मनुष्य को बार-बार प्राप्त हो सकती हैं, परंतु यह शरीर बार-बार प्राप्त नहीं हो सकता।

उपलब्धि › व्हाइट हाउस ने नोबल चयन समिति पर सीधा निशाना साधा

मारिया कोरिनो मचाडो को नोबल शांति पुरस्कार

- वेनेजुएला में लोकतंत्र पर मिला सम्मान
- खुद वह ट्रंप की मुखर समर्थक रही है
- अब तक डोनाल्ड ट्रंप ने नहीं दिया बयान

राष्ट्रीय खबर

ओस्लो: नॉर्वे की नोबेल समिति ने वेनेजुएला की राजनीतिज्ञ मारिया कोरिनो मचाडो को इस वर्ष के नोबेल शांति पुरस्कार का विजेता घोषित किया है। उन्हें यह पुरस्कार लोकतांत्रिक अधिकारों को बढ़ावा देने के उनके काम के लिए दिया गया है। पुरस्कार विजेता को 1.17 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 11 मिलियन स्वीडिश क्रोनोर) का नकद पुरस्कार, एक डिप्लोमा और एक मेडल प्राप्त होगा। कई हाई-प्रोफाइल नामांकन के बावजूद, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का नोबेल शांति पुरस्कार जीतने का सपना इस बार अधूरा रह गया।
मचाडो, जिन्होंने वेनेजुएला पर लोकतंत्र की ओर बढ़ने के लिए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से दबाव बनाने का आह्वान किया है, उन्होंने इस वर्ष एक साक्षात्कार के दौरान ट्रम्प की प्रशंसा की थी। उन्होंने वेनेजुएला में लोकतंत्र स्थापित करने के प्रयास में ट्रम्प और उनके प्रशासन को उनके अटूट समर्थन के लिए धन्यवाद दिया था। जब ट्रम्प ने पिछले साल राष्ट्रपति पद की दौड़ जीती थी, तो वह उन्हें बधाई देने वाले कई विश्व नेताओं में से एक थीं, उन्होंने कहा था, हमने हमेशा आप पर भरोसा किया है।
नॉर्वेजियन नोबेल समिति के अध्यक्ष जोर्गन वाट्ने फ्राइडनेस ने मचाडो को वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की सरकार के विपक्ष में एक मुख्य, एकीकृत करने वाली हस्ती के रूप में देखा, जो कभी गहरे रूप से विभाजित था।
उन्होंने 2023 में विपक्ष के प्राथमिक चुनाव में शानदार जीत हासिल की थी, और उनकी रैलियों में भारी भीड़ जुटी थी, लेकिन सार्वजनिक पद धारण करने पर प्रतिबंध के कारण वह 2024 के चुनाव में मादुरो के खिलाफ राष्ट्रपति पद के लिए नहीं लड़ सकीं, जिसके बाद वह आत्म-गोपनीयता में चली गईं। शुक्रवार को व्हाइट हाउस ने नोबेल पुरस्कार समिति ›› पेज 11 भी देखें

प्रशांत महासागर के कई दूरस्थ इलाकों में पहुंचा झटका

फिलीपींस में 7.6 तीव्रता का भीषण भूकंप

- महासागर के दूर तक सुनामी का एलर्ट
- बाद में कई बार छोटे झटके भी आये
- व्यापक नुकसान की खबर अब तक नहीं

राष्ट्रीय खबर

मनीला: फिलीपींस में एक भीषण भूकंप आया, जिसने दक्षिणी क्षेत्र मिंडानाओ को हिलाकर रख दिया। 7.6 की तीव्रता वाले इस शक्तिशाली भूकंप के कारण क्षेत्र में सुनामी का गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है, जिसे अधिकारियों ने 'विनाशकारी' और जानलेवा करार दिया है।
फिलीपींस इंस्टीट्यूट ऑफ वोलकैनोलॉजी एंड सीस्मोलॉजी ने आधिकारिक तौर पर भूकंप की तीव्रता 7.6 मैग्नीट्यूड आँकी है। भूकंप इतना शक्तिशाली था कि इसने प्रशांत महासागर के किनारे स्थित फिलीपींस के कई तटीय क्षेत्रों में हाई अलर्ट जारी करवा दिया है। भूकंप के तत्काल बाद, इस संस्थान ने सुनामी की चेतावनी जारी करते हुए एक एडवाइजरी जारी की है, जिसमें तटीय क्षेत्रों में रहने वाले निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर तुरंत चले जाने का आग्रह किया गया है।
रिकॉर्ड के अनुसार, इस भूकंप का केंद्र मनाय (दावाओ ओरिएंटल) के पास 07.09? उत्तर, 127.09? पूर्व निदेशांक पर स्थित था। यह केंद्र मनाय से लगभग 62 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व की दूरी पर स्थित ›› पेज 11 भी देखें

राष्ट्रीय खबर संक्षिप्त हलचल

डोनाल्ड ट्रंप को मिलेगा नोबेल शांति पुरस्कार? व्लादिमीर पुतिन बोले- रूस का फुल सपोर्ट

नई दिल्ली: अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पिछले कुछ महीनों से नोबेल पीस प्राइज की डिमांड कर रहे हैं। अब रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी उन्हें शांति का नोबेल देने की मांग का समर्थन किया है। पुतिन का अमेरिकी प्रेसिडेंट के लिए यह सपोर्ट अपने आप में अप्रत्याशित है। ट्रंप यूक्रेन युद्ध के लिए लगातार पुतिन और रूस को जिम्मेदार ठहराते रहे हैं। कई मौकों पर ट्रंप ने पुतिन को कीमत भुगतने की चेतावनी भी दी थी। यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के लिए ट्रंप और पुतिन ने अलास्का में ऐतिहासिक द्विपक्षीय बैठक भी की थी। हालांकि, इस बैठक का कोई नतीजा नहीं निकल सका था। रूस ने अप्रत्याशित तरीके से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार देने का समर्थन करने की घोषणा की है। स्टेट न्यूज एजेंसी TASS ने शुक्रवार को क्रेमलिन के सहयोगी यूरी उशाकोव के हवाले से यह जानकारी दी है।

पाकिस्तान को अमेरिका नहीं देगा मिसाइलें, वर वॉर डिपार्टमेंट ने दावों को कर दिया सिरे से खारिज

नई दिल्ली: पाकिस्तान के साथ बड़ी डिफेंस डील को लेकर मीडिया रिपोर्ट्स को लेकर अमेरिका ने सफाई दी है। भारत में अमेरिकी दूतावास ने कहा है कि पाकिस्तान के साथ एडवांस मिडल रेंज की मिसाइल को लेकर कोई नई डील नहीं हुई है। दूतावास की तरफ से जारी क्लैरिफिकेशन में कहा गया है कि पाकिस्तान को दिया जाने वाला कोई भी सहयोग उसकी क्षमता में किसी तरह की बढ़ोतरी करने वाला नहीं है।मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया है कि अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के नोटिफिकेशन के मुताबिक एग्रीमेंट में ब्रिटेन, पोलैंड, पाकिस्तान, फिनलैंड, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, रोमानिया, कतर, कोरिया, ओमान, स्विट्जरलैंड, यूनान, सिंगापुर, पुर्तकाल, चेक गणराज्य, जापाना, नीदरलैंड समेत कई अन्य देश भी शामिल हैं। नोटिफिकेशन में यह नहीं बताया या था कि पाकिस्तान को कितनी AMRAAM मिसाइलें दी जाएँगी। अमेरिका और पाकिस्तान के बीच यह डील भारत की टेंशन बढ़ाने वाली इसलिए भी है क्योंकि पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर और डोनाल्ड ट्रंप के बीच मुलाकात के बाद ही यह लिस्ट जारी की गई थी। माना जा रहा है कि अमेरिका और पाकिस्तान के बीच रणनीतिक निकटता की स्थिति बन रही है। इसमें एक वजह यह भी है कि डोनाल्ड ट्रंप भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रुकवाने का दावा करते हैं। भारत का कहना है कि दोनों देशों के बीच आपसी बातचीत के बाद ऑपरेशन सिंदूर रोका गया था।

अपरिहार्य कारणों से आज का अंक12 पृष्ठों का है। पाठकों की असुविधा के लिए हमें खेद है।

विस्फोट से पूरा मकान ही ढह गया पांच मरे कई घायल

अयोध्या के गांव के हादसे से देश में सनसनी

- मलबा से घायलों को निकालना कठिन
- बचाव दल और पुलिस वहां मौजूद हैं
- विस्फोट के कारणों की जांच जारी

राष्ट्रीय खबर

नईदिल्ली: उत्तर प्रदेश के अयोध्या जिले में गुरुवार का दिन एक भीषण और दुखद त्रासदी लेकर आया, जब पूरा कलंदर थाना क्षेत्र के पगला भारी गाँव में एक शक्तिशाली विस्फोट के कारण एक मकान पूरी तरह से ढह गया। इस भयावह हादसे में अब तक कम से कम पाँच लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। विस्फोट की प्रकृति और तीव्रता इतनी अधिक थी कि मकान पूरी तरह से मलबे में तब्दील हो गया।
अधिकारियों ने इस दुखद घटना की पुष्टि की है। मौके पर मौजूद पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, यह घटना गुरुवार को दिन के समय हुई, जिसने पूरे गाँव में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल पैदा कर दिया। जैसे ही स्थानीय लोगों ने धमाके की आवाज सुनी, वे तुरंत घटनास्थल की ओर दौड़े, लेकिन मलबा इतना अधिक था कि तुरंत बचाव कार्य शुरू करना मुश्किल था।
घटना की सूचना मिलते ही पुलिस बल, दमकल विभाग की टीमें और स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी तुरंत पगला भारी गाँव पहुँच गए। सर्किल ऑफिसर शैलेंद्र सिंह ने घटना की गंभीरता को समझते हुए तत्काल बड़े पैमाने पर बचाव और राहत अभियान शुरू कराया। सिंह ने पुष्टि की, अब तक पाँच लोगों के हताहत होने की पुष्टि हो चुकी है। कुछ अन्य घायल हुए हैं, जिन्हें तत्काल चिकित्सा सहायता के लिए अस्पताल भेजा गया है।
बचाव दल युद्ध स्तर पर काम कर रहा है। आशंका है कि मलबे में अभी भी कई लोग फंसे हो सकते हैं, जिसके कारण राहत कार्य में तेजी लाई गई है। मलबे को हटाने और फंसे हुए लोगों तक पहुँचने के लिए खुदाई मशीनों (अर्थ-मूविंग इक्विपमेंट) का इस्तेमाल किया ›› पेज 11 भी देखें

बिहार मतदाता सूची विवाद पर सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप

राष्ट्रीय खबर

नईदिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में संपन्न बिहार विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत तैयार की गई मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के मामले में कोई व्यापक आदेश पारित करने से इनकार कर दिया है। इसके बजाय, न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमलया बागची की पीठ ने उन व्यक्तियों को राहत प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित किया जिनके नाम गलत तरीके से मतदाता सूची से बाहर कर दिए गए थे। न्यायालय ने यह देखते हुए कि शीर्ष अदालत में प्रस्तुत कुछ हलफनामों में विसंगतियां थीं और प्रत्येक व्यक्तिगत मामले की जाँच करना उसके लिए संभव नहीं होगा, प्रभावित व्यक्तियों को राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के समक्ष अपील दायर करने का निर्देश दिया। यह कदम इस सिद्धांत पर आधारित है कि व्यक्तिगत अपीलों के लिए संबंधित प्रशासनिक निकाय ही सबसे उपयुक्त मंच है। अदालत ने 3.7 लाख लोगों को मतदाता सूची से बाहर किए जाने के मुद्दे को स्वीकार किया। अपील दायर करने की समय-सीमा बीतने के मद्देनजर, पीठ ने एक महत्वपूर्ण आदेश पारित किया। इसमें बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष से अनुरोध किया गया कि वे सभी स्थानीय प्राधिकरणों के सचिवों को निर्देश दें। यह निर्देश है कि मतदाता सूची से बाहर रखे गए लोगों को अपील दायर करने ›› पेज 11 भी देखें

तालिबान के अमीर खान मुत्ताकी से मिले भारतीय विदेश मंत्री

हम दोनों सीमा पार आतंकवाद को झेल रहे है: जयशंकर

- काबुल में तकनीकी मिशन खुलेगा
- शिक्षा में सहयोग करेगा भारत
- बीस एंबुलेंस भी दिया जाएगा

राष्ट्रीय खबर

नईदिल्ली: अफगानिस्तान के तालिबान विदेश मंत्री, अमीर खान मुत्ताकी के साथ एक ऐतिहासिक बैठक में, विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सीमा पार आतंकवाद के साझा खतरे को रेखांकित किया, जो पाकिस्तान पर एक अप्रत्यक्ष प्रहार प्रतीत हुआ।
विकास और समृद्धि के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता है; हालाँकि, ये दोनों देशों के सामने मौजूद सीमा पार आतंकवाद के साझा खतरे के कारण खतरे में हैं। हमें आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों से निपटने के लिए समन्वित प्रयास करने चाहिए। हम भारत की सुरक्षा चिंताओं के प्रति आपकी संवेदनशीलता और आपकी एकजुटता की सराहना करते हैं, जयशंकर ने वार्ता के दौरान कहा।
अफगानिस्तान की स्थिरता के लिए भारत के दीर्घकालिक समर्थन को दोहराते हुए, जयशंकर ने देश की संप्रभुता और एकता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने कहा, भारत अफगानिस्तान की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और स्वतंत्रता के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हमारे बीच घनिष्ठ सहयोग आपके राष्ट्रीय विकास के साथ-साथ क्षेत्रीय स्थिरता और लचीलेपन में भी योगदान देता है। इसे और मजबूत करने के लिए, मुझे आज काबुल स्थित भारत के तकनीकी मिशन को भारतीय दूतावास के स्तर पर उन्नत करने की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है।
अफगानिस्तान के स्वास्थ्य सेवा और मानवीय क्षेत्रों में भारत की निरंतर सहायता पर प्रकाश डालते हुए, जयशंकर ने कई नई पहलों की घोषणा की। उन्होंने आगे कहा, अफगानिस्तान के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए, जिसमें कोविड महामारी के दौरान भी शामिल है, हम अब छह नई परियोजनाओं के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिनका विवरण हमारी वार्ता के समापन के बाद घोषित किया जा सकता है। 20 एम्बुलेंस का उपहार सद्भावना का एक और संकेत है, और मैं प्रतीकात्मक कदम के रूप में उनमें से पाँच आपको व्यक्तिगत रूप से सौंपना चाहूँगा। भारत अफगान अस्पतालों को एमआरआई और सीटी स्कैन मशीनें भी प्रदान करेगा और टीकाकरण और कैंसर की दवाइयाँ पहुँचाएगा। ›› पेज 11 भी देखें

सर्वेक्षण › अत्याधुनिक अंतरिक्ष विज्ञान जानकारी देने से चूक गया

अंटार्कटिका के ऊपर से गुजरा एक नन्हा क्षुद्रग्रह

- अंतिम समय में हुई पहचान और ट्रैकिंग
- जोखिम को समझना भविष्य के लिए जरूरी
- आसमानी निगरानी की वैश्विक आँखें चकमा खा गयी

राष्ट्रीय खबर

रांची: हाल ही में, एक छोटी अंतरिक्ष चट्टान क्षुद्रग्रह 2025 टीएफ चुपके से पृथ्वी के बेहद करीब से गुजर गई। यह घटना 1 अक्टूबर समन्वित वैश्विक समय (यूटीसी) पर हुई, जब यह दक्षिण ध्रुवीय महाद्वीप के ऊपर से गुजरा। पृथ्वी की सतह से इसकी सबसे कम दूरी मापी गई। यह दूरी अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र की कक्षा 370 से 460 के लगभग बराबर है। सिर्फ 1 से 3 मीटर व्यास वाले इस क्षुद्रग्रह को कैटालिना आकाश सर्वेक्षण ने पृथ्वी के पास से गुजरने के कुछ ही घंटों बाद पता लगाया।
इस आकार की अंतरिक्ष चट्टानें पृथ्वी के लिए कोई वास्तविक खतरा पेश नहीं करती हैं। यदि कोई चट्टान वायुमंडल में प्रवेश करती है, तो यह एक चमकीला अग्निपिंड बना सकती है और कभी-कभी जमीन पर छोटे उल्कापिंड भी छोड़ सकती है।
इसके ›› पेज 11 भी देखें

ऐसी छोटी वस्तु को ढूंढना और ट्रैक करना

इसकी पहचान के तुरंत बाद, यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के ग्रह रक्षा कार्यालय के खगोलविदों ने ऑस्ट्रेलिया में साइडिंग स्प्रिंग स्थित लास कम्ब्रेस वेधशाला दूरबीन का उपयोग करके इस वस्तु का अवलोकन किया। अंतरिक्ष की विशालता में ऐसी छोटी वस्तु को ढूंढना और ट्रैक करना, खासकर जब उसकी स्थिति अनिश्चित हो, एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। इन अनुवर्ती अवलोकनों ने वैज्ञानिकों को क्षुद्रग्रह की दूरी और निकटतम दृष्टिकोण के समय को असाधारण सटीकता के साथ निर्धारित करने में मदद की। केवल कुछ मीटर चौड़ा क्षुद्रग्रह 2025 टीएफ, पृथ्वी के निकट की वस्तुओं के उस वर्ग से संबंधित है जिन्हें ग्रहों के पैमाने पर हानिरहित माना जाता है। इस आकार की अंतरिक्ष चट्टानें हर साल कई बार पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करती हैं, और आमतौर पर सतह से बहुत ऊपर ही टूटकर बिखर जाती हैं। जब वे कम ऊँचाई तक पहुँचती हैं, तो उनका परिणाम आमतौर पर एक शानदार अग्निपिंड होता है, जिसके बाद कभी-कभी जमीन पर छोटे उल्कापिंड बिखर जाते हैं। इस पैमाने की घटनाएँ शायद ही कभी नुकसान पहुँचाती हैं और अक्सर वैज्ञानिकों को क्षुद्रग्रह की संरचना के बारे में जानने में मदद करती हैं। इसके विपरीत, लगभग 20 मीटर व्यास की वस्तुएँ — जैसे कि 2013 में रूस के चेल्याबिंस्क के ऊपर विस्फोट हुआ था — शक्तिशाली वायु-विस्फोट उत्पन्न कर सकती हैं जो इमारतों को नुकसान पहुँचाने और झटके की तरंगों से लोगों को घायल करने में सक्षम होते हैं।

मणिपुर और नॉर्थ ईस्ट टारगेट, भारत के खिलाफ खतरनाक साजिश का पदार्फाश

तीन राज्यों से 186 करोड़ रुपये से अधिक के ड्रग्स जब्त, चार गिरफ्तार

- म्यांमार से हर दिन भारत आ रही नशे की खेप
- अभियान में हथियार और गोला-बारूद बरामद
- थंबल चिंग्या इलाके के ठिकाने पर छापामारी

भूपेन गोस्वामी

गुवाहाटी: मिजोरम, मणिपुर और असम में सुरक्षा बलों ने पिछले 12 घंटों में बड़ी कार्रवाई करते हुए 186 करोड़ रुपये से अधिक की ड्रग्स जब्त की है और चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इस संयुक्त कार्रवाई में सी.आर.पी.एफ. और बी.एस.एफ. जैसे सुरक्षाबलों ने भारत के खिलाफ एक खतरनाक साजिश का पदार्फाश किया है।
मिजोरम के चंफाई जिले के जोटे गांव में असम राइफल्स ने तलाशी अभियान के दौरान 34.218 किलोग्राम प्रतिबंधित मेथामफेटामाइन की गोलियां बरामद की, जिसकी कीमत 102.65 करोड़ रुपये से अधिक है। एक संदिग्ध व्यक्ति मौके से भाग गया। इसके अलावा, आइजल जिले में खुफिया जानकारी पर ›› पेज 11 भी देखें

नामांकन शुरू लेकिन सीटों के बंटवारे पर नहीं बन पाई अभीतक सहमति

▶▶ जारी है मंथन दौर, गुत्थी सुलझाने के करीब पहुंची एनडीए

▶▶ महागठबंधन में अभी भी संतुष्ट नहीं दिख रहे घटक दल

राष्ट्रीय खबर

पटना : बिहार विधानसभा चुनाव 2025 का बिगुल बज चुका है और राज्य में सियासी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। चुनाव आयोग द्वारा तारीखों की घोषणा के बाद से ही चुनावी प्रक्रिया में तेजी आई है, वहीं दोनों प्रमुख गठबंधन- राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन और महागठबंधन- सीटों के बंटवारे और उम्मीदवारों के चयन को अंतिम रूप देने में जुटे हैं।

पहले चरण का मतदान 6 नवंबर 2025 को 121 सीट और दूसरे चरण का मतदान 11 नवंबर 2025 122 सीटों पर होना तय है।पहले चरण की नामांकन प्रक्रिया 10 अक्टूबर 2025 को अधिसूचना जारी होने के साथ शुरू हो गई है। उम्मीदवार 17 अक्टूबर तक अपना नामांकन दाखिल कर सकते हैं। इसके बाद 18 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी और 20 अक्टूबर नाम वापसी की अंतिम तिथि है। पहले चरण में पटना, भोजपुर, बक्सर, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, बेगूसराय समेत कुल 18 जिलों की 121 सीटों पर मतदान होना है।

एनडीए में सीट बंटवारे पर बनी सहमति

एनडीए गठबंधन में सीटों के बंटवारे पर गतिरोध लगभग खत्म हो गया है और जल्द ही आधिकारिक घोषणा होने की उम्मीद है। सूत्रों के अनुसार, एनडीए में सीट बंटवारे पर सहमति बन गई है। चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) को 22-26 सीटें मिलने की संभावना है, जबकि जीतन राम मांझी की पार्टी हम को 7-8 सीटें ऑफर की गई हैं। बीजेपी कोर ग्रुप की बैठक 11 अक्टूबर को दिल्ली में होने वाली है, जिसके बाद एनडीए की पहली संयुक्त उम्मीदवार सूची 13 अक्टूबर को जारी हो सकती है।

महागठबंधन में खींचतान और कांग्रेस की रणनीति

महागठबंधन में अभी भी सीटों के बंटवारे को लेकर खींचतान जारी है, लेकिन कांग्रेस ने अपनी तैयारी तेज कर दी है। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस पार्टी को इस बार 2020 के मुकाबले 12 सीटें कम यानी करीब 58 विधानसभा सीटें मिल सकती हैं। कांग्रेस ने 25 विधानसभा सीटों पर उम्मीदवारों के नाम लगभग तय कर लिए हैं, जिनमें 15 मौजूदा विधायक शामिल हैं। इस चुनाव में तेजस्वी यादव, प्रशांत किशोर, और चिराग पासवान मुख्य केंद्र बने हुए हैं। तेजस्वी यादव राघोपुर के साथ फुलपरास या काराकाट सीट से दो सीटों पर चुनाव लड़ सकते हैं।

चुनाव आयोग के सख्त निर्देश

स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयोग ने सख्त निर्देश जारी किए हैं। आयोग ने सरकारी, सार्वजनिक और निजी संपत्तियों से सभी तरह के पोस्टर और बैनर हटाने का आदेश दिया है। चुनाव प्रक्रिया में जनता का भरोसा बढ़ाने के लिए सभी मतदान केंद्रों से लाइव फीड उपलब्ध होगी। 14 लाख नए मतदाता जोड़े गए हैं और मतदाता सूची के शुद्धिकरण का काम पूरा हो चुका है। कुल मिलाकर, बिहार विधानसभा चुनाव 2025 अब आधिकारिक तौर पर शुरू हो गया है और अगले कुछ दिनों में दोनों प्रमुख गठबंधनों द्वारा उम्मीदवारों की घोषणा के साथ प्रचार की गति और भी तेज होने की उम्मीद है।

माफियामुक्ति और शुद्ध के लिए युद्ध अभियान चलाएगी कांग्रेस : डॉ अखिलेश

▶▶ बिहार में माफियाओं के सम्राज्य का होगा अंत, जहन्नुम या जेल होगा उनका स्थान

▶▶ कांग्रेस करेगी माफिया के लिए दो उपाय, पीठ पे गोली पेट पे लात

राष्ट्रीय खबर

पटना : प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में राज्यसभा सांसद और कांग्रेस कार्यसमिति सदस्य डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। जहां उन्होंने कहा कि पूरे बिहार में माफियाओं का कब्जा है और मिलावटखोरी अपने चरम पर है। भाजपा जदयू राज में समूचा बिहार 20 सालों से माफि याओं की गिरफ़्त में है चारों ओर से बिहार को लूटा गया है कांग्रेस पार्टी ने 12 मफि या चिन्हित किए है । सरकार में आते मफि या मुक्त बिहार होगा और शुद्ध के लिए युद्ध होगा । चप्पे चप्पे पर जाएँगे सारे माफि या मारे जाएँगे ।साथ ही उन्होंने कहा कि मफि या के लिए हमरी सरकार में बस दो ही स्थान रहेंगे। ये चुनाव उनको करना है या तो जहन्नुम या जेल।माफिया के लिए दो उपाय पीठ पे गोली पेट पे लात। कर्ज के बोझ में फँसी हुई लगभग 1 करोड़ 9 लाख महिलाओं पर औसतन 30,000 का बकाया बताया जा रहा है। वसूली के नाम पर धमकी, अपमान और हिंसा की रिपोर्टें मिलती हैं। ऐसे हमारी कार्रवाई होगी तत्काल कर्ज-रोक प्रस्ताव, ऋण-रिकवरी में अवैध तरीकों पर कड़ी पुलिस और न्यायिक कार्रवाई, पीड़ित महिलाओं के लिए राहत और पुनर्वित्त कार्यक्रम, और माफिया परिसम्पत्तियों की कुर्की। आम लोगों की जमीन, सरकारी व दान की जमीन पर फर्जी रजिस्ट्री, दखल, बटाई और अवैध नामांतरण के माध्यम से कब्जा। राजनीतिक तथा प्रशासनिक संरक्षण के जाल की जानकारी। मुख्य पटना, गया, मुजफ़्फ़रपुर, दरभंगा, बोधगया। बालू माफिया, शराब माफिया और भू माफिया तथा ठेका, शिक्षा, भर्ती, स्वास्थ्य, मिलावट व ट्रांसफरझपोस्टिंग कमीशन माफिया पर पर शीघ्र कार्रवाई होगी। संवाददाता सम्मेलन का संचालन राष्ट्रीय प्रवक्ता अभय दुबे ने किया। मौके पर पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष कौकब कादरी, कोषाध्यक्ष जितेंद्र गुप्ता , मीडिया चेयरमैन राजेश राठौड़, ब्रजेश प्रसाद मुनन, सौरभ सिन्हा एवं ज्ञान रंजन मौजूद थे।

श्चिम चम्पारण जिला में निर्माण कार्य खूब हुए, किन्तु किसी ने गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया, गुणवत्ता का ढिंढोरा तो पीटा गया लेकिन केवल बजे ढोल

मेयर के कार्यों पर सोसल मीडिया में उफान लाने वाले क्या, विधायक सांसद के लिए कुछ कहना चाहेंगे

राष्ट्रीय खबर

बेतियाः पश्चिम चम्पारण जिला मुख्यालय बेतिया स्थित नगर निगम के वार्ड नंबर 31 में एक नाला का निर्माण मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजना अंतर्गत बेतिया की तत्कालीन विधायक निधि से सम्पन्न हुआ। सबसे आश्चर्य जनक पहलू यह कि 10 दिन पूर्व नाला निर्माण हुआ और 10 दिन बाद ही टूटना प्रारम्भ हो गया। योजनापट्ट पर नाम लिखवाने की होड़, सभी रहे, किन्तु योजना की गुणवत्ता पर किसी का ध्यान नहीं रहा। स्थानीय लोगों ने नवनिर्मित नाला की स्थिति पर दुख व्यक्त करते हुए यहां तक कह दिया कि विधानसभा चुनाव के दृष्टिगत काम कराया गया। जिससे आमजन को दिखाया जा सके कि हमने जनता के हित में समस्याओं के प्रति अतिसंवेदनशीलता व्यक्त करते हुए निर्माण कराया। प्रबुद्धजन बताते है कि निर्माण कार्य की वास्तविकता यह कि राजकीय कोष का बंदरबांट करना और ऐसा काम करके देना कि फिर 4-5 माह बाद फिर से उसका निर्माण कराने की आवश्यकता पड़े। जिससे संवेदकों का रोजगार चलता रहे और पीसी का मस्त खेल संचालित रहे। बेतिया निवासी पश्चिम चम्पारण लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ संजय जयसवाल भी निर्माण कार्यों की तरफ से आँख बंद रखते हैं। उन्हें तो राज्य स्तरीय राजनीति और नगर निगम के आरोप-प्रत्यारोप में उलझे हुए हैं। उन्होंने इस योजना में पट्ट के अनुसार मुख्य अतिथि रहें पर औरों की अनियमितता और गलत कार्यों पर बेबाक प्रेस कांफ्रेंस करते रहे किन्तु अपनी पार्टी की योजना में निम्न गुणवत्ता के कार्य पर एक लाइन तो दूर अपने पेज से एक शब्द तक नहीं बोल व लिख सके। क्या नाली की गुणवत्ता और अनियमितता के लिए बीस सूत्री कार्यक्रम में प्रश्न उठाकर बेतिया वासियों के हित में आवाज उठाकर, कार्यवाही का आदेश या पत्र लिख सकेंगे। या केवल बेतिया वासियों को मत प्राप्त कर आरोप-प्रत्यारोप में मशगूल रहेंगे। चर्चा तो यह भी है कि पहले सारे काम के लिए नगर निकाय जिम्मेदार रहा अब, जब चुनाव आया तो अपने ही निधि से नगर निगम में कार्य करवाना प्रारम्भ कर दिया, अर्थात साढ़े चार वर्ष उपदेश और अंतिम 6 महीने में योजना और छोटा मोटा काम बड़ा करके दिखाकर फिर से जनता को समर्पित सेवा का ढोंग रचने का कार्य, हालाकि चुनाव में घटिया निर्माण का सकारात्मक असर पड़ेगा, यह कहना बेइमानी होगी। इस संदर्भ में मनीष कुमार, कार्यपालक अभियंता ने बताया कि मामला की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

एसएसबी के साथ बेतिया एसपी ने समन्वय बैठक किया

बेतियाः पुलिस अधीक्षक बेतिया ने कार्यालय कक्ष में बिहार विधान सभा आम चुनाव 2025 के दृष्टिगत केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के साथ समन्वय बैठक किया। जिसमें विधानसभा आम चुनाव 2025 के मुख्य बिंदुओं पर चर्चा की गई। उपर्युक्त बैठक के दौरान सशस्त्र सीमा बल के कार्यवाहक सेनानायक, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-1, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-2, एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे ।

बुर्का पहनने या पर्दा करने वाली महिलाओं के लिए विशेष इंतजाम

▶▶ आयोग ने रखा निजता का ख्याल

राष्ट्रीय खबर

पटना : बिहार विधानसभा चुनाव में अब एक महीने से भी कम का समय शेष रह गया है। ऐसे में राजनीतिक पार्टियों ने अपनी-अपनी तैयारी और तेज कर दी है। ऐसे में चुनाव आयोग भी मतदान की प्रक्रिया को सरल और सुगम बनाने के लिए तैयारी में जुटा है। इसी सिलसिले में चुनाव आयोग ने शुक्रवार को बिहार में मतदान के दौरान बुर्का पहनने या पर्दा करने वाली महिलाओं को लेकर अहम घोषणा की। आयोग ने बताया कि बुर्का पहनने या पर्दा करने वाली महिलाओं के मतदान के दौरान उनकी गरिमापूर्ण पहचान के लिए विशेष इंतजाम किए जाएंगे। इसके तहत ऐसी महिलाओं की पहचान महिला पोलिंग अफसरों या सहायकों की मौजूदगी में की जाएगी, ताकि उनकी निजता बनी रहे। बीते दिनों बिहार भाजपा अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने हाल ही में आयोग से अनुरोध किया था कि बुर्का पहनकर आने वाली महिलाओं के चेहरे को मतदाता कार्ड से मिलाया जाए।

अररिया संग्राम थाना पुलिस ने एसएसबी के साथ थाना क्षेत्र के कई जगहों पर किया फ्लैग मार्च

राष्ट्रीय खबर

झंझारपुर : अररिया संग्राम थाना पुलिस ने एसएसबी जवानों के साथ थाना क्षेत्र के विभिन्न गली, मोहल्ले और कसबों में फ्लैग मार्च के माध्यम से अवैध शराब कारोबारी के विरुद्ध शख्स संदेश दिया गया कि किसी भी सूरत में अवैध शराब कारोबार से जुड़े लोगों को बक्शा नहीं जाएगा। शराब कारोबारी के विरुद्ध परसा, शोहपुर और सिंगदाहा में संदेश दिया गया कि किसी भी सूरत में बक्शा नहीं जाएगा। पुलिस और एसएसबी को देखते ही असमाजिक तत्वों को होश उड़ गया। अररिया संग्राम थाना अध्यक्ष आयुष कुमार झा ने बताया कि कल भी थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों और चौक चौराहों पर फ्लैग मार्च किया जाएगा। शराब और शराब कारोबार से जुड़े लोगों को हर हाल में धंधा छोड़ना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि थाना क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखना हमारी पहली प्राथमिकता है। कानून को हाथ में लेने वालों को किसी की सूरत में बक्शा नहीं जाएगा।

आम चुनाव की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है प्रत्याशियों का नामांकन : जिला निवार्ची पदाधिकारी

▶▶ नामांकन की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और सुव्यवस्थित सम्पन्न हो ऐसा करें प्रयास

▶▶ विधानसभा चुनाव-2025 की नामांकन प्रक्रिया को लेकर पदाधिकारियों की कार्यशाला सम्पन्न

▶▶ जिला निवार्ची पदाधिकारी ने सभी निवार्ची एवं सहायक निवार्ची पदाधिकारियों को नामांकन प्रक्रिया सम्पन्न कराने को आवश्यक निर्देश दिया

अवधेश कुमार शर्मा

बेतियाः बिहार विधान सभा आम चुनाव 2025 के सफल, पारदर्शी और निर्विघ्न संचालन के दृष्टिगत जिला प्रशासन चुनावी तैयारियों को अंतिम रुप देने की दिशा में निरंतर बैठक और समीक्षा कर रहा हैं। इस क्रम में समाहरणालय सभागार में शुक्रवार को जिला के सभी निवार्ची पदाधिकारी (आरओ), सहायक निवार्ची पदाधिकारी (एआरओ), विभिन्न कोषांगों के वरीय प्रभारी पदाधिकारी तथा नोडल पदाधिकारियों की एकदिवसीय कार्यशाला-सह-समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता जिला निवार्ची पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी, पश्चिम चम्पारण धर्मेन्द्र कुमार ने की। उपर्युक्त कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य नामांकन प्रक्रिया से जुड़ी सभी तकनीकी, प्रशासनिक एवं विधिक पहलुओं पर विस्तृत जानकारी देना तथा चुनावी कार्य में संलग्न अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान करना रहा।कार्यशाला के क्रम में विशेषज्ञों ने नामांकन दाखिल करने की विधि, वैधानिक प्रपत्रों की जांच, सत्यापन की प्रक्रिया, नामांकन के समय अपनाई जाने वाली सावधानियां, और संभावित त्रुटियों से बचने के उपायों पर विस्तृत प्रस्तुति दी। नामांकन से जुड़ी समस्त प्रक्रियाओं को स्पष्टता से समझाने का उद्देश्य यह था कि चुनाव प्रक्रिया के इस प्रारंभिक चरण में किसी भी प्रकार की चूक या अनियमितता न हो। इस क्रम में जिला निवार्ची पदाधिकारी-सह जिला पदाधिकारी धर्मेन्द्र कुमार ने कहा कि आम चुनाव में नामांकन सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। यह पूरी प्रक्रिया बेहद पारदर्शी और व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न होनी चाहिए। इसमें किसी भी स्तर पर त्रुटि की गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि नामांकन स्थल पर वीडियोग्राफी करने वाले कर्मियों को पूर्ण प्रशिक्षण दिया जाए ताकि वे प्रत्येक गतिविधि का सटीक और व्यवस्थित रिकॉर्ड रख सकें। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए हेल्प डेस्क और सुरक्षा व्यवस्था जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। नामांकन के क्रम में उपस्थित कर्मियों और पदाधिकारियों के लिए भी स्पष्ट दायित्व तय किए जाएं, जिससे कार्य सुचारु रुप से संपन्न हो सके। कार्यशाला में अवर निवार्ची पदाधिकारी यशलोक रंजन ने नामांकन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी देते हुए आवश्यक बिंदुओं को समझाया। उन्होंने नामांकन के लिए आवश्यक दस्तावेजों, फॉर्म भरने की सावधानियों, सुरक्षा जमा राशि की प्रक्रिया, तथा अस्वीकृति या नामांकन वापसी की स्थिति में अपनाई जाने वाली कार्यवाही के संबंध में भी विस्तारपूर्वक बताया। बैठक के अंत में जिला निवार्ची पदाधिकारी ने सभी उपस्थित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने क्षेत्राधिकार में निर्वाचन से जुड़ी व्यवस्थाओं की पूर्व समीक्षा करें और किसी भी प्रकार की शंका या समस्या होने पर समय रहते जिला नियंत्रण कक्ष से संपर्क करें। उन्होंने कहा कि प्रशासन का लक्ष्य एक स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन कराना है, और इसमें सभी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उपर्युक्त कार्यशाला में उप विकास आयुक्त सुमित कुमार, नगर आयुक्त नगर निगम बेतिया लक्ष्मण तिवारी, अपर समाहर्ता राजीव रंजन सिन्हा, अपर समाहर्ता (विभागीय जांच) कुमार रवीन्द्र, अपर समाहर्ता-सह-जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी अनिल कुमार सिन्हा, अनुमंडल पदाधिकारी बगहा गौरव कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी नरकटियागंज सूर्य प्रकाश गुप्ता, तथा अनुमंडल पदाधिकारी बेतिया सदर विकास कुमार सहित विभिन्न कोषांगों के प्रभारी पदाधिकारी एवं नोडल पदाधिकारी शामिल रहे।

दल-बदल का दौर जारी - जेडीयू के दो और लोजपा के एक कद्दावर नेता अब राजद के साथ

राजद ए टू जेड की पार्टी है और यहां पर सभी वर्गों का है सम्मान : तेजस्वी यादव

आरोपों की लगी लारियां

राष्ट्रीय खबर

पटना : बिहार चुनाव लेकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव लगातार नीतीश सरकार पर हमलावर हैं। शुक्रवार दोपहर वह फिर सामने आए। उन्होंने पटना में पोलो रोड स्थित अपने मिलन समारोह का आयोजन किया। उन्होंने सीएम नीतीश कुमार की पार्टी को बड़ा झटका दिया है। उन्होंने जदयू के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद संतोष कुशवाहा, पूर्व विधायक (घोषी) राहुल शर्मा, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के पूर्व प्रत्याशी अजय कुशवाहा, जदयू सांसद गिरधारी यादव के बेटे चाणक्य प्रकाश को अपनी पार्टी की सदस्यता दिलाई। यह सभी नेता विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। तेजस्वी यादव ने कहा कि इन चारों के शामिल होने से पूर्वांचल और सीमांचल में पार्टी को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि जदयू के कुछ लोग पीएम नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के इशारे पर पार्टी को चला रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल जी ने ठीक ही कहा है कि जदयू साढ़े तीन लोगों की पार्टी है। नीतीश कुमार की पार्टी के अंदर कार्यकताओं का सम्मान नहीं है और विचारहीन लोग भाजपा के अनुसार पार्टी चलाने के लिए मजबूर कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने जिस प्रकार की राजनीति की है, उसके परिणामस्वरूप बिहार की जनता का विश्वास और समर्थन खटारा और नकारा सरकार ने खो दिया है। बिहार की जनता बदलाव चाहती है, और इसके लिए अति पिछड़ा समाज सामाजिक न्याय और आर्थिक न्याय की धारा के साथ खड़ा हो रहा है और राष्ट्रीय जनता दल के साथ जुड़ रहा है।

पूर्व सांसद संतोष कुशवाहा ने कहा कि जनता दल में कुछ लोगों ने पूरी पार्टी को हाईजैक कर लिया है, जिसके कारण पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग, दलित, महादलित, आदिवासी और अल्पसंख्यक वर्ग के लोगों में बेचैनी है, क्योंकि उनकी बातें नहीं सुनी जा रही हैं। पूर्व विधायक राहुल शर्मा ने कहा कि जदयू के अंदर लोकतंत्र और लोकतांत्रिक अधिकारों को कुचला जा रहा है, और कार्यकताओं की भावना के साथ खिलवाड़ हो रहा है। वहीं वैशाली विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी अजय कुशवाहा ने कहा कि 2024 के चुनाव में चिराग पासवान अपने आप को सुरक्षित करने के लिए नीतीश जी के सामने शरणागत हो गए हैं। उन्होंने कहा कि लोजपा में टिकट का खेल कैसे हुआ, इसके बारे में बताने की कोई आवश्यकता नहीं है।

शराब साथ दो गिरफ्तार

काराकाट (रोहतास) कछवां थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कोनी से हृदयानंद साह पिता स्वर्गीय देव नन्दन साह को 6 लीटर एवं मनोज सिंह पिता राम अवतार सिंह को 1.6 लीटर देशी महुआ शराब के साथ गिरफ्तार किया गया है ।अग्रिम कार्रवाई हेतु सभी आवश्यक कागजातों के साथ न्यायालय भेज दिया गया है । इसकी जानकारी थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने दी ।

विभिन्न कांड के दो अभियुक्त को जेल

बिक्रमगंज (रोहतास) पुलिस ने अलग-अलग कांड के दो अभियुक्त को गिरफ्तार कर जांच के उपरांत जेल भेज दिया । बिक्रमगंज थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि स्थानीय थाना में दर्ज कांड संख्या 687/25 के अभियुक्त महेश सिंह ग्राम डिहरा एवं कांड संख्या 511/25 के अभियुक्त बहादुर सिंह ग्राम मोरौना को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया । उन्होंने कहा कि गिरफ्तार दोनों अभियुक्त को जांच के उपरांत जेल भेज दिया गया।

पुलिस ने दो वारंटी को भेजा जेल

दावथ (रोहतास) पुलिस ने दो वारंटी को गिरफ्तार कर जांच के उपरांत जेल भेज दिया । सूर्यपुरा थानाध्यक्ष चंदन कुमार भगत ने बताया कि थाना क्षेत्र के इमिरता निवासी मुन्ना सिंह एवं आलोक सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया । उन्होंने बताया कि गिरफ्तार दोनों वारंटी के विरुद्ध बिक्रमगंज व्यवहार न्यायालय से वारंट निर्गत था ।

श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ के लिए बिक्रमगंज से भक्त गण किए प्रस्थान

बिक्रमगंज (रोहतास) अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत काराकाट विधान सभा से भक्तों की टोली चिल्वासा दादरा एंड नगर हवेली लक्ष्मी नारायण महायज्ञ के लिए बिक्रमगंज से भक्त गण किए प्रस्थान श्री श्री 108श्री लक्ष्मी प्रपन्ना जियर स्वामी जी महाराज के परम शिष्य प.दशरथ मिश्रा गच्छई ने अपने सहयोगी के साथ बिक्रमगंज से प्रस्थान किए श्री मिश्रा ने बताया कि जीयर स्वामी जी के सानिध्य में जो यज्ञ किया जाने वाला है उसने हमलोग भाग लेने के लिए हमलोग चिल्वासा जा रहे है हम लोग अपने गुरु के आशीर्वाद वचन को सुनने के लिए हमलोग जा रहे हैं प्रभु के अवतार है स्वामी जी इनके द्वारा दिया हुआ आशीर्वाद वचन मावन को कल्याण का मार्ग दिखाता है संत की बाणी का अक्षरतः पालन करना ही हमलोगों का धर्म है चातुमार्शा के बाद यह पहला महायज्ञ होने जा रही है जिस में जाकर हमलोग धन्य हो जाएंगे ।

जुआ गिरोह के चार जलसाज रुपए और मोबाइल साथ गिरफ्तार

दिनारा (रोहतास) दिनारा पुलिस ने नेशनल हाईवे 319 मुख्य मार्ग पर दिनारा बाजार स्थित पेट्रोल पंप के किनारे जुआ खेलते चार आरोपी को धर दबोचा । थानाध्यक्ष विनय कुमार ने बताया कि उक्त स्थल से दिनारा निवासी जावेद अंसारी,याकूब अहमद,सलमान शाह एवं सुकर राम को जुआ खेलते पुलिस ने घर दबोचा। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार आरोपी के पास से पुलिस ने 37 हजार 700 नगद राशि, चार मोबाइल एवं एक ताश का पत्ता बरामद किया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार चारों आरोपियों के विरुद्ध स्थानीय थाना में कांड संख्या 468/25 के तहत संबंधित मामला दर्ज करते हुए जांच के उपरांत जेल भेज दिया गया ।

होंडा ने सिवान की नई पीढ़ी का सुरक्षित मोबिलिटी की ओर मार्गदर्शन किया

सिवान : होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने बिहार के सिवान में अपने सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान का विस्तार किया, ताकि देशभर में युवाओं के बीच ज़िम्मेदार सड़क व्यवहार की भावना को और मजबूत किया जा सके। इस कार्यक्रम में दिल्ली पब्लिक स्कूल और शाइनिंग स्टार पब्लिक स्कूल के 2000 से ज्यादा विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया, जिसका उद्देश्य ज़िम्मेदार सड़क उपयोगकताओं की नई पीढ़ी तैयार करना है। इंटरएक्टिव सत्रों, प्रैक्टिकल लर्निंग मॉड्यूल्स और दिलचस्प चचाओं के जरिए छात्रों ने न सिर्फ सुरक्षित ड्राइविंग और पैदल चलने के नियमों की बुनियादी बातें सीखी, बल्कि यह भी समझा कि वे आने वाली पीढ़ियों के लिए एक बेहतर उदाहरण कैसे बन सकते हैं। इस पहल ने युवाओं को यह सोचने के लिए प्रेरित किया कि सड़क सुरक्षा केवल पालन करने का नियम नहीं, बल्कि अपनाने की एक संस्कृति है।

गुमशुदा किशोर को पुलिस ने बरामद कर उसके परिवार को सौंपा

राष्ट्रीय खबर

तिलौथू (रोहतास) थाना क्षेत्र के तिलौथू बाजार से एक 13 वर्षीय गुमशुदा किशोर को स्थानीय पुलिस ने बरामद कर उसके परिजनों को सौंप दिया। इस संदर्भ में थानाध्यक्ष शुभम कुमार ने बताया कि तिलौथू में एक 13 वर्षीय किशोर के भटक कर तिलौथू आने

की सूचना मिलते ही उसे स्थानीय थाने पर लाया गया। जो किशोर मानसिक रूप से थोड़ा कमजोर प्रतीत हो रहा है। जिससे काफी पूछताछ के बाद भी उसके घर का सही पता नहीं चल पाया। लेकिन काफी प्रयास के बाद उसके परिजनों से संपर्क हो सका युवक की पहचान जितेंद्र कुमार बिंद, पिता पिंटू बिंद के रूप में हुई है। जो कैमूर जिले के भभुआ का रहने वाला है। परिजनों के सूचना के पश्चात परिजन थाना पहुंचे और बताया कि उसके इलाज के लिए डेहरी के चिकित्सक उदय कुमार सिंहा के यहां लाया गया था। जहां से लड़का भटक गया और तिलौथू पहुंच गया। किशोर को उसके परिजन अपने साथ ले गए।

प्रशांत किशोर से मिली ज्योति सिंह, सियासी घमासान तेज

- मैं यहां चुनाव लड़ने या टिकट मांगने नहीं आई हूं : ज्योति सिंह
- सुरक्षा या लोकतांत्रिक मूल्यों के संदर्भ में डरने की जरूरत नहीं - पीके

राष्ट्रीय खबर

पटना : बिहरा विधानसभा चुनाव के नजदीक आते हीं सियासी हलचलें भी तेज हो रही हैं। इस बीच पवन सिंह की पत्नी ज्योति को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। दरअसल ज्योति सिंह जनसुराज पार्टी के प्रमुख और रणनीतिकार प्रशांत किशोर से मिली हैं। उन्होंने कहा कि मैं यहां चुनाव लड़ने या टिकट मांगने नहीं आई हूं, मैं यह सुनिश्चित करने आई हूं कि किसी और महिला को मेरे जैसा अन्याय न सहना पड़े। उन्होंने कहा कि मैं ऐसी सभी महिलाओं की आवाज बनना चाहती हूं। इसलिए मैं प्रशांत भैया से मिली। वहीं प्रशांत किशोर ने कहा कि ज्योति सिंह यहां एक बिहारी और एक महिला के रूप में आईं। हमने उनकी बात सुनी। सबसे पहले, उन्होंने चुनाव लड़ने के बारे में कुछ नहीं कहा। मुझे लगा कि चुनाव लड़ना या टिकट प्राप्त करना उनका उद्देश्य नहीं है। उनके अनुसार, वह एक गंभीर अन्याय का सामना कर रही हैं। वे चाहती हैं कि उनके साथ जो हुआ, वह किसी और महिला के साथ बिहार में न हो। वे जन सुराज से मदद चाहती हैं। मैंने उन्हें बताया कि प्रशांत किशोर उनके पारिवारिक मामलों में कोई भूमिका नहीं निभा सकते, लेकिन मैंने उन्हें यह भी कहा कि उनकी सुरक्षा या लोकतांत्रिक मूल्यों के संदर्भ में उन्हें डरने की जरूरत नहीं है। जनसुराज उनके साथ रहेगा, उन्हें कानून के अनुसार लड़ाई लड़नी चाहिए। पवन सिंह भी मेरे दोस्त हैं।

जिला के डीआरडीए सभागार में प्रवर्तन एजेंसियों के साथ हुई बैठक

सासाराम (रोहतास) आगामी विधानसभा आम निर्वाचन 2025 के सफल संचालन के मद्देनजर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी, रोहतास की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित डीआरडीए सभागार में सभी प्रवर्तन एजेंसियों के साथ बैठक की गई। जिसमें बताया गया के निर्वाचन व्यय के सफल अनुश्रवण हेतु सभी प्रवर्तन एजेंसियों के बीच गहन समन्वय का होना अतिआवश्यक है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा यह भी बताया गया कि चुनाव के दौरान मतदाताओं को प्रलोभन देने हेतु उनके बीच नगद, शराब, मादक पदार्थ बहुमूल्य वस्तु उपहार अथवा रिश्वत आदि के रूप में वितरित किया जाता है। ऐसी स्थिति में अवैध परिचालन एवं वितरण पर कड़ी नजर रखने हेतु सभी प्रवर्तन एजेंसियों के बीच समन्वय होना आवश्यक है। जिला स्तरीय प्रवर्तन एजेंसियों को यह भी बताया गया कि उपर्युक्त गतिविधियों पर नजर रखने हेतु जिला अन्तर्गत 22 एसएसटी एवं 22 एफसीटी का गठन किया गया है जिनके द्वारा 24 घंटे जांच कार्य किया जायेगा जिनके साथ समन्वय स्थापित करना आवश्यक है। इसके अलावा जिला निर्वाचन पदाधिकारी, रोहतास द्वारा यह भी बताया गया कि मद्य निषेध, पुलिस विभाग एवं अन्य विभाग के पदाधिकारियों को सम्मिलित करते हुए मल्टी एजंसी चेक पोस्ट बनाया गया है जो 24 घंटे कार्यशील है। बैंक के नोडल पदाधिकारी को निदेश दिया गया कि अपने स्तर से सभी बैंकों को निदेशित करें कि चुनाव के दौरान यदि किसी बैंक खाता से छोटी-छोटी मात्रा में बड़ी संख्या में ऑनलाईन माध्यम से राशि का संदेहास्पद अंतरण हो रहा है तो इसकी सूचना शीघ्र जिला निर्वाचन पदाधिकारी को दी जाय। पोस्टल विभाग के नोडल पदाधिकारी को निदेश दिया गया कि पार्सल के स्कैनिंग एवं चेकिंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाय। आय कर विभाग के जिला स्तरीय नोडल पदाधिकारी को नजर रखने हेतु निदेशित किया गया। जो सीजीएसटी एवं एसजीएसटी के नोडल पदाधिकारियों को साड़ी, धोती, टी शर्ट आदि गतिविधि पर नजर रखने हेतु निर्देशित किया गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा यह भी बताया गया कि जांच के दौरान व्यवहार रखना है तथा आयोग द्वारा निर्गत एसओपी का पालन करते हुये यह ख्याल रखना है कि किसी भद्र नागरिक को कोई असुविधा का सामना नहीं करना पड़े। सभी एजेंसियों के जिला नोडल पदाधिकारी का निदेशित किया गया है।

एसयूडी लाइफ ने लॉन्च किया एसयूडी लाइफ ,निफ्टी अल्फा 50 इंडेक्स फंड

पटना : स्टार यूनियन दाइ-इची लाइफ इंश्योरेंस (एसयूडी लाइफ) ने एसयूडी लाइफ निफ्टी अल्फा 50 इंडेक्स फंड के लॉन्च की घोषणा की है। यह एक नया फंड ऑफर (एनएफओ) है जो निफ्टी अल्फा 50 इंडेक्स को ट्रैक करता है। यह एक स्मार्ट बीटा बेंचमार्क है, जिसे भारत के सबसे लगातार बेहतर प्रदर्शन करने वाले शेयरों की पहचान करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह नया फंड ऑफर 6 अक्टूबर से 24 अक्टूबर 2025 तक खुला रहेगा। प्रशांत शर्मा, मुख्य निवेश अधिकारी, स्टार यूनियन दाइ-इची लाइफ इंश्योरेंस ने कहा यह फंड निवेशकों को इक्विटी में निवेश का एक अधिक समझदारी भरा तरीका प्रदान करता है। यह सिर्फ बाजार के आकार को ट्रैक करने तक सीमित नहीं है, बल्कि उन कंपनियों पर ध्यान केंद्रित करता है जिन्होंने समय के साथ बेहतर रिटर्न देने की क्षमता दिखाई है। यह इंडेक्स प्रत्येक तिमाही में पुनसंर्तुलित किया जाता है, जिससे यह बदलते बाजार परिदृश्यों के प्रति चुस्त बना रहता है। यह फंड सेक्टर एग्नोस्टिक दृष्टिकोण के साथ लगातार अल्फा प्राप्त करने का लक्ष्य रखता है, जो जोखिम संतुलित करने और आर्थिक स्पेक्ट्रम में अवसरों को पकड़ने में मदद करता है। यह फंड एसयूडी लाइफ के यूनिट-लिंक्ड इंश्योरेंस प्रोडक्ट्स जैसे - एसयूडी लाइफ वेल्थ बिल्डर प्लान, एसयूडी लाइफ ई-वेल्थ रोयाल, और एसयूडी लाइफ स्टार ट्यूलिप प्लान के साथ उपलब्ध होगा।

करवा चौथ पर महिलाओं ने रखा निर्जला उपवास, रात 8 बजे हुआ चांद का दीदार

- सूर्योदय से लेकर चंद्रोदय तक निर्जला व्रत रखने का है विधान
- चंद्रदेव को अर्घ्य अर्पित करते हुए पति के हाथों से पानी पीकर व्रत तोड़ती हैं महिलाएं

राष्ट्रीय खबर

पटना : सनातन धर्म में करवा चौथ के त्योहार का विशेष महत्व होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह व्रत सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी आयु, सुख-समृद्धि, बेहतर जीवन, अच्छी सेहत और तरक्की के लिए रखा जाता है। करवा चौथ के दिन सुहागिन महिलाएं सूर्योदय से लेकर चंद्रोदय तक निर्जला व्रत रखती हैं। रात को जब चंद्रमा के दर्शन होते हैं तो चंद्रदेव की पूजा करके अर्घ्य अर्पित करते हुए अपने पति के हाथों से पानी पीकर व्रत तोड़ती हैं। राजधानी पटना एवं आसपास के इलाकों में चांद का दीदार लगभग 8 बजे के आसपास किया गया।

करवा चौथ व्रत की कथा

एक नगर में वीरवती नाम की एक साहूकार की प्यारी बेटी थी, जिसके सात भाई थे। विवाह के बाद, जब उसने पहली बार करवा चौथ का व्रत रखा, तो वह दिन भर भूखी-प्यासी रहने से बहुत व्याकुल हो उठी। उसकी यह हालत उसके भाइयों से देखी न गई। उन्होंने अपनी बहन को खिलाने के लिए एक उपाय सोचा। सबसे छोटे भाई ने दूर पीपल के पेड़ पर एक दीपक जलाया और उसे छलनी से ढक दिया, जिससे वह चंद्रमा जैसा दिखने लगा। भाई ने बहन से कहा कि चाँद निकल आया है, तुम अर्घ्य देकर भोजन कर लो। वीरवती ने उस नकली चाँद को देखकर अर्घ्य दे दिया और व्रत तोड़ लिया। व्रत गलत तरीके से टूटने के कारण उसके पति की मृत्यु हो गई। यह देखकर वीरवती बहुत दुखी हुई और एक वर्ष तक अपने पति के शव के पास बैठी रही। अगले वर्ष, जब करवा चौथ आया, तब वीरवती ने विधिपूर्वक और पूरे नियम से व्रत रखा। उसके इस अटूट सतीत्व और श्रद्धा से प्रसन्न होकर करवा माता और माता पार्वती ने उसके मृत पति को पुनः जीवनदान दिया। इस प्रकार, वीरवती को अपना सुहाग वापस मिल गया। तभी से यह व्रत पति की लंबी उम्र और सौभाग्य के लिए रखा जाता है।

गया जी में 15 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथ धाराया राजस्व कर्मचारी, निलंबित

- वायरल ऑडियो पर डीएम ने की कठोर कार्रवाई

राष्ट्रीय खबर

गया जी : भ्रष्टाचार को लेकर जहां सरकार लगाम लगाने की कोशिश कर रही है वही उनके कार्यालय में राजस्व कर्मचारी भोले भाले जनता से गाढी कमाई रिश्वत के रूप में वसूल रहे हैं। शुक्रवार को गया जिले के फतेहपुर अंचल कार्यालय में कार्यरत राजस्व कर्मचारी पर रिश्वत लेने का मामला प्रकाश में आया है। इसकी सूचना मिलते ही जिला पदाधिकारी शशांक शुभंकर के व्हाट्सएप पर अंचल कार्यालय फतेहपुर में कार्यरत राजस्व कर्मचारी रवि कुमार के विरूद्ध राजस्व संबंधी कार्यों का निष्पादन में 15 हजार रुपए रिश्वत माँगने का ऑडियो टेप आया था। प्राप्त ऑडियों के सुने जाने से पता चालता है कि रवि कुमार राजस्व कर्मचारी द्वारा राजस्व संबंधी कार्यों का निष्पादन में अपने दलाल अजय कुमार द्वारा पीड़ित आवेदक पिंटू यादव से फोन पे के माध्यम से 15 हजार रुपए रिश्वत की रूप में लिया गया, जो प्रथम द्दष्टया सही प्रतीत होता है, जिसकी जाँच किया जाना आवश्यक है।

डीएम ने राजस्व कर्मचारी फतेहपुर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में रवि कुमार का मुख्यालय अंचल (टिकारी) में किया गया है।

डीएम ने कहा है कि जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य की जा रही है, कही से भी किसी व्यक्ति को ह्रास करने की सूचना प्राप्त होगी, तो जांचोपरांत कठोर कार्रवाई की जाएगी।

पंजाबी समाज की महिलाओं ने किया करवा चौथ का सामूहिक पूजन,पति के लंबी उम्र की कामना की

सनातन संस्कृति का घोतक है करवा चौथ : सोनिया छाबड़ा

राष्ट्रीय खबर

गया जी : बिहार के गया जी में सुहाग की रक्षा, पति की लंबी आयु, एवं सुख- समृद्धि के लिए सुहागिनों ने सोमवार को बड़े ही श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ करवा चौथ का पर्व मनाया गया। शहर के गुरुद्वारा रोड स्थित गोसाई बाग में पंजाबी बिरादरी की महिलाओंने करवा चौथ का व्रत धूमधाम के साथ मनाया गया। पंजाबी परिवार से जुड़ी महिलाएं सामूहिक रूप से एकत्रित होकर चौथ माता की पूजा की। चांद उगने पर परंपरानुसार चांद को अर्ध्य दिया और चलनी में चांद के दर्शन किए तथा अपने पति के लंबी उम्र की कामना की। इस मौके पर पतियों ने अपने धर्मपत्नियों को उपहार भेंट किया। नव विवाहिताओं में व्रत को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। महिलाएं अपने हाथों में मेहंदी रचाई तथा सोलह श्रृंगार कर दिन भर निर्जल और निराहार रहकर व्रत किया।शाम को भगवान शिव गोरा- पार्वती और गणेश जी की विशेष पूजा अर्चना कर ब्राह्मणों को दान दिया। प्रतिनिधि अपनी धर्मपत्नी का साथ देते हुए अपने हाथों से जल ग्रहण कराया और पत्नी का व्रत तुड़वाया। मौके पर सोनिया छावड़ा ने बताया कि बीते कई वर्षों से करवा चौथ का व्रत कर रही हूं। शादी के बाद से अपने पति के सलामती की दुआ के लिए पूजा अर्चना करती हूं। यह पर्व भारतीय सनातन संस्कृति और परंपरा का घोतक है। मौके पर सोनिया छाबड़ा,शालू शर्मा, ज्योति कुमारी, मालिनी शर्मा, पिंकी, जोली शीतल आदि महिलाएं शामिल थी।

पटना में एक्सपेंडिंग बाउंड्रीज विथ टेड्स & डिजिटल ऑर्थोडॉन्टिक्स विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ

आधुनिक ऑर्थोडॉन्टिक्स में डिजिटल तकनीक और मानवीय संवेदना के संतुलन पर हुआ मंथन

पटना : बुद्धा इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज एंड हॉस्पिटल (BIDSH), पटना के ऑर्थोडॉन्टिक्स एवं डेंटोफेशियल ऑर्थोपेडिक्स विभाग द्वारा इंडियन ऑर्थोडॉन्टिक सोसाइटी (IOS) के तत्वावधान में एक्सपेंडिंग बाउंड्रीज विथ टेड्स & डिजिटल ऑर्थोडॉन्टिक्स विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। दीप प्रज्वलन के साथ प्रारंभ हुए इस कार्यक्रम में देशभर से आए वरिष्ठ दंत चिकित्सक, विशेषज्ञ, शिक्षक और स्नातकोत्तर विद्यार्थी शामिल हुए। उद्घाटन सत्र में डॉ. (प्रो.) अमेश कुमार गोलवारा ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि आधुनिक ऑर्थोडॉन्टिक्स में डिजिटल सटीकता और मरीजों की संवेदना के बीच संतुलन बनाना ही सफलता की कुंजी है। कार्यशाला के दूसरे सत्र में आयोजन सचिव डॉ. (प्रो.) नील भरत केडिया ने इस शैक्षणिक आयोजन को विभाग की उपलब्धि बताते हुए टीम के समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह कार्यशाला न केवल विद्यार्थियों के लिए सीखने का अवसर है, बल्कि दंत चिकित्सा में नवाचार की दिशा में एक सार्थक कदम भी है। वहीं संरक्षक डॉ. (प्रो.) राजीव लाल ने कहा कि विभाग का उद्देश्य बिहार को डेंटल एजुकेशन और शोध के क्षेत्र में अग्रणी बनाना है, और इस तरह के आयोजन उस दिशा में मील का पत्थर साबित होंगे। वैज्ञानिक सत्रों का संचालन डॉ. (प्रो.) राशि चौहान और डॉ. (प्रो.) अंजली कौल ने किया, जिन्हें डॉ. (प्रो.) के. एच. सुधीर और डॉ. शोवेंदु झा का सहयोग प्राप्त हुआ। पंजीकरण की जिम्मेदारी डॉ. पल्लवी कुसुम और डॉ. ऋचा श्री ने निभाई, जबकि आतिथ्य एवं परिवहन व्यवस्था डॉ. (मेजर) अमित कुमार और डॉ. गुंजन केडिया ने अत्यंत कुशलता से संभाली। सत्र की अध्यक्षता डॉ. समीर जैन, डॉ. अंशु साहू, प्रो. डॉ. शुभाकर राव जुव्वादी, डॉ. अनुराग राय, डॉ. ज्योतिर्मय सिंह सहित कई प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने की, जिन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए युवाओं को नवीन तकनीकों से अवगत कराया। पहले दिन के वैज्ञानिक व्याख्यानों में कई चर्चित विषयों पर गहन चर्चा हुई।

वारंटी को जेल

कराकाट (रोहतास) काराकाट पुलिस ने एक वारंटी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। थानाध्यक्ष विवेक कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के शहरी निवासी मोहम्मद सफीक खान के पुत्र मोहम्मद इम्तेयाज खान को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार वारंटी के विरुद्ध बिक्रमगंज व्यवहार न्यायालय से एनबीडब्ल्यू वारंट निर्गत था।

पुलिस ने सात अभियुक्तों को भेजा जेल

दिनारा (रोहतास): दिनारा पुलिस ने सात वारंटियों को गिरफ्तार कर जांच के उपरांत न्यायिक हिरासत में भेज दिया। थानाध्यक्ष विनय कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के मिल्की मनिहारी निवासी श्रीभगवान नोनिया,कामता नोनिया,माधो नोनिया, नारायण नोनिया,मरुआ निवासी अशोक साह,दिनारा निवासी राजा साह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार सभी वारंटियों के विरुद्ध बिक्रमगंज व्यवहार न्यायालय से वारंट निर्गत था, तो वहीं दूसरी ओर पुलिस ने गंजभड़सरा निवासी जंग बहादुर चौधरी को भी गिरफ्तार कर लिया। बताया कि गिरफ्तार वारंटी के विरुद्ध सासाराम न्यायालय से वारंट निर्गत था । उन्होंने कहा कि गिरफ्तार सभी सातों वारंटियों को जांच के उपरांत न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया ।

विधानसभा का नामांकन 13 अक्टूबर से

झंझारपुर : 38, झंझारपुर एवं 37, राजनगर विधानसभा के अभ्यर्थियों का नामांकन 13 अक्टूबर से शुरू होकर 20 अक्टूबर तक चलेगा। सभी आवेदन की स्कूटी 21 अक्टूबर को की जाएगी। नाम वापसी के अंतिम तिथि 23 अक्टूबर रहेगी। झंझारपुर विधानसभा क्षेत्र का डिस्पैच सेंटर केजरीवाल स्कूल प्रांगण को बनाया गया। जबकि राजनगर विधानसभा क्षेत्र का डिस्पैच सेंटर पंडौल में रहेगा। मतगणना कर्मी यही से ईवीएम मशीन और तमाम कागजात लेकर मतदान कराने बूथों पर पहुंचेंगे।

247.200 लीटर मामा श्री नेपाली देशी शराब के साथ तीन लोगों को किया गिरफ्तार

झंझारपुर : भैरवस्थान थाना पुलिस ने थाना क्षेत्र के एन एच 27 विदेश्वर स्थान कट के समीप से गुप्त सूचना के आधार पर मामा श्री नेपाली शराब से लदे मारुति सुजुकी वैगेनार कार के साथ तीन कारोबारी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने जब कार की तलाशी ली तो डिक्की एवं बीच वाले सीट पर उजाला प्लास्टिक के सात बोरा में तीन-तीन कार्टून एवं एक बोरा में दो कार्टून कुल 28 कार्टून प्रत्येक कार्टून में 30-30 बोतल 300 एम एल का कुल 824 बोतल, लीटर में 247. 200 लीटर नेपाली देसी मामा श्री शराब के साथ रंगे हाथ धर दबोचा। गिरफ्तार वाहन चालक की पहचान अंधरामंठ थाना क्षेत्र के दोमहान वार्ड 2 निवासी विनायक यादव के 23 वर्षीय पुत्र संजीत कुमार यादव के रूप में हुई है तो वहीं शराब कारोबार में संलिप्त अंधरामंठ थाना क्षेत्र के रौआही गांव निवासी विजय खतवे के 21 वर्षीय पुत्र दीपक कुमार खतवे और अंधरामंठ थाना क्षेत्र के छिटही गांव निवासी रामअवतार यादव के पुत्र सुभाष यादव के रूप में हुई है। जब्त गाड़ी का रजिस्ट्रेशन नम्बर बीआर एसी 4890 है।

भैरवस्थान थानाध्यक्ष सत्येंद्र तिवारी ने बताया कि शराब कारोबारी और वाहन चालक के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि किसी भी सूरत में शराब के धंधे में संलिप्त शराब कारोबारीयों को बख्शा नहीं जाएगा।

रैयाम और रूपोली में 2500 लीटर अर्धनिर्मित शराब का किया विनष्टीकरण

भैरवस्थान : भैरवस्थान थाना पुलिस ने थाना क्षेत्र के रैयाम और रूपौली गांव में एसएसबी के साथ फ्लैग मार्च के दौरान 2500 लीटर अर्धनिर्मित देशी चुलाई शराब की सामग्री गुड़ का घोल और बर्तन का विनष्टीकरण किया गया। कांड में फरार चल रहे 5 व्यक्तियों के विरुद्ध छापेमारी किया गया। दोनों गांव से अलग-अलग व्यक्तियों के घर के पीछे तथा झाड़ी से कुल 80 लीटर देसी चुलाई शराब बरामद किया गया। भैरवस्थान थानाध्यक्ष सत्येंद्र तिवारी ने बताया कि शराब और शराब कारोबारियों के विरुद्ध निरंतर आगे भी विनष्टीकरण की कार्यवाई की जाएगी।

राजनगर विधानसभा के कोषांग पदाधिकारी की समीक्षा बैठक

- कोषांग के कार्य और नॉमिनेशन की दी गई जानकारी
- 13 अक्टूबर से शुरू होगा नामांकन

राष्ट्रीय खबर

झंझारपुर : बिहार विधानसभा क्षेत्र 37 राजनगर के सभी नोडल पदाधिकारी कर्मी के साथ आरओ की एक महत्वपूर्ण समीक्षात्मक बैठक शुक्रवार को सम्राट अशोक भवन में की गई। बैठक को संबोधित करते हुए राजनगर विधानसभा के निर्वाचि पदाधिकारी सह डीसीएलआर टोनी कुमारी ने बताया कि 13 अक्टूबर से नामांकन शुरू होगा। कुल 15 कोषांग का गठन किया गया है। बैठक में विभिन्न कोषांग के कार्य और नॉमिनेशन ऑर्डर की जानकारी दी गई। बताया गया की स्विप पीडब्ल्यूडी कोषांग के नोडल एवं सहायक नोडल पदाधिकारी न्यूनतम विटीआर वाले मतदान केंद्रों को विटीआर निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करना है। दिव्यांग निर्वाचकों को दी जाने वाली सुविधा प्रत्येक मतदान केंद्र पर उपलब्ध है। यह सुनिश्चित किया जाना है। जागरूकता अभियान की चलाई जानी है। जन शिकायत कोषांग के हेल्पलाइन कार्य और प्रेक्षण प्रेषक प्रबंधन कोषांग के नोडल एवं सहायक नोडल पदाधिकारी को उनके कर्तव्य और दायित्व की जानकारी देते हुए बताया गया की पूरी व्यवस्था पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ रखना है। डीसीएलआर ने कहा कि विधि व्यवस्था, नियंत्रण कक्ष, पोस्टर-बैनर, सामग्री, नाम निर्देशन, वाहन, एकल खिड़की व आचार संहिता सहित कुल 15 कोषांग के पदाधिकारी निर्वाचन आयोग से निर्गत दिशा-निदेशों के अनुसार निर्वाचन कार्यों के सुचारु व पारदर्शी संचालन करेंगे।उन्होंने कहा कि प्रशासन निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव कराने को पूरी तरह प्रतिबद्ध है। समीक्षा बैठक में नोडल पदाधिकारी राजनगर के बीडीओ अर्चना कुमारी,अंधराठाढ़ी के बीडीओ राकेश रोशन, राजनगर के बीसीओ धीरज कुमार, राजनगर के बीएओ रमन कुमार, अंधराठाढ़ी की सीओ प्रियदर्शनी, अमित कुमार, कुमार अभिषेक, गौरीशंकर, विनीता कुमारी, नीतीश कुमार के अलावा कई कर्मी और सहायक नोडल पदाधिकारी मौजूद थे।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस कार्यक्रम का आयोजन

आरा : भोजपुर सेहत केन्द्र के नोडल पदाधिकारी डॉ. राकेश कुमार रंजन सह सहायक नोडल पदाधिकारी डॉ. श्वेता सिंह के तत्वाधान में एसबी कॉलेज आरा के विवेकानकान्द सभागार में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस कार्यक्रम आयोजित हुई। मौके पर नोडल पदाधिकारी राकेश रंजन के द्वारा विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस 2025 के विषय-मानवीय आपात स्थितियों में मानसिक स्वास्थ्य से युवा वर्गो को भली भांति अवगत कराया। उन्होंने संघर्ष,आपदाएं और स्वास्थ्य आपात स्थितियों में मानसिक रूप से स्वास्थ्य रहने के महत्वपूर्ण प्रभावों को बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. अरविंद कुमार ने की। अवसर पर प्रमुख वक्ता के रूप में डॉ. नीलम सिंह और डॉ. मनोज कुमारी मौजूद थी जिन्होंने युवाओं को मानसिक स्वास्थ्य से अवगत कराया। सहायक नोडल पदाधिकारी डॉ. श्वेता सिंह ने सामुदायिक स्तर पर मानसिक स्वास्थ की देखभाल और आपदा प्रबंधन में आपातकालीन मानसिक स्वास्थ्य के बारे में बच्चों को बताया। मौके पर डॉ. पंकज सुधांशु, डॉ. अशोक तिवारी, डॉ. डीपीराय, डॉ. उमेश कुमार राय, डॉ. राकेश चौधरी, वेकटेश चौधरी, डॉ. प्रियंका भारती, डॉ. प्रेमलता, डॉ. राधिका रमण सिंह, डॉ० एसडी सिंह, डॉ. आदित्य आनंद सहित सैकड़ों लोगों को धन्यवाद ज्ञापन नोडल पदाधिकारी डॉ० राकेश कुमार रंजन द्वारा कीया गया।

छात्र नेत्री खुशबू पाठक बड़हरा से लड़ेगी निर्दलीय विधानसभा चुनाव

आरा : भोजपुर जिला के बड़हरा प्रखंड क्षेत्र की पिपरपाती गांव निवासी खुशबू पाठक पिछले कई वर्षों से पटना में रहकर बिहार के युवाओं की आवाज बनी हुई है। बिहार के युवाओं के लिए संघर्षरत और आंदोलन करने वाली छात्र नेत्री खुशबू पाठक बिहार के कई सारे प्रतियोगी परीक्षाओं को कराने को लेकर युवाओं की आवाज बनी है। खुशबू पाठक बड़हरा विधानसभा 2025 की निर्दलीय चुनाव में उतरने की मूड में हैं। इसकी सूचना उन्होंने शुक्रवार को दी। खुशब पाठक ने कहा कि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही छात्र-युवाओं के प्रति असंवेदनशील है। कोई भी छात्रों के प्रति गंभीर नहीं है। विधानसभा मे कोई भी छात्रों के लिए निष्पक्ष रूप से आवाज बुलंद नही करते। इसलिए छात्रों के मुद्दों को लेकर सड़क से सदन तक आवाज बुलंद करने के लिए विधानसभा चुनाव लड़ेंगें। सड़क के साथ-साथ अब सदन में भी छात्रों की आवाज गूंजनी चाहिए। बड़हरा का चुनाव बिहार के छात्रों का चुनाव है। उन्होंने कहा कि चुनाव लड़ने की मांग बिहार के सभी जिलों से छात्रों की थी। बिहार के छात्र युवाओं और बड़हरा के युवाओं सहित आम जनता की सलाह पर बड़हरा से चुनाव लड़ने का ऐलान किया गया है।

शिवसागर थाना के किरहिंडी में आपसी विवाद में गोली चलने से एक लड़की की मौत

- रोहतास एसपी ने त्वरित कार्रवाई कर पांच आरोपियों को किया गिरफ्तार

राष्ट्रीय खबर

शिवसागर (रोहतास) : शिवसागर थानाक्षेत्र के किरहिंडी गांव में आपसी विवाद में चली गोली में एक लड़की की हुई मौत। घटना में मामले में रोहतास एसपी रौशन कुमार ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को किया गिरफ्तार। जबकि अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस की छापामारी जारी। घटना की पुष्टि करते हुए पुलिस अधीक्षक रौशन कुमार ने बताया कि किरहिंडी गाँव निवासी सुनील सिंह और मंटू सिंह के बीच पहले से ही विवाद चल रहा था। अहले सुबह पानी गिराने को लेकर हुए विवाद में सुनील सिंह की ओर से गोली चलायी गयी। गोली मंटू सिंह की बेटी गोल्डी को जा लगी, जिसे गंभीर हालत में सदर अस्पताल, सासाराम के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। घटनास्थल पर स्थिति का जायजा लेने पहुँचे एसपी के अनुसार घटना में प्रयुक्त हथियार बरामद कर लिया गया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया है कि सुनील सिंह के तीन लोगों को गिरफ्तार कर घटनास्थल को सुरक्षित कर- के एफएसएल के माध्यम जांच किया जा रहा है।

विधानसभा चुनाव को लेकर मॉक ड्रिल सह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

राष्ट्रीय खबर

सासाराम (रोहतास) : बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 के तहत पीठासीन पदाधिकारी एवं प्रथम मतदान पदाधिकारी का प्रशिक्षण के दौरान कराया जा रहा है ईवीएम मॉक ड्रिल। प्रशिक्षण कोषांग एवं ईवीएम कोषांग के संयुक्त तत्वाधान में प्रशिक्षण पा रहे सभी पीठासीन पदाधिकारी एवं प्रथम मतदान पदाधिकारी शाहिद संजय सिंह महिला कॉलेज भभुआ में मॉक ड्रिल कराकर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके अंतर्गत कम से कम 100-100 वोट डालकर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जो चुनाव आयोग की इस पहल से सभी प्रशिक्षणार्थी संतुष्ट है एवं इसकी सराहणा की जा रही है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा प्रशिक्षण कोषांग का शुक्रवार को निरीक्षण किया गया। निरीक्षण क्रम में जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा मॉक ड्रिल का निरीक्षण किया गया एवं सभी प्रशिक्षणार्थी को प्रशिक्षण सही ढंग से तत्परता के साथ लेने का निदेश दिया गया।

पुराना मकान तोड़ने के क्रम में गिरा दीवार, एक मजदूर की मौत

नोखा (रोहतास) : थाना क्षेत्र के घोसियां गांव में देवमुनी चौधरी के पुराना मकान तोड़ने के दौरान मकान गिरने से मलवे में दब जाने से पियरा बाल निवासी एक मजदूर की मौत घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि दुर्घटना में दूसरा मजदूर सिकंदर बुरी तरह जख्मी हो गया। जिसका इलाज नोखा के अस्पताल में कराने के बाद चिकित्सक ने सासाराम सदर अस्पताल रेफर कर दिया। घोसिया में मकान गिरने की सूचना मिलने पर नोखा सीओ मधुसूदन चौरसिया और थानाध्यक्ष दिनेश कुमार मालाकार तत्काल घटनास्थल पर पहुंच मजदूर को बचाने में जुट गए। उन्होंने नगर परिषद के जेसीबी द्वारा आनन-फानन में मलवा को हटवाया। लेकिन तबतक देर हो चुकी थी। घटना संबंध में थानाध्यक्ष दिनेश कुमार मालाकार ने बताया कि मृतक कृष्णा चौधरी के शव को पोस्टमार्टम के लिए सासाराम भेज दिया गया है।

एसएसबी ने सीमा पर चीन की नाशपाती से भरे वाहन और नेपाली नागरिक को पकड़ा

सीतामढ़ी : सोनबरसा थानाक्षेत्र अंतर्गत भारत-नेपाल सीमा पर शुक्रवार की सुबह एसएसबी की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चीनी नाशपाती से भरे एक पिकअप वाहन और एक नेपाली नागरिक को पकड़ा है। आरोपी नेपाली नागरिक नेपाल से भारत में चीनी नाशपाती की तस्करी कर रहा था। बीओपी इंदरवा के अंतर्गत यह कारवाई की गई है। शुक्रवार की सुबह नाका पर तैनात जवानों ने नेपाल से भारत की ओर आ रहे एक टाटा योद्धा वाहन को रोका। वाहन संख्या वढ-03ळ-2532 बताई गई है। तलाशी में वाहन से 138 पेटी चीनी नाशपाती (लगभग 2070 किलो) बरामद किया गया है । नेपाली नागरिक सह वाहन का चालक की पहचान,उदित कुमार महतो, पिता राम एकबाल महतो,श्रीनगर,थाना ईश्वरपुर नेपाल के रूप में की गई है। एसएसबी के अनुसार - आरोपी फल नेपाल।से लेकर भारत के सोहरवा गांव पहुंचाने जा रहा था। पूछताछ में उसने बताया कि वह सीमा पर अवस्थित तस्कर गिरोह में ह्लकूरियरह्व के रूप में काम करता है। जानकारी के मुताबिक, नाका पार्टी को सूचना मिली कि नेपाल से अवैध रूप से फल की खेप लाई जा रही है। समाचार प्रेषण तक बरामद माल और वाहन को आगे की कार्रवाई के लिए कस्टम कार्यालय, सोनबरसा को सौंपने और एफआईआर की प्रक्रिया जारी थी ।

बेनीपट्टी में छात्रों ने प्रस्तुत किया मतदाता जागरूकता नुक्कड़ नाटक

- उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय में युवा शक्ति ने फैलाया लोकतंत्र का संदेश

राष्ट्रीय खबर

मधुबनी : जिले के उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय, बेनीपट्टी में आज छात्र-छात्राओं की टोली ने मतदाता जागरूकता के उद्देश्य से नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नागरिकों, विशेषकर युवाओं और प्रथम बार मतदाता बनने वाले छात्रों में लोकतंत्र के महत्व के प्रति जागरूकता फैलाना था। कार्यक्रम में छात्रों ने नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से मतदान के अधिकार, सही समय पर वोट देना और लोकतंत्र में प्रत्येक मतदाता की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण संदेशों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। छात्र-छात्राओं ने रंगारंग मंचन के साथ-साथ सरल और यादगार संवादों का उपयोग करते हुए यह संदेश दिया कि मतदान केवल एक अधिकार नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी भी है। मौके पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने कहा कि मतदान लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है। हर मतदाता का वोट न केवल उसके अधिकार का प्रतीक है, बल्कि समाज और देश की दिशा तय करने में योगदान भी है। हम चाहते हैं कि हमारे छात्र इस संदेश को न केवल अपने विद्यालय तक सीमित रखें, बल्कि अपने परिवार और समाज में भी फैलाएँ। इस अवसर पर काफी संख्या में छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

दिनारा : विधानसभा चुनाव को लेकर सीआरपीएफ फोर्स ने किया फ्लैग मार्च

राष्ट्रीय खबर

दिनारा (रोहतास) : बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर रोहतास जिले में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद हो गया है। संभावित गड़बड़ियों पर रोक लगाने और मतदाताओं में विश्वास कायम करने के उद्देश्य से दिनारा प्रखंड के नटवार व भानस थाना क्षेत्र में पुलिस व सीआरपीएफ की संयुक्त टीमों ने व्यापक एरिया डोमिनेशन व फ्लैग मार्च अभियान चलाया। नटवार थानाध्यक्ष अजीत कुमार के नेतृत्व में थाना क्षेत्र के नटवार बाजार, तेनुअज टोला,मुंशी डिहरी,बिसुनपुरा,अहरांव व असियां सहित कई संवेदनशील गांवों में पुलिस बल ने पैदल गश्ती कर लोगों को शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की। जो अभियान के दौरान पुलिस ने स्थानीय दुकानदारों और ग्रामीणों से संवाद भी किया। थानाध्यक्ष अजीत कुमार ने बताया कि चुनाव को लेकर पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड में है । किसी भी तरह की अशांति या अफवाह फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी । जनता निडर होकर मतदान करें,उनकी सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी पुलिस की है । वहीं दूसरी ओर भानस थाना क्षेत्र में थानाध्यक्ष विजय बैठा के नेतृत्व में डोईयां,पीठवैयां,मनीपुर,विश्रामपुर व पिथनी गांवों में सीआरपीएफ के साथ एरिया डोमिनेशन किया गया । गश्ती के दौरान पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों से बातचीत करते हुए कहा कि वे किसी अफवाह पर ध्यान न दें और मतदान के दिन शांति से मतदान करें। थानाध्यक्ष विजय बैठा ने कहा कि हमारी प्राथमिकता है कि चुनाव शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न हो। किसी भी असामाजिक तत्व को कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। पुलिस 24 घंटे गश्त और निगरानी में जुटी है। दोनों थाना क्षेत्रों में हुए इस अभियान से ग्रामीणों में विश्वास और सुरक्षा की भावना स्पष्ट रूप से देखी गई । लोग खुले तौर पर कहने लगे हैं कि इस बार चुनाव पहले से कहीं अधिक शांति और निष्पक्षता के साथ संपन्न होगा। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आगामी दिनों में भी संवेदनशील इलाकों में लगातार गश्ती और सघन चेकिंग अभियान जारी रहेगा,ताकि चुनाव के दौरान किसी भी अप्रिय घटना की गुंजाइश न रहे।

दिव्यांग मतदाताओं एवं गर्भवती महिला मतदाताओं के लिए बूथों विशेष व्यवस्था : अपर समाहर्ता

राष्ट्रीय खबर

बेतिया : बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 के दृष्टिगत दिव्यांग (पीडब्लूडी) मतदाताओं को सुगम, सुरक्षित एवं सम्मानजनक मतदान का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से आज डिस्ट्रिक्ट मॉनिटरिंग कमिटी ऑन एक्सेसिबल इलेक्शन की एक महत्वपूर्ण बैठक एडीएम कार्यालय, बेतिया में आयोजित की गई। उपर्युक्त बैठक की अध्यक्षता अपर समाहर्ता-सह-वरीय प्रभारी पदाधिकारी राजीव रंजन सिन्हा ने की। इस क्रम में विधानसभा चुनाव 2025 के दृष्टिगत निःशक्त पीडब्ल्यूडी मतदाताओं को दी जाने वाली विभिन्न सुविधा की प्रगति की समीक्षा की गई। इसमें विशेषतः व्हील चेयर की उपलब्धया, वॉलेंटियर्स की नियुक्ति, मतदान केंद्र तक वाहन की सुविधा, रैंप एवं शौचालय व्यवस्था जैसे विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। वरीय उप समाहर्ता-सह-जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग ने बताया कि जिला में कुल-23283 दिव्यांगजन वोटर हैं। 1626 मतदान भवन में वे मतदान करेंगे। व्हील चेयर के संदर्भ में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि 150 व्हील चेयर स्वास्थ्य विभाग, 54 व्हील चेयर बुनियाद केन्द्र तथा 1300 व्हील चेयर जिला शिक्षा कार्यालय उपलब्ध कराएंगे। अपर समाहर्ता राजीव रंजन सिन्हा ने सम्बंधित पदाधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि चुनाव प्रक्रिया में किसी भी दिव्यांग मतदाता को किसी प्रकार की कठिनाई न हो, यह हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी मतदान केंद्रों पर सुगमता से सम्बंधित आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्व से सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने निर्देश दिया कि मुख्यमंत्री परिवहन योजना अंतर्गत के वाहनों का उपयोग दिव्यांग मतदाताओं, गर्भवती महिला मतदाताओं को बूथों तक ले जाने और ले आने के लिए आवश्यकतानुसार किया जायेगा। उन्होंने कहा कि निःशक्त (पीडब्ल्यूडी) मतदाताओं एवं गर्भवती महिला मतदाताओं के लिए विशेष प्रशिक्षण प्राप्त वॉलेंटियर्स की तैनात किए जाएंगे। मतदान के दिन मतदाताओं को सहयोग प्रदान करेंगे। सिविल सर्जन को निर्देश दिया गया कि स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से आवश्यकतापरक दिव्यांग मतदाताओं को आवश्यक चिकित्सीय सहायता और उपकरण समय पर उपलब्ध कराये जाएंगे। बैठक में वरीय उप समाहर्ता-सह-सहायक निदेशक, जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग नगमा तबस्सुम, सिविल सर्जन, जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी, प्रभारी पदाधिकारी एनसीसी, अधीक्षक स्काउट एंड गाइड सहित विभिन्न सम्बंधित विभाग के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पश्चिम चम्पारण जिला मुख्यालय बेतिया स्थित महाराजा स्टेडियम में जिलास्तरीय विद्यालीय खेलकूद प्रतियोगिता का श्रीगणेश

राष्ट्रीय खबर

बेतिया : बिहार राज्य के प्राधिकरण, खेल विभाग तथा जिला प्रशासन पश्चिम चम्पारण के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को जिलास्तरीय विद्यालीय खेलकूद प्रतियोगिता महाराजा स्टेडियम बेतिया सहित विभिन्न स्थल पर एक साथ प्रारम्भ किया गया। इस प्रतियोगिता में 18 प्रखंड के लगभग 375 विद्यालय के लगभग साढे चार हजार विद्यालयीय खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। महाराजा स्टेडियम में प्रतियोगिता का श्रीगणेश वरीय उपसमाहर्ता नगमा तब्बूसुन, वरीय उपसमाहर्ता ज्योति रानी, डीपीओ गार्गी कुमारी, जिला योजना पदाधिकारी प्रदीप कुमार तथा राकेश कुमार कला एवं संस्कृति पदाधिकारी सह जिला सूचना एवं जन सम्पर्क पदाधिकारी ने संयुक्ततः दीप प्रज्वलित कर किया। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी गार्गी कुमारी पदाधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा के साथ खेलकूद भी अतिमहत्वपूर्ण है। ऐसे आयोजन से खिलाड़ियों में अनुशासन, टीम वर्क और नेतृत्व क्षमता बढ़ती है। जिला खेल पदाधिकारी विजय कुमार पण्डित ने सभी मचासीन अतिथियों को हरित पौधा देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि ने झंडातोलन किया, तत्पश्चात आलोक भारती शिक्षण संस्थान बेतिया के बैंड की धुन पर विपिन उच्च विद्यालय बेतिया के एनसीसी कैडेट ने मार्च पास्ट किया। खेल प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर मेडल प्राप्त खिलाड़ियों ने मशाल दौड़ व लोयोला बालक मध्य विद्यालय चूहड़ी चनपटिया ने मनमोहक स्वागत गान प्रस्तुत किया। सारांश कुमार लक्ष्य इंटरनेशनल स्कूल बेतिया ने खेल भावना के साथ खेलने का शपथ ग्रहण भी कराया। जिला स्तरीय विद्यालीय खेलकूद प्रतियोगिता में एथलेटिक्स, कबड्डी, वालीबाल, हैंडबॉल, खो खो, क्रिकेट, फुटबॉल की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। शुक्रवार को आयोजित प्रतिस्पर्द्धा का परिणाम उत्साहवर्धक रहा है। खेल विधा खो-खो अंडर 17 पुरुष वर्ग में एसबी पब्लिक स्कूल मझौलिया ने 3 के मुकाबला में 4 अंक से नॉट्रेडम पब्लिक स्कूल को पराजित किया। इस प्रकार एसबी पब्लिक स्कूल मझौलिया विजेता और नॉट्रेडम पब्लिक स्कूल उपविजेता रहा। उसी आयु वर्ग के महिला वर्ग में एसबी पब्लिक स्कूल मझौलिया ने 01 के मुकाबले 07 अंक से 10 + 2 प्रोजेक्ट प्रजापति कन्या उच्च विद्यालय वृंदावन चनपटिया को पराजित कर विजेता बना। एथलेटिक्स महिला वर्ग में 800 मीटर दौड़ स्पर्द्धा में उत्क्रमित उच्च विद्यालय बखरी की रानी कुमारी प्रथम, उत्क्रमित उच्च विद्यालय बखरी की गीता कुमारी द्वितीय, उत्क्रमित उच्च विद्यालय शेरहवा मस्जिदवा की रागिनी कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 3000 मीटर दौड़ स्पर्द्धा में उत्क्रमित उच्च विद्यालय बखरी की गीता कुमारी प्रथम, उत्क्रमित उच्च विद्यालय बखरी की अनू कुमारी द्वितीय, उत्क्रमित मध्य विद्यालय मौजा पकड़ी, पंचायत हरदीटेढ़ा, प्रखण्ड नरकटियागंज की ज्योति कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 1500 मीटर दौड़ स्पर्द्धा पुरुष वर्ग में उच्च विद्यालय महुअवा बिनवलिया के अजय कुमार प्रथम, राजकीय आवासीय अंबेडकर विद्यालय मैडरोल के अभिजित कुमार द्वितीय, उच्च माध्यमिक विद्यालय चेंगौना के संदीप कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया है।

राष्ट्रीय ख़बर अपना बिहार
web : www.rashtriyakhabar.com
epaper.rashtriyakhabar.com

शराब के नशे में चार गिरफ्तार

सुगौली, पू.च: स्थानीय थाना की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर शराब पीते हुए चार व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार,थानाध्यक्ष अनीश कुमार सिंह को सूचना मिली थी कि थाना क्षेत्र के छपवा और नुनिया टोली में कुछ लोग शराब सेवन कर रहे हैं। सूचना की पुष्टि होते ही पुलिस दल मौके पर पहुंचा और तत्परता दिखाते हुए छापेमारी अभियान चलाया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने चार व्यक्तियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया, जिनकी पहचान छपवा निवासी पवन कुमार,शशिभूषण, पंकज माझी और प्रेम माझी के रूप में की गई है। पुलिस ने मौके से शराब सेवन के सबूत भी बरामद किए हैं। थानाध्यक्ष अनीश कुमार सिंह ने बताया कि सभी गिरफ्तार व्यक्तियों को अग्रिम कार्रवाई हेतु मोतिहारी भेजा गया है। उन्होंने कहा कि थाना क्षेत्र में शराबबंदी कानून का सख्ती से पालन कराया जा रहा है तथा शराब सेवन या तस्करी में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

फसल अनुदान में गड़बड़ी पर किसान सलाहकार चयनमुक्त

स्थानीय थाना की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर शराब पीते हुए चार व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार,थानाध्यक्ष अनीश कुमार सिंह को सूचना मिली थी कि थाना क्षेत्र के छपवा और नुनिया टोली में कुछ लोग शराब सेवन कर रहे हैं। सूचना की पुष्टि होते ही पुलिस दल मौके पर पहुंचा और तत्परता दिखाते हुए छापेमारी अभियान चलाया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने चार व्यक्तियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया, जिनकी पहचान छपवा निवासी पवन कुमार,शशिभूषण, पंकज माझी और प्रेम माझी के रूप में की गई है। पुलिस ने मौके से शराब सेवन के सबूत भी बरामद किए हैं। थानाध्यक्ष अनीश कुमार सिंह ने बताया कि सभी गिरफ्तार व्यक्तियों को अग्रिम कार्रवाई हेतु मोतिहारी भेजा गया है। उन्होंने कहा कि थाना क्षेत्र में शराबबंदी कानून का सख्ती से पालन कराया जा रहा है तथा शराब सेवन या तस्करी में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

गांजा तस्कर गिरफ्तार, 6.41 किलो मादक पदार्थ बरामद

लौरिया: बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के दृष्टिगत अपराध नियंत्रण एवं अवैध कारोबार पर रोक लगाने के उद्देश्य से लौरिया में सघन वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में लौरिया थाना पुलिस ने गुरुवार को लौरिया स्तंभ के पास लौरिया–नरकटियागंज मार्ग पर वाहन जांच के क्रम में 6.41 किलोग्राम गांजा के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार व्यक्ति दिनेश कुमार गुप्ता, पिता स्व अमरीका शाह, ग्राम वृत्ति टोला जगदीशपुर, थाना जगदीशपुर,जिला पश्चिम चम्पारण निवासी बताया गया है। पुलिस ने आरोपी के पास से 6.41 किलोग्राम गांजा एवं एक बाइक बरामद किया है। इस सम्बंध में लौरिया थाना में काण्ड अंकित कर अग्रेत्तर कार्रवाई की जा रही है।

चिरैया व ढाका विधानसभा क्षेत्र के सेक्टर पदाधिकारियों संग डीएम-एसपी की समीक्षा बैठक

चुनाव प्रक्रिया की सफलता का मेरुदंड हैं सेक्टर पदाधिकारी – जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल

राष्ट्रीय खबर

मोतिहारी, पू.च : बिहार विधानसभा निर्वाचन 2025 की तैयारी को लेकर शुक्रवार को उच्च विद्यालय ढाका के सभाकक्ष में जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल एवं पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने चिरैया (20) और ढाका (21) विधानसभा क्षेत्र के सेक्टर पदाधिकारी एवं सेक्टर पुलिस पदाधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक की। बैठक में जिलाधिकारी ने चुनाव की तैयारियों से जुड़ी बारीकियों की जानकारी ली और सभी को अपने दायित्वों के प्रति सजग एवं जिम्मेदार रहने का निर्देश दिया।

जिलाधिकारी ने एक-एक पदाधिकारी से प्रश्न करते हुए पूछा कि क्या सभी ने अपने क्षेत्र का भ्रमण किया है, उनके जिम्मे कितने मतदान केंद्र हैं, बूथ तक पहुंचने का मार्ग कैसा है,बारिश से जलजमाव की स्थिति तो नहीं बनी, और एश्योर्ड मिनिमम फैसिलिटी (अटऋ) यानी न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं की स्थिति क्या है। उन्होंने निर्देश दिया कि क्षेत्र भ्रमण के दौरान संवेदनशील इलाकों एवं महादलित टोलों की पहचान कर वहां लोगों में फ्री एंड फेयर पोल के प्रति विश्वास जागृत किया जाए।

बैठक में पदाधिकारियों ने बताया कि उन्होंने पुलिस सेक्टर पदाधिकारियों के साथ संयुक्त रूप से क्षेत्र भ्रमण किया है और सभी मतदान केंद्रों पर न्यूनतम सुविधाओं की समीक्षा कर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि चुनाव प्रक्रिया की सफलता का आधार सेक्टर पदाधिकारी हैं, इसलिए वे अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी और तत्परता के साथ करें। उन्होंने ईवीएम एवं वीवीपैट की कार्यप्रणाली की जानकारी रखने पर भी विशेष बल दिया।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने कहा कि चुनाव केवल प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि लोकतंत्र का महापर्व है, जिसे सफल बनाने में सभी की भूमिका सर्वोपरि है। उन्होंने सेक्टर पदाधिकारियों को आपसी समन्वय बनाकर सजग, निष्पक्ष और सक्रिय रूप से कार्य करने का निर्देश दिया।

बैठक में ढाका विधानसभा के निवार्ची पदाधिकारी-सह-अनुमंडल पदाधिकारी साकेत कुमार, चिरैया विधानसभा के निवार्ची पदाधिकारी-सह-भूमि सुधार उप समाहर्ता सुनिधि,अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सिकरहना एवं पकड़ीदयाल सहित सभी सहायक निवार्ची पदाधिकारी उपस्थित रहे। चिरैया विधानसभा में 36 तथा ढाका विधानसभा में 43 सेक्टर पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है, जो निर्वाचन की सफलता के लिए मेरुदंड की भूमिका निभा रहे हैं।

शांतिपूर्वक सम्पन्न हुई माँ दुर्गा की पूजा, भक्तों ने श्रद्धा से ग्रहण किया महाप्रसाद

▶▶ राधा-कृष्ण ठाकुरबाड़ी मठ परिसर में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

राष्ट्रीय खबर

सुगौली, पू.च : नगर के मुख्य बाजार रोड स्थित राधा-कृष्ण ठाकुरबाड़ी मठ परिसर में गुरुवार की रात दुर्गा पूजा समिति द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी माँ दुर्गा की पूजा विधि-विधानपूर्वक सम्पन्न की गई। पूजा सम्पन्न होने के उपरांत देर शाम श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें नगर व आसपास के क्षेत्रों से सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। महाप्रसाद कार्यक्रम का शुभारंभ महंत बाबा मनीष दास ने किया। साथ में जदयू नेता सह समाजसेवी भाई अलीहसन मौजूद रहें। इस मौके पर महंत बाबा मनीष दास ने कहा कि माँ दुर्गा की कृपा से समाज में सुख, शांति और समृद्धि बनी रहती है। उन्होंने लोगों से जीवन में धार्मिकता, संयम और सेवा भाव को अपनाने का संदेश दिया। समिति के अध्यक्ष प्रियांशु सर्राफ ने बताया कि समिति द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी पूजा और महाप्रसाद का आयोजन श्रद्धा, अनुशासन और भाईचारे के वातावरण में किया गया। अंकुर चौधरी, अनुप अग्रवाल,रंजित सर्राफ, नवीन कुमार,बिरजू साह, बेचू साह, प्रिंस कुमार,अजय कुमार सहित समिति के सभी सदस्य आयोजन में सक्रिय रूप से जुड़े रहे। रात्रि में श्रद्धालुओं की भीड़ ठाकुरबाड़ी परिसर में देर रात तक बनी रही। भक्तगण माँ दुर्गा के जयकारों के बीच महाप्रसाद ग्रहण कर धन्य हुए। आयोजन की सफलता के लिए समिति ने सभी श्रद्धालुओं और नगरवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस धार्मिक आयोजन ने सुगौली में एकता, आस्था और सामूहिक सद्भाव का सुंदर संदेश दिया।

विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण माहौल में कराने को लेकर पुलिस ने किया फ्लैग मार्च

राष्ट्रीय खबर

एप्र चौतरवा : बिहार विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण माहौल में सफल बनाने को लेकर शुक्रवार की शाम में चौतरवा थाना की पुलिस और एस.एस.बी.बल की संयुक्त टीम द्वारा चौतरवा, चौतरवा कॉलोनी, पतीलार रतवल लगुनहा समेत विभिन्न गांव में फ्लैग मार्च किया गया। इस फ्लैग मार्च का नेतृत्व चौतरवाथाना अध्यक्ष राहुल कुमार सब इंस्पेक्टर मुकेश कुमार सिंह द्वारा किया गया। थानाध्यक्ष राहुल कुमार ने बताया बिहार में दो चरण में चुनाव की तारीख निश्चित किया गया है। इसको लेकर क्षेत्र में मतदाता भय मुक्त होकर अपने-अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके जिसको लेकर सरकार की गाइडलाइन के तहत फ्लैग मार्च किया गया है।और मतदाताओं से अपील किया गया कि अपने-अपने मताधिकार का प्रयोग भय मुक्त होकर करें। उन्होंने बताया कि 107 की कारवाई करने के लिए असामाजिक तत्वों की पहचान भी पुलिस कर रही है। पहचान करने के बाद 107 की भी करवाई किया जा सकता है।

आदर्श चुनावी आचार संहिता उल्लंघन के मामला में काण्ड अंकित, जांच प्रारंभ

▶▶ चुनावी आचार संहिता अनुपालन सुनिश्चित करने को प्रशासन सतर्क : जिला निवार्की पदाधिकारी

राष्ट्रीय खबर

बेतिया : बिहार विधानसभा आम चुनाव 2025 की घोषणा हो गई है।पश्चिम चम्पारण जिला में आदर्श चुनावी आचार संहिता प्रभावी है, जिसके दृष्टिगत प्रशासन सतर्क है। जिला में आदर्श चुनावी आचार संहिता के प्रावधानों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध प्रशासन त्वरित एवं कड़ी कार्रवाई कर रहा है। इसी क्रम में चनपटिया विधानसभा क्षेत्र में आदर्श चुनावी आचार संहिता उल्लंघन का एक मामला आया है, जिसमें काण्ड अंकित कराया गया है। उल्लेखनीय है कि सेक्टर पदाधिकारी चनपटिया ने सहायक निवार्ची पदाधिकारी-सह-प्रखंड विकास पदाधिकारी, चनपटिया को एक आवेदन देकर सूचित किया कि ग्राम मचहां, वार्ड संख्या-07, स्थित राजकीय मध्य विद्यालय मौलनिया के प्रांगण में स्थित आंगनबाड़ी केंद्र संख्या-201 में 09 अक्टूबर 2025 को सुबह 07:00 बजे से 07:30 बजे के बीच कांग्रेस पार्टी के कुछ कार्यकर्ताओं ने एक राजनीतिक बैठक आयोजित किया। इसके साथ ही पूर्व विधानसभा प्रत्याशी, कांग्रेस पार्टी के अभिषेक रंजन ने उससे सम्बंधित जानकारी फेसबुक आईडी से पोस्ट भी साझा किया है। बिना सक्षम प्राधिकार की पूवार्नुमति के किसी सरकारी भवन या परिसर में राजनीतिक दल की बैठक आयोजित करना भारत निर्वाचन आयोग की आदर्श आचार संहिता का स्पष्ट उल्लंघन माना गया है। उपर्युक्त सूचना के आधार पर सहायक निवार्ची पदाधिकारी-सह-प्रखंड विकास पदाधिकारी, चनपटिया ने त्वरित कार्रवाई करते हुए, सिरिसिया थाना में काण्ड संख्या संख्या-172/25, दिनांक-09 अक्टूबर 2025 अंकित कराया है। इसके साथ ही सम्बंधित व्यक्तियों की भूमिका की जांच प्रारंभ कर दी गई है तथा अग्रेत्तर कार्रवाई की प्रक्रिया प्रारम्भ है। जिला निवार्ची पदाधिकारी धर्मेन्द्र कुमार ने सभी राजनीतिक दल, प्रत्याशी एवं उनके समर्थकों से अपील किया है कि भारत निर्वाचन आयोग निर्धारित सभी दिशा-निर्देश का कड़ाई से अक्षरशः अनुपालन करें और किसी भी प्रकार की राजनीतिक गतिविधि करने से पूर्व सक्षम प्राधिकार से अनुमति प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि चुनाव की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन सतत निगरानी कर रहा है। आयोग के किसी भी निर्देश का उल्लंघन पर तत्काल विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

एसपी ने धनहा थानाध्यक्ष को किया सम्मानित

मधुबनी, निप्र (राष्ट्रीय खबर) : बगहा एसपी सुशांत कुमार सरोज ने गुरुवार की शाम मासिक अपराध गोष्ठी बैठक के बाद बेहतर कार्य के लिए धनहा थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह को सम्मानित किया। एसपी ने बताया कि पुलिस जिला के धनहा, चौतरवा, नौरंगिया, रामनगर के थानाध्यक्ष को बेहतर कार्य के लिए सम्मानित किया गया। उधर चौतरवा थानाध्यक्ष राहुल कुमार भी बेहतर कार्य के लिए सम्मानित हुए है। धनहा थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह को सम्मानित होने पर थाना क्षेत्र के लोगों ने बधाई दिया है। बता दें कि थाना क्षेत्र के दहवा गांव में पुलिस पर हमला करने वाले मुख्य आरोपी रुस्तम अंसारी को थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह थाना का पदभार संभालने के साथ ही जाल बिछाकर गिरफ्तार किया था। वही बाकी बचे फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी अभियान चलाया। जिसके दबाव में आकर सभी आरोपी न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिए। थानाध्यक्ष के इस सराहनीय कार्य की थाना क्षेत्र के लोगों ने खूब चर्चा हो रही है

जिला स्वीप कोषांग ने भव्य मतदाता जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन कर, शपथ दिलाया

राष्ट्रीय खबर

बेतिया : जिला स्तरीय विद्यालीय खेल कूद प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में खेल के साथ मतदाता जागरुकता कार्यक्रम का भव्य आयोजन जिला स्वीप कोषांग ने किया। खिलाड़ियों के साथ शिक्षक, अधिकारी व दर्शकों ने 11 नवम्बर 2025 को मतदान करने का संकल्प लिया। इस क्रम में स्वीप कोषांग की नोडल पदाधिकारी नगमा तब्बसुम ने मतदाता जागरुकता का संकल्प दिलाया। खिलाड़ियों ने कहा हम अपने अभिभावकों और अन्य मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करने को तैयार हैं। खेल प्रतियोगिता मार्च पास्ट में जिला स्वीप कोषांग के सदस्यों ने हाथ में मतदाता जागरुकता अभियान के बैनर और स्लोगन लिखे बैनर के साथ भाग लिया। इसके साथ ही पदाधिकारियों, खिलाड़ियों के साथ स्टेडियम में उपस्थित दर्शकों ने भी मतदाता जागरुकता पट्टी पर अपना हस्ताक्षर किया और अनिवार्यतः मतदान करने के संकल्प को दुहराया। इस क्रम में नगमा तबस्सुम नोडल पदाधिकारी वरीय उप समाहर्ता, ज्योति रानी वरीय उपसमाहर्ता, प्रदीप कुमार वरीय उपसमाहर्ता एवम् विजय कुमार पण्डित जिला खेल पदाधिकारी, गार्गी कुमारी जिला कार्यक्रम पदाधिकारी शिक्षा विभाग, राकेश कुमार जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी सह जिला सूचना एवं जनसम्पर्क पदाधिकारी, अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

निर्वाचन 2025 को पारदर्शी और भयमुक्त बनाने की तैयारी तेज – फ्लाइंग स्क्वॉड व सर्विलांस टीम को प्रशिक्षण

▶▶ डीएम सौरभ जोरवाल व एसपी स्वर्ण प्रभात ने दिए सख्त निर्देश – हर कार्रवाई होगी साक्ष्य आधारित और पारदर्शी

राष्ट्रीय खबर

मोतिहारी, पू.च : बिहार विधानसभा निर्वाचन 2025 को स्वच्छ,पारदर्शी, प्रलोभन-रहित एवं भय-मुक्त वातावरण में संपन्न कराने की दिशा में प्रशासनिक तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह जिलाधिकारी श्री सौरभ जोरवाल एवं पुलिस अधीक्षक श्री स्वर्ण प्रभात के संयुक्त नेतृत्व में महात्मा गांधी प्रेक्षा गृह,मोतिहारी में निर्वाचन व्यय अनुश्रवण कोषांग द्वारा गठित फ्लाइंग स्क्वॉड टीम एवं स्टेटिक सर्विलांस टीम के दंडाधिकारी और पुलिस पदाधिकारियों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान दोनों वरिष्ठ अधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया की पवित्रता और निष्पक्षता सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने टीमों को अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा और पारदर्शिता से करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि ₹50,000 से अधिक नकद राशि मिलने की स्थिति में उचित जांच के बाद ही जब्ती की जाए। बिना कारण या दस्तावेज जांच के किसी भी धनराशि की जब्ती नहीं होगी। वहीं ₹10 लाख से अधिक राशि मिलने पर आयकर विभाग को सूचना देना अनिवार्य होगा। टीमों को यह भी निर्देश दिया गया कि वे मद्य , नशीले पदार्थ अवैध शस्त्र और असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखें। साथ ही आयकर विभाग,जीएसटी विभाग, सशस्त्र सीमा बल ,नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो एवं अन्य प्रवर्तन एजेंसियों के साथ सतत समन्वय और सूचना-साझाकरण बनाए रखें। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक कार्रवाई का विवरण रिपोर्ट के रूप में प्रतिदिन नोडल अधिकारी को भेजना अनिवार्य है ताकि हर गतिविधि का रिकॉर्ड सुरक्षित रहे। गौरतलब है कि पूर्वी चंपारण जिले में कुल 39 फ्लाइंग स्क्वॉड टीम और 39 स्टेटिक सर्विलांस टीम का गठन किया गया है, जो विधानसभा चुनाव के दौरान निगरानी और कार्रवाई की जिम्मेदारी निभाएंगी। इस मौके पर निर्वाचन व्यय अनुश्रवण कोषांग के नोडल पदाधिकारी सहित सभी कर्मी मौजूद थे।

सितंबर माह की अपराध गोष्ठी में उत्कृष्ट कार्य करने वाले थानाध्यक्षों को एसपी ने किया सम्मानित

राष्ट्रीय खबर

बगहा/मधुबनी : बगहा पुलिस अधीक्षक सुशांत कुमार सरोज की अध्यक्षता में बगहा पुलिस जिला के पुलिस सभागार में सितंबर 2025 माह की जिला स्तरीय अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया। बैठक में पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय, लाइन डीएसपी, प्रशिक्षु डीएसपी, सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, निरीक्षक अंचल, थानाध्यक्ष एवं शाखा प्रभारी शामिल हुए। बैठक के दौरान एसपी ने सभी थानाध्यक्षों को लंबित मामलों का त्वरित निष्पादन, नियमित गश्ती, वाहन जांच, पासपोर्ट एवं चरित्र सत्यापन के कार्यों को समय पर पूरा करने का निर्देश दिया। साथ ही अवैध बालू खनन, शराब कारोबार एवं हुड़दंगियों पर प्रभावी कार्रवाई के आदेश भी दिए। एसपी ने आगामी दीपावली और छठ पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने हेतु विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया। मद्यनिषेध अभियान के तहत लगातार छापेमारी करने और डायल-112 सेवा तथा सीसीटीएनइस प्रणाली को प्रभावी रूप से संचालित करने की भी हिदायत दी गई। बीते माह के कार्यों की समीक्षा के बाद पुलिस जिलान्तर्गत सभी थानों का मूल्यांकन किया गया। इसमें बगहा अनुमंडल से धनहां थाना को प्रथम, चौतरवा थाना को द्वितीय और भैरोगंज थाना को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। वहीं रामनगर अनुमंडल में रामनगर थाना प्रथम, लौकरिया द्वितीय और बथवरिया थाना तृतीय स्थान पर रहे। सभी उत्कृष्ट थानाध्यक्षों को पुलिस अधीक्षक द्वारा सम्मानित किया गया।

सितंबर माह की उपलब्धियों में कुल 354 गिरफ्तारियां की गईं, जिनमें 204 कांड से संबंधित एवं 150 वारंट की गिरफ्तारी शामिल हैं।

वाहन जुमार्ने से ₹40,06,300 की वसूली हुई। कुल 1211.15 लीटर देशी एवं विदेशी शराब बरामद की गई। वही 1828.91 लीटर शराब का विनष्टीकरण किया गया। इसके अलावा 854 बीडब्ल्यू, 1138 एनबीडब्ल्यू और 16 कुर्की वारंट का निष्पादन भी किया गया। बैठक में महापुरी जिला के सभी थाना अध्यक्ष उपस्थित थे।

एसपी ने सड़क पर उतरकर चलाया सघन वाहन जांच अभियान, वाहन चालकों में हड़कंप

राष्ट्रीय खबर

बगहा : बगहा पुलिस अधीक्षक सुशांत कुमार सरोज ने गुरुवार की शाम स्वयं सड़क पर उतरकर वाहन जांच अभियान में जुट गए। अचानक एसपी को सड़क पर देखकर यात्रियों और वाहन चालकों में हलचल मच गई। बिना कागजात के वाहन चलाने वालों में हड़कंप की स्थिति बन गई। कई वाहन स्वामी अपने कागजात लाने के लिए वापस लौटते नजर आए, वहीं कुछ लोगों ने वैकल्पिक रास्ते तलाशने शुरू कर दिए। वाहन जांच अभियान बगहा अनुमंडल कार्यालय के समीप मुख्य सड़क पर चलाया गया, जो पठखौली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आता है। एसपी अपने दल-बल के साथ कड़ी निगरानी में वाहन जांच करते रहे। इस दौरान संदिग्ध वाहनों और चालकों की गहन पूछताछ की गई तथा कागजातों की सख्त जांच की गई। स्थानीय लोगों ने एसपी की इस पहल की सराहना की और कहा कि सड़क पर पुलिस अधीक्षक की मौजूदगी से मनचलों एवं असामाजिक तत्वों में भय का माहौल बनेगा। साथ ही आम नागरिकों को भी यातायात नियमों का पालन करने की प्रेरणा मिलेगी। एसपी ने मौके पर मौजूद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बगहा कुमार देवेंद्र, प्रशिक्षु पुलिस उपाधीक्षक बगहा एवं अन्य पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि यह अभियान आगामी विधानसभा चुनाव 2025 को ध्यान में रखते हुए चलाया गया है, ताकि चुनाव अवधि में कानून-व्यवस्था मजबूत रहे और किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचा जा सके। बगहा पुलिस प्रशासन की यह सक्रियता आगामी चुनावी माहौल में सुरक्षा और शांति बनाए रखने की दिशा में एक सशक्त कदम माना जा रहा है।

संपादकीय

वैचारिक कठोरता से भारत का शासन नहीं चल सकता

हाल के वर्षों में, भारतीय राजनीतिक परिदृश्य दो वैचारिक चरमपंथियों के बीच रस्साकशी जैसा होता जा रहा है। यह परिलक्षित होता है: एक तरफ नया वामपंथ खड़ा है, जिसका समर्थन योगेंद्र यादव जैसे विचारक करते हैं, जो वंचित जातियों और वर्गों की शिकायतों पर आधारित राजनीति की वकालत करते हैं। दूसरी ओर, दक्षिणपंथ का सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, जिसे राम माधव जैसे लोग व्यक्त करते हैं, भारत की पहचान को हिंदुत्व मूल्यों और सभ्यतागत गौरव में स्थापित करना चाहता है। दोनों ही खेमे आकर्षक आख्यान प्रस्तुत करते हैं - लेकिन क्या भारत इन ध्रुवों के बीच झूलने के लिए अभिशप्त है? या, क्या किसी तीसरे रास्ते के लिए जगह है: एक ऐसा उग्र मध्यमागीर्वाद जो दोनों की शक्तियों का उपयोग करता है, बिना उनकी अति के आगे झुके? उग्र मध्यमागीर्वाद कोई हल्का समझौता नहीं है। यह भारतीय राजनीति की एक साहसिक पुनर्कल्पना है–जो पहचान को मिटाए बिना बहुलवाद को अपनाती है, जो समानता को त्यागे बिना विकास की खोज करती

है, जो खुलेपन का विरोध किए बिना हमारी सभ्यता का सम्मान करती है, और जो एकरूपता थोपे बिना एकता की खोज करती है। यह एक ऐसी राजनीति है जो जवाहरलाल नेहरू और सरदार पटेल, 'राजाजी' सी. राजगोपालाचारी और बी. आर. अंबेडकर, वामपंथ की नैतिक स्पष्टता और दक्षिणपंथ के सांस्कृतिक आत्मविश्वास के बीच चयन करने से इनकार करती है। इसके बजाय, यह उनके गुणों को एक सुसंगत, भविष्योन्मुखी दृष्टि में संश्लेषित करने का प्रयास करती है। कट्टरपंथी मध्यमागीर्वाद के मूल में भारतीय बहुलवाद के प्रति प्रतिबद्धता निहित है–भिन्नता के प्रति निष्क्रिय सहिष्णुता के रूप में नहीं, बल्कि उसके सक्रिय उत्सव के रूप में। एक धर्मनिरपेक्ष, समावेशी लोकतंत्र के रूप में भारत के बारे में नेहरू का दृष्टिकोण आज भी आधारभूत है। लेकिन कट्टरपंथी मध्यमागीर्वाद को और आगे बढ़ना होगा: इसे यह स्वीकार करना होगा कि बहुलवाद केवल धर्म या भाषा के बारे में नहीं है–यह जाति, लिंग, क्षेत्र और वर्ग के पार जीवित वास्तविकताओं के बारे में है। इसका अर्थ है सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के एकरूपीकरण आवेग और पहचान की राजनीति के विखंडन आवेग, दोनों को अस्वीकार करना। इसका अर्थ है ऐसे गठबंधन बनाना जो संकीर्ण वोट बैंक से ऊपर उठकर साझा भारतीय नियति की बात करें। इसका अर्थ है यह पुष्टि करना कि बिहार की एक दलित महिला और छत्तीसगढ़ का एक आदिवासी किसान सिर्फ.हाशिए के प्रतीक नहीं हैं - वे भारतीय इतिहास के केंद्र में हैं। कट्टरपंथी मध्यमागीर्वाद को राष्ट्रवाद को बहिष्कार के चंगुल से भी मुक्त करना होगा। सरदार पटेल का मजबूत राष्ट्रवाद सांस्कृतिक वर्चस्व में नहीं, बल्कि व्यावहारिकता और एकता में निहित था। भारत को एक ऐसे राष्ट्रवाद की जरूरत है जो बांधे न कि अंधा बनाए - एक ऐसी देशभक्ति जो आत्मविश्वास से भरी हो, लेकिन कट्टरपंथ से मुक्त हो। इसे भारतीय मूल्यों की अंतिम अभिव्यक्ति के रूप में संविधान का सम्मान करना चाहिए। इसे असहमति को विश्वासघात के रूप में नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक स्वास्थ्य के संकेत के रूप में देखना चाहिए। और इसे यह स्वीकार करना चाहिए कि भारत का विचार स्थिर नहीं है - यह एक जीवंत, विकसित होती हुई बातचीत है। राजाजी द्वारा समर्थित और मनमोहन सिंह द्वारा कार्यान्वित आर्थिक उदारवाद ने लाखों लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है। लेकिन इसने असमानताओं को और गहरा किया है और आबादी के एक बड़े हिस्से को अलग-थलग कर दिया है। ध्रुवीकरण के युग में, आम सहमति बनाने को अक्सर कमजोरी मानकर खारिज कर दिया जाता है। लेकिन अटल बिहारी वाजपेयी ने दिखाया कि आम सहमति ताकत का स्रोत हो सकती है। अपनी पार्टी के भीतर और बाहर विविध आवाजों को एक साथ लाने की उनकी क्षमता सिर्फ.राजनीतिक कौशल नहीं थी; यह लोकतांत्रिक बुद्धिमत्ता थी। हमारी कटु ध्रुवीकृत राजनीति में, कट्टर मध्यमागीर्वाद को इस भावना को पुनर्जीवित करना होगा। उसे हठधर्मिता पर संवाद को, शोरगुल पर बातचीत को प्राथमिकता देनी होगी। उसे यह स्वीकार करना होगा कि शासन कोई शून्य-योग खेल नहीं है - यह एक साझा प्रयास है। इसका अर्थ है संस्थानों में प्रतिनिधित्व, अवसरों तक पहुँच और कानून के तहत सुरक्षा सुनिश्चित करना। इसका अर्थ है यह स्वीकार करना कि न्याय कोई उपकार नहीं है - यह एक आधारभूत वादा है। एक उग्र मध्यमार्गी एजेंडा व्यवहार में कैसा दिखेगा? संवैधानिक बहुलवाद को बढ़ावा देना मौलिक है: सांस्कृतिक संवाद

आखिर क्यों टूट रहे हैं ब्यूरोक्रेसी के 'सुपरकॉप्स'?

हरियाणा पुलिस में तैनात एडीजी रैंक के आईपीएस अफसर वाई पूरन कुमार अब इस दुनिया में नहीं रहे। 2001 बैच के इस आईपीएस अफसर की छवि सूबे की पुलिसिया अफसरशाही में काफी तेज तर्रार अफसर वाली रही। प्रशासन में व्याप्त भ्रष्टाचार, विसंगतियों और सत्ता के आगे वो कभी नहीं झुके और अपनी खुलकर अपनी आवाज बुलंद करते रहे। लेकिन 7 अक्टूबर, 2025 को पूरन कुमार ने चंडीगढ़ में अपने सरकारी आवास में खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पूरन कुमार की आत्महत्या के बाद एक बार से गंभीर सवाल खड़ा हो गया है कि आखिर इतने सीनियर अधिकारी क्यों खुदकुशी कर रहे हैं। इससे पहले भी इस तरह के कई मामले सामने आ चुके हैं।

वाई पूरन कुमार अपने करियर के दौरान आईजीपी (रोहतक रेंज), आईजीपी (कानून-व्यवस्था), आईजी (दूरसंचार) रहे और हाल में आईजी, पुलिस ट्रेनिंग सेंटर सुनारिया, रोहतक के पद पर भेजे गए थे। आत्महत्या वाले दिन उनकी पत्नी आईएएस अधिकारी अमनीत कौर सूबे के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के साथ विदेश दौर पर जापान में थीं। उनकी मौत के बाद प्रशासनिक हलके मे खलबली मच गई। क्योंकि वो विभाग के भीतर व्याप्त भेदभाव, मनमानी और गैर-कानूनी आदेशों के खिलाफ खुलकर आवाज बुलंद करने वाले आईपीएस अफसर थे। उन्होंने सूबे के पूर्व डीजीपी मनोज यादव और गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजीव अरोड़ा तक की कार्यशैली पर सवाल उठाने से गुरेज नहीं किया। उनके नजदीकियों का कहना है कि वाई पूरन कुमार जिन आदर्शों के लिए लड़ते रहे, वही उनकी मौत का सबब बन गये।

दधिबल यादव
वरिष्ठ पत्रकार

इस घटना ने एक बार फिर प्रशासनिक अधिकारियों में बढ़ते मानसिक स्वास्थ्य पर बहस छेड़ दी है। क्योंकि इससे पहले भी कई सीनियर आईएएस और आईपीएस अफसरों ने आत्महत्याएं कीं, जो उनकी तेज तर्रार कार्यप्रणाली के कारण मीडिया की सुर्खियां बनीं। ऐसे अफसरों में ₹सुपरकॉप₹ के नाम से मशहूर रहे महाराष्ट्र कैडर के आईपीएस अफसर हिमांशु राय, उत्तर प्रदेश कैडर के आईपीएस अफसर राजेश साहनी का नाम बरबस याद आता है। इन दोनों ने भी साल 2018 में अपनी सर्विस रिवाल्वर से गोली मारकर जान दी थी। उत्तराखंड में भी एसपी रैंक के अधिकारी प्रमोद कुमार ने 2017 में आत्महत्या कर ली। इसी तरह तमिलनाडु कैडर के आईपीएस अफसर सी विजय कुमार और एन हरीश, उप्र कैडर के आईपीएस अफसर सुरेंद्र कुमार दास तथा छत्तीसगढ़ कैडर के आईपीएस अफसर राहुल शर्मा ने भी आत्महत्या की थी।

इसी तरह देश के कई जांबाज आईएएस अफसरों के भी आत्महत्या करने के मामले देखने को मिले। साल 2016 में उप्र कैडर के आईएएस संजीव दुबे ने अपने घर में आत्महत्या कर ली। साल 2017 में बिहार के बक्सर जिले के तत्कालीन डीएम मुकेश कुमार पांडे ने गाजियाबाद में आत्महत्या कर ली थी। उनका शव रेलवे ट्रैक पर क्षत-विक्षत हालत में मिला था। कर्नाटक के 2009 बैच के आईएएस डीके रवि ने 2015 में बेंगलुरु में अपने अपार्टमेंट में आत्महत्या की थी। डीके रवि भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त अफसर के रूप में जाने जाते थे। कर्नाटक कैडर के ही आईएएस नागार्जुन गौड़ा और उप्र कैडर के आईएएस अफसर सुशील कुमार ने भी आत्महत्या की थी।

जानकारों का कहना है कि वाई पूरन कुमार चूंकि सत्ता और अफसरशाही से टकराते रहते थे और दबाव में झुकते नहीं थे। लेकिन उनके पीएसओ सुशील पर एक शराब कारोबारी प्रवीण बंसल से 2.5 लाख रुपये रिश्वत मांगने का ताजा आरोप लगा था, जिससे वो इन दिनों काफी परेशान थे। शराब कारोबारी ने रोहतक थाने में सुशील के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था, जिसके आधार पर उसकी गिरफ्तारी हुई। पूछताछ के दौरान सुशील ने एडीजी वाई पूरन कुमार का नाम लिया। इसी दौरान वाई पूरन कुमार को 29 सितंबर को रोहतक रेंज के आईजी पद से हटाकर पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज, सुनारिया में आईजी के तौर पर भेज दिया गया। हालांकि इस तबादले के बाद से वाई पूरन कुमार छुट्टी पर चल रहे थे। विभागीय हलकों में इस तबादले को 'पनिशमेंट पोस्टिंग' माना जा रहा था।

वाई पूरन कुमार की आत्महत्या के बाद उनकी आईएएस पत्नी अमनदीप कौर भी विदेश दौरा बीच में छोड़कर चंड़ीगढ़ लौट आई हैं। पुलिस आत्महत्या के कारणों की जांच-पड़ताल में जुट गई है। गौरतलब है कि इस घटना से कुछ समय पहले वाई पूरन कुमार ने अपने कुछ वरिष्ठ अधिकारियों पर उनको बेवजह परेशान करने और बेजा दबाव डालने की शिकायत की थी। जिसमें उन्होंने अपने खिलाफ षड्यंत्र रचे जाने और जान को खतरा होने की आशंका जताई थी। सूबे के पुलिस महानिदेशक ने इसका संज्ञान लेते हुए उनकी सुरक्षा की स्थिति का आकलन करने के निर्देश दिए थे। ह्ल इससे साफ है कि वाई पूरन कुमार इन दिनों काफी दबाव में थे और प्रशासनिक स्तर पर खुद को असहाय महसूस कर रहे थे।

वाई पूरन कुमार अब नहीं रहे तो हरियाणा सरकार भी उनकी मौत को दुर्भाग्यपूर्ण बता रही है। लेकिन सवाल यह है कि जो आईपीएस अफसर अपने पूरे करियर में ईमानदारी और संस्थागत पारदर्शिता के लिए संघर्ष का प्रतीक रहा हो और पुलिस सेवा में निष्पक्षता और संवैधानिक मूल्यों को सर्वोपरि बताता रहा हो, वह सिस्टम के भीतर इतना अकेला कैसे पड़ गया? जिन हालात में उन्होंने मौत को गले लगाया, उसने न सिर्फ हरियाणा पुलिस बल्कि पूरे सिविल प्रशासन को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि एक वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी आखिर क्यों टूट गया?दधिबल यादव

गुरु-शिष्य

प्रेरक-प्रसंग

मा एक नवदीक्षित शिष्य ने अपने गुरु के साथ कुछ दिन व्यतीत करने के बाद एक दिन पूछा- गुरुदेव, मेरा भी मन करता है कि आपकी ही तरह मेरे भी कई शिष्य हों और सभी मुझे भी आप जैसा ही मान-सम्मान दे।

गुरु ने मंद-मंद मुस्कुराते हुए कहा- कई वर्षों की लंबी साधना के पश्चात अपनी योग्यता और विद्वता के बलबूते पर तुम्हें भी एक दिन यह सब प्राप्त हो सकता है। शिष्य ने कहा- इतने वर्षों बाद क्यों? मैं अभी ही अपने शिष्यों को दीक्षा क्यों नहीं दे सकता? गुरु ने अपने शिष्य को तख्त से उतरकर नीचे खड़ा होने को कहा। फिर स्वयं तख्त पर खड़े होकर कहा- जरा मुझे ऊपर वाले तख्त पर पहुंचा दो।

शिष्य विचार में पड़ गया। फिर बोला-

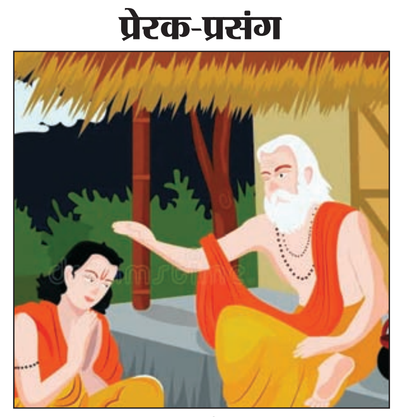

गुरुदेव! भला मैं खुद नीचे खड़ा हूं, फिर आपको ऊपर कैसे पहुंचा सकता हूं? इसके लिए तो पहले खुद मुझे ही ऊपर आना होगा। गुरु ने मुस्कुराकर कहा- ठीक इसी प्रकार यदि तुम किसी को अपना शिष्य बनाकर ऊपर उठाना चाहते हो, तो तुम्हारा उच्च स्तर पर होना भी आवश्यक है। शिष्य गुरु का आशय समझ गया। वह उनके चरणों में गिर गया। 0040003.

पाप का गुरु 'लोभ'

एक समय की बात है। एक पंडित जी कई वर्षों तक काशी में शास्त्रों का अध्ययन करने के बाद गांव लौटे। पूरे गांव में शोहरत हुई कि काशी से शिक्षित होकर आए हैं और धर्म से जुड़े किसी भी पहेली को सुलझा सकते हैं। शोहरत सुनकर एक किसान उनके पास आया और उसने पूछ लिया- पंडित जी आप हमें यह बताइए कि पाप का गुरु कौन है?

प्रश्न सुन कर पंडित जी चकरा गए, उन्होंने धर्म व आध्यात्मिक गुरु तो सुने थे, लेकिन पाप का भी गुरु होता है, यह उनकी समझ और ज्ञान के बाहर था। .. .. ..**जारी।**

नजरिया

माया की नजर दलित-ओबीसी-ब्राह्मण त्रिकोण पर

उत्तर प्रदेश की राजनीति में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने .09 अक्टूबर को लखनऊ में मान्यवर काशीराम जी जयंती पर एक बड़ी जनसभा की। बहनजी ने काफी लम्बे समय के बाद कोई जनसभा की थी,लेकिन उनके अंदाज वही पुराने थे। चेहरे पर शांति का भाव और दिल में समाज के प्रति समर्पण। मायावती तीखे राजनीतिक दांव चलने वाली नेता मानी जाती रही हैं। समय-समय पर वह अपनी राजनीति में नये-नये प्रयोग भी करती रहती हैं। इसी तरह से 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए उनकी रणनीति में बड़ा बदलाव दिखाई देने लगा है। इस बार चर्चा है कि मायावती अपने पारंपरिक मुस्लिम वोट बैंक पर सीधे दांव लगाने से बच सकती हैं और इसके बजाय अपने पुराने कोर वोटर्स दलित समाज के साथ-साथ अन्य जातीय समूहों को साधने की कोशिश कर रही हैं। ऐसा लगता है कि बहनजी 2007 की तरह से 2027 में भी सामाजिक समीकरण साधना चाहती हैं। पिछले चुनावों में मायावती ने कई सीटों पर मुस्लिम उम्मीदवार उतारकर सपा के साथ मुस्लिम समुदाय में पैठ बनाई थी। लेकिन 2022 के विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजों ने उन्हें एक नया गणित सिखाया है। मुस्लिम मतदाता लगातार सपा या कांग्रेस के पक्ष में जाता दिखा, जिससे बसपा को अपेक्षित फायदा नहीं मिला। 2027 में मायावती शायद मुस्लिम उम्मीदवारों की संख्या घटाकर, गैर-यादव ओबीसी, गैर-जाटव दलित और ब्राह्मण वोटरों को प्राथमिकता देने का रास्ता अपनाएं। इससे वह सपा-कांग्रेस के ह्यमुस्लिम-यादवह्न गठजोड़ से टकराव से बचेंगी और अपनी अलग पहचान बनाए रखेंगी।

संजय सक्सेना
वरिष्ठ पत्रकार

मायावती अपने पारंपरिक मुस्लिम वोट बैंक पर सीधे दांव लगाने से बच सकती हैं और इसके बजाय अपने पुराने कोर वोटर्स दलित समाज के साथ-साथ अन्य जातीय समूहों को साधने की कोशिश कर रही हैं।

मायावती जानती हैं कि दलित वोट बैंक बसपा की रीढ़ है, लेकिन इसमें विस्तार के बिना सत्ता तक पहुंच नामुमकिन है। इसके लिए वह निम्न वर्गों में आर्थिक व सामाजिक मुद्दों को जोर-शोर से उठाने की योजना बना रही हैं। मायावती की नजर गैर-यादव ओबीसी समुदाय (कुर्मी, मौर्य, लोध, निषाद आदि), ब्राह्मण वर्ग, जो भाजपा से कुछ असंतोषित है, युवा बेरोजगार, खासकर ग्रामीण इलाकों के, महिलाएं, जिन्हें कानून-व्यवस्था और सुरक्षा का मुद्दा सीधे प्रभावित करता है, पर लगी हुई है। इसके तहत मायावती दलित-ओबीसी-ब्राह्मण का नया त्रिकोणीय वोट बैंक बनाने की कोशिश कर सकती हैं, ताकि मुस्लिम वोटों से परे भी उनके पास निर्णायक समर्थन हो।

हाल ही में मायावती ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कानून-व्यवस्था और कुछ विकास योजनाओं की सार्वजनिक तारीफ की है। उनके इस कदम को विपक्षी पार्टियां, खासकर सपा और कांग्रेस, भाजपा के साथ उनकी ह्यनजदीकीह्न का संकेत मान रही हैं। राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि यह तारीफ एक सोच-समझकर उठाया हुआ कदम है, जिससे वह भाजपा विरोधी वोटरों में भी एक ह्यगैर-टकराव वालीह्न नेता के रूप में सामने आएं। लेकिन इसमें जोखिम यह है कि विपक्ष उन्हें भाजपा की ह्यछिपी सहयोगीह्न के रूप में पेश कर सकता है, जिससे कुछ पारंपरिक विरोधी वोटर उनसे दूरी बना सकते हैं। मायावती यहाँ बेहद संतुलित बयानबाजी कर रही हैं,भाजपा के साथ औपचारिक गठबंधन से बचते हुए, उनकी सरकार की कुछ उपलब्धियों को स्वीकार कर रही हैं ताकि भाजपा मतदाता भी उन्हें नकारात्मक न देखे। 2027 की तैयारियों में मायावती का एक और संभावित कदम पुराने, प्रभावशाली बसपा नेताओं को वापस लाना हो सकता है।

जानकारी

उल्सूर झील

आप झील और उसके आसपास के वातावरण की तस्वीरें या वीडियो ले सकते हैं और कुछ यादगार पलों को कैद कर सकते हैं। झील घूमने का सबसे अच्छा समय सुबह या शाम का है, जब यहाँ भीड़ कम होती है और मौसम ज्यादा सुहावना होता है। झील में प्रवेश शुल्क 10 रुपये प्रति व्यक्ति और 30 रुपये प्रति कैमरा है। 30 मिनट के लिए बोटिंग का शुल्क 50 रुपये प्रति व्यक्ति है ।

आपको आरामदायक कपड़े और जूते पहनने चाहिए और अपने साथ पानी की बोतलें और नाश्ता रखना चाहिए। आपको झील अधिकारियों के नियमों और विनियमों का पालन करना चाहिए और पर्यावरण का सम्मान करना चाहिए। प्रीमियम सुविधाओं और बेहतरीन ब्रांड्स के अलावा आपको मॉल के बाहर तरह-तरह के स्टॉल्स देखने को मिल जाएंगे। यहां पर आप सस्ते में खाने-पीने का सामान ले सकती हैं। फ्रेंड्स, फैमिली और कपल्स के लिए यह जगह फेवरेट हैंगआउट स्पॉट है। इस मॉल में बैठने की अच्छी जगह है और आप यहां पर समय बिता सकती हैं। वी आर बेंगलुरु मॉल सुबह 9 बजे से रात के 11 बजे तक खुला रहता है। यह मॉल व्हाइटफील्ड मेन रोड, देवसंद्रा इंडस्ट्रियल एस्टेट, महादेवपुर, बेंगलुरु में है।

Samsung Galaxy M17 5G भारत में 50MP कैमरा, के साथ लॉन्च

नई दिल्ली : Samsung ने आज भारतीय बाजार में अपना नया किफायती स्मार्टफोन Samsung Galaxy M17 5G लॉन्च कर दिया है। इस स्मार्टफोन में 50 मेगापिक्सल का प्राइमरी कैमरा और 13 मेगापिक्सल का सेल्फी कैमरा दिया गया है। यह स्मार्टफोन 5nm Exynos प्रोसेसर से लैस है। इसके अलावा इसमें 8GB तक रैम और 128GB स्टोरेज मिलती है। यह स्मार्टफोन कई एआई बेस्ड फीचर्स प्रदान करता है। आइए Galaxy M17 5G के फीचर्स और स्पेसिफिकेशंस से लेकर कीमत आदि के बारे में विस्तार से जानते हैं।

Samsung Galaxy M17 5G Price

कीमत की बात करें तो Samsung Galaxy M17 5G के 4GB RAM + 128GB स्टोरेज वेरिएंट कीमत 12,499 रुपये, 6GB RAM + 128GB स्टोरेज वेरिएंट कीमत 13,999 रुपये और 8GB RAM + 128GB स्टोरेज वेरिएंट कीमत 15,499 रुपये है। यह स्मार्टफोन बिक्री के लिए सैमसंग की आधिकारिक वेबसाइट, रिटेल स्टोर और ई-कॉमर्स साइट अमेजन पर उपलब्ध है। ग्राहक इस फोन को मूनलाइट सिल्वर और सैफायर ब्लैक कलर्स में खरीद सकते हैं। इसके अलावा ग्राहकों को नो-कॉस्ट ईएमआई और क्रेडिट या डेबिट कार्ड से भुगतान पर डिस्काउंट मिलेगा। इस स्मार्टफोन की बिक्री 13 अक्टूबर से शुरू होगी।

Samsung Galaxy M17 5G में 6.7 इंच की FHD+ Super AMOLED डिस्प्ले दी गई है, जिसका रेजोल्यूशन 1080X2340 पिक्सल और ब्राइटनेस 1100 निट्स है। डिस्प्ले कॉर्निंग गोरिल्ला ग्लास विक्टस प्रोटेक्शन से लैस है। यह स्मार्टफोन सैमसंग 6nm Exynos 1330 चिपसेट से लैस है। इसमें 4GB/6GB/8GB और 128GB इंटरनल स्टोरेज दी गई है, जिसे माइक्रोएसडी कार्ड के जरिए बढ़ाया जा सकता है। Galaxy M17 5G एंड्रॉयड 15 पर बेस्ड डल्ली वक7 पर काम करता है। इसमें गूगल के सर्किल टू सर्च जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक) फीचर्स हैं।

साइबर दुनिया

टॉप ट्वीट

‘क्योंकि 'उनकी' अंदरूनी सांठगांठ है जारी, इसीलिए वो हैं जुल्म करने वालों के आभारी।’

अखिलेश यादव
सपा प्रमुख

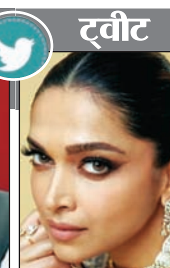

'अभी मैं बस एक मां का रोल अदा करना चाहती हूं, जो बहुत ही सुकून देने वाला और खूबसूरत है। लेकिन ऐसा नहीं है कि मैं बैठकर कहूं कि आज मैं खुद को नया रूप दूंगी, छह महीने हो गए हैं। मुझे बस नए चैलेंज पसंद हैं। मैं खुद से पूछती रहती हूं, मैं उत्सुक हूं।'

दीपिका पादुकोण
बॉलिवुड अभिनेत्रीराजद सुप्रीमो

संपादक के नाम पत्र

गूंजता रहे प्रवासी पक्षियों का मधुर कलरव

मेरा बचपन गांव में बीता है और शहर में बसने के बावजूद आज भी अपने गांव से किसी न किसी रूप में रिश्ते की डोर जुड़ी हुई है। हमारा घर गांव की मुख्य बस्ती में तो था ही, किंतु खेती-बाड़ी की सुविधा की दृष्टि से अपने आम के बगीचा समीप खेतों के बीच पुरवा (मेरा) बना लिया था। दूर-दूर तक धान-गेहूं की फसलों से लहराते खेत, मेंड़ों पर पीले फूलों वाली टोपी पहने अरहर की कतार और खेतों की माटी को अपनी जड़ों से जकड़े साधनारत कैथा, महुआ, पीपल, बेर, बरगद, शीशम के हरे-भरे तपस्वी वृक्ष तथा गगन को चूमते लम्बे मजबूत बांस। मकान से जुड़ी हुई एक बड़ी तलैया जिसके निर्मल जल में अठखेलियां करती मछलियां मन मोह लेतीं। गहरे छिछले खेतों में प्राकृतिक रूप से बन गयी बड़ी पोखर। तलैया में कोई भीटा या मेंड़ नहीं होने से बारिश के बाद भी खेतों का पानी रिस-रिस कर भरता रहता और उसमें वर्ष भर पानी भरा रहता। पोखर एक प्रकार का गहराई वाला खेत था जिसमें होली के कुछ बाद तक पानी बना रहता। इससे खेतों और वातावरण में नमी बनी रहती और मौसम सुहावना। तलैया के पानी में हम लोग बर्तन धुलते, स्नान करते और भात रांधने के लिए दौरी (बांस की एक निश्चित आकार की विशेष टोकरी) भर चावल उसी जल में धोएं जाते। तलैया में किसी जानवर या अन्य आदमियों का आना-जाना नहीं था। बरसात में तलैया के जल में करेमू की बेल फैल जाती जिसकी पत्तियों से निर्बल वर्ग की महिलाएं साग बनातीं और हम बच्चे उसकी पतली शाख से टुकड़ा तोड़ पिपहरी वाली सीटी बना पिर्र-पिर्र बजाते दौड़ते।

प्रमोद दीक्षित मलय

स्वस्तिक मीडिया वेंचर्स प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक और प्रकाशक रजत कुमार गुप्ता द्वारा शिवासाई पब्लिकेशन्स प्रा.लि., रातू, काठीटांड, नियर टिंडर बागीचा,रातू, रांची से मुद्रित और ए-24, हरमू हाउसिंग कालोनी, रांची से प्रकाशित। सम्पादक - रजत कुमार गुप्ता
RNI No- JHAHIN/ 2008/ 26373, email-rastriyakhabarhn@gmail.com, www.rashtriyakhabar.com, Phone No. 0651-2244605, 2244505

अफसरशाही के भेदभाव के खिलाफ जंग का आगाज कर मिसाल बने वाई पूरन कुमार

जातिगत अपमान, भेदभाव के खिलाफ लड़ाई में जिंदगी की जंग हार गए आईपीएस

चंडीगढ़। हरियाणा कॉडर के 2001 बैच के वरिष्ठ आईपीएस अफसर वाई पूरन कुमार की आत्महत्या जातिगत अपमान और मानसिक उत्पीड़न के साथ अफसरशाही के भीतर सड़ता भेदभाव है, जिन्होंने एक काबिल अफसर की जान लील ली। आईपीएस वाई पूरन कुमार की आत्महत्या कई सवाल खड़े कर गई है। यह सवाल ऐसे हैं, जिनका जवाब न तो सरकार के पास है और अफसरशाही चुप्पी साधे हुए है। वाई पूरन कुमार की आत्महत्या ने पूरे समाज को झकझोर कर रख दिया है।

वाई पूरन कुमार को हरियाणा पुलिस में एक सख्त, निष्पक्ष और ईमानदार अधिकारी के रूप में जाना जाता था। अपने लंबे करियर में उन्होंने कई अहम पदों पर रहते हुए उल्लेखनीय कार्य किया। उनकी असमय मृत्यु ने न केवल पुलिस महकमे, बल्कि पूरे प्रशासनिक तंत्र को गहरे सदमे में डाल दिया है।

वाई पूरन कुमार ने हमेशा भेदभाव और अनदेखी के खिलाफ आवाज उठाई है, इस आवाज उठाने की कीमत उन्हें अपनी जान गंवाकर चुकानी पड़ी। यानी आजादी के 79 साल बाद भी अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति को समाज में हीन भावना से देखा जाता है। बेशक इन जातियों के लोग अधिकारी और न्यायाधीश बन चुके हैं, लेकिन कुछ लोग उन्हें आज भी प्रताड़ित कर रहे हैं। चाहे वह चीफ जस्टिस पर जूता उछालने का मामला हो या फिर वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी वाई पूर्ण कुमार का आत्महत्या करना।

संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर जी ने जो समाज में भेदभाव और ऊंच-नीच की भावना को खत्म करते हुए संविधान में समानता का अधिकार दिया था, उससे आज भी दलित वर्ग वंचित है। संविधान निर्माताओं ने जो भारत बनाने का सपना देखा था, वह आज भी अधूरा है।

एफआईआर दर्ज होने के बाद राज्य के एससी समुदाय से जुड़े कई आईएएस, आईपीएस और एचसीएस अफसर पूरन परिवार के समर्थन में खुलकर सामने आए हैं। यह अपने आप में ऐतिहासिक है, क्योंकि आमतौर पर नौकरशाही के भीतर एक 'मौन संस्कृति' चलती है-जहां अधिकारी अपने साथी पर टिप्पणी करने से भी कतराते हैं। लेकिन इस बार सन्नाटा टूटा है।

अफसर कह रहे हैं कि पूरन कुमार का मामला एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि उस मानसिकता की हत्या है जो समानता और सम्मान की उम्मीद करती थी।

आईपीएस वाई पूरन कुमार ने मेहनत और ईनामदारी से बनाई पुलिस सेवा में पहचान

पूरन कुमार का कैरियर रिकॉर्ड इस बात की पुष्टि करता है। मेहनत और ईमानदारी से उन्होंने पुलिस सेवा में पहचान बनाई, पर उन्हें बार-बार 'कम प्रभावी' पदों पर भेजा गया-कभी आईजी होमगार्ड, कभी आईजी टेलीकम्युनिकेशन। जब अप्रैल 2025 में उन्हें रोहतक रेंज का आईजी बनाया गया, तब उन्होंने यह सोचा होगा कि अब मेहनत का फल मिला है। लेकिन मात्र पांच महीने बाद ही उन्हें सुनारिया पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज भेज दिया गया- और वहीं से उनकी मानसिक गिरावट की शुरुआत हुई। पूरन कुमार की मौत ने यह दिखा दिया कि जाति का भूत सिर्फ समाज में नहीं, बल्कि सत्ता के गलियारों में भी घूमता है।

सात अक्टूबर का इतिहास में बना काला दिन

सात अक्टूबर का प्रशासनिक तंत्र के इतिहास में काला दिन बन गया, जब एक वरिष्ठ आईपीएस अफसर वाई पूरन कुमार की जातिगत भेदभाव, अनदेखी और उत्पीड़न ने जान ले ली। सीनियर आईपीएस अफसर वाई पूरन कुमार ने चंडीगढ़ के सेक्टर-11 स्थित अपने सरकारी आवास पर खुद को गोली मार ली। पर यह आत्महत्या नहीं, व्यवस्था के भीतर पल रहे जातिगत भेदभाव, सत्ता संघर्ष और संस्थागत उत्पीड़न का परिणाम थी। पूरन कुमार के सुसाइड नोट में 15 आईएएस-आईपीएस अफसरों के नाम दर्ज हैं। हर नाम एक आरोप है, और हर आरोप यह सवाल है कि क्या एक संवैधानिक पद पर बैठा अधिकारी भी इस देश में अपनी जाति की जंजीरों से मुक्त नहीं हो सकता? उन्होंने लिखा कि उन्हें लगातार ÷साइड पोस्टिंग÷ दी जाती रही, उनकी योग्यता को दबाया गया, और उन्हें जातिगत तंज और धमकियों से मानसिक रूप से तोड़ा गया।

आईपीएस की पत्नी ने सीएम को लिखा पत्र

आईपीएस वाई पूर्ण कुमार की पत्नी एवं आईएएस अमनीत पी कुमार ने मुख्यमंत्री नायब सैनी को लिख पत्र में गंभीर आरोप लगाया कि मृतक अधिकारी द्वारा छोड़े गए सुसाइड नोट और औपचारिक शिकायत में उन व्यक्तियों के नाम स्पष्ट रूप से दर्ज हैं, जिन्होंने उन्हें मानसिक उत्पीड़न, अपमान और प्रताड़ना दी। इसके बावजूद, 48 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बाद भी कोई एफआईआर दर्ज नहीं हुई है। पत्र में कहा गया है कि यह सुसाइड नोट एक स्पष्ट 'डाइंग डिक्लेरेशन' है, जिसे कानूनी सबूत के रूप में देखा जाना चाहिए और तुरंत कार्रवाई की जानी चाहिए। आईएएस अधिकारी ने पत्र में यह भी उल्लेख किया है कि मामला अनुसूचित जाति और जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के दायरे में आता है, जिसके तहत पुलिस को तत्काल एफआईआर दर्ज करना अनिवार्य है। अमनीत पी कुमार ने स्पष्ट कहा है कि वह पोस्टमॉर्टम के समय खुद मौजूद रहेंगी और वीडियोग्राफी भी कराएंगी। इसके बाद ही अंतिम संस्कार किया जाएगा। अमनीत कुमार ने अपने पत्र में मुख्यमंत्री से चार प्रमुख मांगें रखी हैं। उन्होंने कहा कि आत्महत्या नोट और शिकायत में जिन व्यक्तियों के नाम हैं, उन पर तुरंत मामला दर्ज किया जाए। सभी आरोपियों को निलंबित करके गिरफ्तार किया जाए ताकि जांच पर उनका प्रभाव न पड़े। उन्होंने परिवार को स्थायी सुरक्षा देने की मांग की है। विशेष रूप से दिवंगत अधिकारी की दोनों बेटियों को मानसिक और शारीरिक सुरक्षा मिले। परिवार के सम्मान और अधिकारों की रक्षा हो, ताकि उन्हें आगे किसी तरह की प्रताड़ना का सामना न करना पड़े।

एससी कमीशन ने तलब की रिपोर्ट

वरिष्ठ आईपीएस वाई पूर्ण कुमार की आत्महत्या मामले में राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग ने स्वतः संज्ञान लेते हुए चंडीगढ़ प्रशासन को नोटिस जारी किया है। आयोग ने चंडीगढ़ प्रशासन को सात दिन के भीतर रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं। आयोग की ओर से जारी किए गए नोटिस में स्पष्ट लिखा गया है कि वह भारत के संविधान के अनुच्छेद 338 के तहत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए इस मामले की जांच/पूछताछ करेगा। आयोग द्वारा मांगी गई रिपोर्ट में सभी आरोपियों के नाम, एफआईआर संख्या, तारीख और धाराएं, आरोपियों की गिरफ्तारी और पीड़ित के परिवार को दिए गए मुआवजे (यदि कोई हो) का विवरण शामिल होना चाहिए।

पूरन कुमार की पत्नी आईएएस अमनीत पी. कुमार ने दो अलग-अलग प्रतिवेदन दिए

पूरन कुमार की पत्नी आईएएस अमनीत पी. कुमार ने दो अलग-अलग प्रतिवेदन दिए— एक में केवल डीजीपी और एसपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की, और दूसरे में सभी 15 अफसरों की गिरफ्तारी की। यह एक अधिकारी की नहीं, बल्कि एक संवेदनशील पत्नी और सहकर्मी की लड़ाई है जो व्यवस्था से इंसाफ मांग रही है। उन्होंने कहा कि 'यह सिर्फ एक सुसाइड नहीं, बल्कि एक सिस्टमेटिक मर्डर है। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने आईपीएस की पत्नी एवं आईएएस अमनीत पी कुमार से मुलाकात की और ढांढस बंधाया। इसी बीच राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग ने आईपीएस की आत्महत्या मामले पर स्वतः संज्ञान लेते हुए चंडीगढ़ प्रशासन को नोटिस जारी किया। इसके साथ ही लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आईपीएस की आत्महत्या मामले में ट्वीट कर लिखा कि हरियाणा के आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार की आत्महत्या उस गहराते सामाजिक ज़हर का प्रतीक है, जो जाति के नाम पर इंसानियत को कुचल रहा है। अमनीत पी कुमार ने मुख्यमंत्री को दो पेज का मांग पत्र सौंपा, जिसमें उन्होंने तुरंत एफआईआर दर्ज करने, आरोपियों को निलंबित करने और परिवार को सुरक्षा देने की मांग की।

यह सिर्फ एक अधिकारी की मौत नहीं, न्याय की परीक्षा है

पत्र के अंत में अमनीत कुमार ने लिखा है कि यह मामला सिर्फ एक अधिकारी की मौत नहीं, बल्कि 'न्याय, समानता और कानून के शासन की परीक्षा' है। वाई पूरन कुमार न्याय और ईमानदारी के प्रतीक थे। उनकी मृत्यु ने उस व्यवस्था की सच्चाई उजागर कर दी है जो अब भी चुप है। उन्होंने आगे लिखा, 'सरकार की त्वरित कार्रवाई न केवल परिवार को न्याय दिलाएगी, बल्कि समाज में यह संदेश देगी कि कानून सबके लिए समान है।' पत्र में यह भी चेतावनी दी गई है कि अगर सरकार ने जल्द कार्रवाई नहीं की, तो इससे जनता में कानूनी व्यवस्था और प्रशासनिक तंत्र के प्रति अविश्वास बढ़ेगा। पत्र में कहा गया है कि सरकार की दृढ़ कार्रवाई ही जनता का विश्वास बहाल कर सकती है। मुख्यमंत्री को लिखे पत्र का समापन इन शब्दों के साथ किया गया है, 'आपका त्वरित हस्तक्षेप और दृढ़ निर्णय ही यह सुनिश्चित करेगा कि न्याय में देरी न हो और न ही वह मरा हुआ दिखे। हम आपसे आग्रह करते हैं कि एफआईआर, गिरफ्तारी और परिवार की सुरक्षा की गारंटी तुरंत दी जाए।'

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने हरियाणा के वरिष्ठ आईपीएस वाई पूर्ण कुमार आत्महत्या में ट्वीट करके जातिवादी मानसिकता पर सवाल उठाए। राहुल गांधी ने लिखा कि आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार की आत्महत्या उस गहराते सामाजिक ज़हर का प्रतीक है, जो जाति के नाम पर इंसानियत को कुचल रहा है। जब एक आईपीएस अधिकारी को उसकी जाति के कारण अपमान और अत्याचार सहने पड़ें-तो सोचिए, आम दलित नागरिक किन हालात में जी रहा होगा। रायबरेली में हरिओम वाल्मीकि की हत्या, सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश का अपमान और अब पूरन की मृत्यु - ये घटनाएं बताती हैं कि वंचित वर्ग के ख़िलाफ़ अन्याय अपनी चरम सीमा पर है। दलित, आदिवासी, पिछड़े और मुस्लिम आज न्याय की उम्मीद खोते जा रहे हैं। ये संघर्ष केवल पूर्ण का नहीं - हर उस भारतीय का है जो संविधान, समानता और न्याय में विश्वास रखता है।

आईपीएस आत्महत्या मामले की होनी चाहिए निष्पक्ष जांच : हुड्डा

पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने आईपीएस वाई पुरण कुमार आत्महत्या मामले में निष्पक्ष जांच की मांग उठाई है। उन्होंने कहा कि कोई भी दोषी बख्शा नहीं जाना चाहिए और किसी निर्दोष पर आंच नहीं आनी चाहिए। इस मामले में न्याय सुनिश्चित करना प्रदेश सरकार की जिम्मेदारी है हुड्डा ने कहा कि प्रदेश की कानून व्यवस्था पूरी तरह जर्जर हो चुकी है। इसके बीच में इतने बड़े पुलिस अधिकारी का सुसाइड बेहद ही दुखद घटना है। इस घटना ने पूरे प्रदेश को हिलाकर रख दिया है। आज खुद पुलिस के इतने बड़े अधिकारी सुरक्षित नहीं है तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि आम लोगों की क्या हालत होगी।

आईपीएस आत्महत्या मामले में आरोपियों की तुरंत की जाए गिरफ्तारी : सांसद वरुण चौधरी

अंबाला से लोकसभा सांसद वरुण चौधरी ने सेक्टर-24 स्थित वरिष्ठ आईपीएस स्व. वाई पूर्ण कुमार के आवास पर पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया। उन्होंने आईपीएस स्व. वाई पूर्ण कुमार की पत्नी और आईएएस अमनीत पी कुमार को आश्वस्त किया कि पूरा दलित समाज एकजुट होकर उनके साथ खड़ा है, परिवार की ओर से पोस्टमार्टम से पहले एफआईआर दर्ज कराने का जो फैसला लिया है, उससे पूरा समाज सहमत है। सांसद वरुण चौधरी ने मांग कि मुख्यमंत्री नायब सैनी तुरंत डीजीपी को कार्य मुक्त करें ताकि मामले की निष्पक्ष जांच हो सके। इसके साथ ही आत्महत्या मामले में जिनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है, उनकी तुरंत गिरफ्तारी की जा। उनकी प्रमुख मांग है कि मामले की निष्पक्ष जांच के लिए न्यायिक कमेटी गठित की जाए। इसके साथ ही परिवार को सुरक्षा प्रदान की जाए। परिवार द्वारा जो पोस्टमार्टम से पहले एफआईआर दर्ज कराने का फैसला लिया गया है, एफआईआर दर्ज होने के बाद ही शव का अंतिम संस्कार किया जाएगा, इससे पूरा दलित समाज सहमत है।

आईपीएस सुसाइड मामले की हो निष्पक्ष-उच्चस्तरीय जांच

सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि हरियाणा के एक वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी द्वारा की गई आत्महत्या की दुखद घटना ने पूरे राज्य को झकझोर कर रख दिया है। यह न केवल एक व्यक्तिगत त्रासदी है, बल्कि पूरे प्रशासनिक तंत्र पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करती है। एक ईमानदार अधिकारी को यदि सिस्टम की विफलताओं के कारण ऐसा कठोर कदम उठाना पड़े, तो यह बेहद चिंता का विषय है। मैं दिवंगत अधिकारी के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करती हूं और ईश्वर से प्रार्थना करती हूं कि उन्हें इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति दे। साथ ही, मैं इस घटना की निष्पक्ष, उच्च-स्तरीय जांच की मांग करती हूं ताकि सच्चाई सामने आ सके और भविष्य में किसी और अधिकारी को इस तरह के हालात का सामना न करना पड़े।

डीजीपी सहित 14 अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

जातिवाद, भेदभाव करने, मानसिक उत्पीड़न व अत्याचार के हैं आरोप

शत्रुजीत कपूर। मनोज यादव संदीप खिरवार। संजय कुमार। पी के अग्रवाल। कुलविंदर सिंह। पंकज नैन अमिताभ ढिल्लो टीवीएसएन प्रसाद नरेंद्र बिजारणिया शिवाश कविराज कला रामचंद्रन राजीव अरोड़ा माटा रवि किरण

वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार के सुसाइड नोट में 15 आईएएस-आईपीएस अफसरों के नाम दर्ज हैं, जिन पर जातिगत अपमान और मानसिक उत्पीड़न के आरोप हैं। चंडीगढ़ पुलिस ने डीजीपी शत्रुजीत कपूर और रोहतक एसपी नरेंद्र बिजारणिया समेत 14 अधिकारियों पर एफआईआर नंबर 156 दर्ज की है।

यह हरियाणा के इतिहास में पहला मौका है जब इतने सीनियर अफसरों पर एक साथ एससी/एसटी एक्ट और भारत न्याय संहिता की धाराओं के तहत मुकदमा चला है। यह मामला नौकरशाही के भीतर छिपे जातिगत भेदभाव पर गहरी चोट है। एफआईआर नंबर 156, जिसमें डीजीपी शत्रुजीत कपूर, रोहतक एसपी नरेंद्र बिजारणिया सहित 14 अफसर आरोपी बनाए गए हैं, भारतीय प्रशासनिक इतिहास की एक अभूतपूर्व घटना है। भारत न्याय संहिता की धारा 108, 3(5) और एससी/एसटी एक्ट की धारा 3(1)(r) के तहत दर्ज यह मामला इस सच्चाई की गवाही देता है कि नौकरशाही की ऊँची दीवारों के भीतर भी जाति आज भी उतनी ही जीवित है जितनी गांवों की गलियों में।

आईपीएस कैडर के अधिकारी वाई पूरन कुमार द्वारा की गई आत्महत्या की निष्पक्ष जांच हो : प्रकाश भारती

इनेलो के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव प्रकाश भारती ने देश और प्रदेश में बीजेपी सरकार में दलितों के साथ लगातार हो किए जा रहे उत्पीड़न की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा कि पिछले 11 सालों में जब से देश और प्रदेश में भाजपा की सरकार आई है तब से दलितों पर अत्याचार बेतहाशा बढ़ गए हैं। बीजेपी सरकार में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर द्वारा निर्मित संविधान की लगातार सरेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। बीआर गवई सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस होने के साथ साथ दलित समुदाय से भी आते हैं। एक दलित चीफ जस्टिस के उपर जूता फेंकना बेहद निंदनीय है और देश के संविधान का अपमान है। ऐसा ही दलित उत्पीड़न का एक मामला हरियाणा के आइपीएस वाई पूरन कुमार द्वारा आत्महत्या करने का है जिन्होंने जातिवादी भेदभाव के चलते आत्महत्या कर ली। वाई पूरन कुमार ने आत्महत्या करने से पहले एक सुसाईड नोट भी लिखा है जिसमें उन्होंने दलित होने के नाते अपने साथ हुए भेदभाव का जिक्र किया है। प्रकाश भारती ने कहा कि एक षडयंत्र के तहत बीजेपी के इशारे पर यह प्रचार किया जा रहा है कि संविधान को बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर ने नहीं बनाया और उन्हें भद्दी भद्दी गालियां दी जा रही हैं। बीजेपी की सरकार में अगर दलित चीफ जस्टिस और आईपीएस अधिकारी ही सुरक्षित नहीं हैं तो आम नागरिक का क्या होगा। प्रकाश भारती ने हरियाणा के आईपीएस कैडर के अधिकारी वाई पूरन कुमार के परिवार को न्याय मिल सके उसके लिए इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करने और दोषियों को कड़ी सजा देने की की मांग की।

एक आईपीएस द्वारा आत्महत्या करना पूरी तरह से सरकार का फेलियर है और पूरे सिस्टम पर सवालिया निशान खड़ा करता है : चौ. अभय सिंह चौटाला

इंडियन नेशनल लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौ. अभय सिंह चौटाला ने हरियाणा कैडर के आईपीएस वाई पूरन कुमार द्वारा जातिवादी भेदभाव के कारण की गई आत्महत्या पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह बेहद दुखद घटना है। एक आईपीएस द्वारा आत्महत्या करना यह कोई छोटी घटना नहीं है। बीजेपी सरकार किसान विरोधी ही नहीं बल्कि दलित विरोधी भी है। अभय सिंह चौटाला ने कहा कि बीजेपी सरकार में दलित समुदाय के लोगों के साथ उत्पीड़न के मामले लगातार बेतहाशा बढ़ रहे हैं और बाबा साहब भीमराव अंबेडकर द्वारा निर्मित संविधान की सरेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। हरियाणा के आईपीएस वाई पूरन कुमार ने आत्महत्या करने से पहले एक सुसाइड नोट भी लिखा है जिसमें उन्होंने दलित होने के नाते अपने साथ हुए भेदभाव का जिक्र किया है। यह पूरी तरह से सरकार का फेलियर है और पूरे सिस्टम पर सवालिया निशान खड़ा करता है। अगर प्रदेश की सुरक्षा करने वाले पुलिस अधिकारियों का उत्पीड़न हो रहा है तो ऐसे में सरकार का पूरी तरह से दिवालिया पिट चुका है। बीजेपी की सरकार में अगर दलित चीफ जस्टिस और आईपीएस अधिकारी ही सुरक्षित नहीं हैं तो आम नागरिक का क्या होगा। आईपीएस वाई पूरन कुमार जैसे उच्च अधिकारी द्वारा आत्महत्या करने के पीछे क्या कारण रहे, कौन लोग इसके जिम्मेवार हैं उसकी उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोषियों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए। निष्पक्ष जांच द्वारा ही आईपीएस वाई पूरन कुमार के परिवार को न्याय मिल सकेगा।

हरियाणा के वरिष्ठ दलित आईपीएस अधिकारी वाई पूर्ण कुमार की मजबूरन आत्महत्या का मामला स्तब्ध करने वाला भी है, दुखदायी भी और हृदय विदारक भी। परिवार को मेरी संवेदनाएं। उम्मीद है कि चंडीगढ़ प्रशासन व देश का गृह मंत्रालय वाई पूर्ण कुमार की आईएएस अधिकारी पत्नी की बात सुनेगा और न्याय देगा।

-रणदीप सुरजेवाला, कांग्रेस राष्ट्रीय महासचिव

हरियाणा के वरिष्ठ और होनहार आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार जी की संदिग्ध आत्महत्या बेहद दुखद है। सुसाईड के नोट के आधार पर पूरन कुमार जी की पत्नी द्वारा पुलिस कंप्लेंट में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का नाम लिखवाया जाना व उत्पीड़न, जातिगत भेदभाव और प्रताड़ना के आरोप पूरे सिस्टम पर गंभीर सवाल खड़े करता हैं। पुलिस परिवार के वरिष्ठतम अधिकारी, कानून-व्यवस्था के मुख्य-संघरक्षको पर ऐसे आरोप लगना अत्यंत गंभीर है। अब निष्पक्ष जांच से ही न्याय संभव है। मामले की गंभीरता देखते हुए तुरंत एफआईआर दर्ज करने के बाद इसकी जांच उच्चतम न्यायालय के सिटिंग न्यायाधीश की निगरानी में ही की जाए -दूध का दूध और पानी का पानी हो और जाँच में निर्धारित दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलवाई जाए।

-दीपेंद्र हुड्डा, सांसद

जब दलित आईपीएस अधिकारी प्रताड़ित है तो भाजपा शासन में ग़रीब दलित का क्या होगा। इस पूरे मामले की निष्पक्ष न्यायिक जांच होनी चाहिए। दलित अधिकारियों को ऊंचा उठते देख सरकार को बर्दाश्त नहीं हो रहा है।

-अनुराग ढांडा, आप के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी

वाई. पूर्ण कुमार की आत्महत्या की घटना को अत्यंत दु:खद एवं हृदय विदारक बताया। उन्होंने कहा कि यह न केवल प्रशासनिक तंत्र की विफलता को उजागर करता है, बल्कि समाज में दलित अधिकारियों के साथ हो रहे भेदभाव की भी एक चिंताजनक तस्वीर प्रस्तुत करता है।

-राव नरेंद्र सिंह, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष

शहर ›› अपडेट

मोटरसाइकिल चोरी के दो आरोपी गिरफ्तार, भेजे गए जेल , बाइक भी बरामद

राष्ट्रीय खबर

हरिहरगंज/पलामू : हरिहरगंज थाना कांड संख्या 120/25 धारा 303(2) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के दो अप्राथमिकी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर पुलिस ने गुरुवार को जेल भेज दिया। इस संबंध में पुलिस इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी चंदन कुमार ने गिरफ्तार अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेजे जाने की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि जेल भेजे जाने वालों में औरंगाबाद (बिहार) के कुटुंबा थाना अंतर्गत इब्राहीमपुर गांव निवासी जनेश्वर सिंह के 18 वर्षीय पुत्र अंकू कुमार और करमडीह गांव निवासी प्रदीप सिंह के 19 वर्षीय पुत्र पवन कुमार का नाम शामिल है ।

शॉर्ट न्यूज

हाइवा के चपेट में आने से बाइक सवार गंभीर रूप से घायल

राष्ट्रीय खबर

हरिहरगंज/पलामू : हरिहरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत भगत तेंदुआ ग्राम के समीप एनएच 139 पर गुरुवार को तेज रफ्तार हाईवा के चपेट में आने से एक बाइक सवार व्यक्ति सिर में चोट लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद खून से लथपथ बेहोशी की हालत में सड़क पर गिरे पड़े व्यक्ति को आस पास में मौजूद लोगों ने मानवता दिखाते हुए उठाया और हरिहरगंज सीएचसी लाकर प्राथमिक उपचार कराया। घायल व्यक्ति की पहचान डुमरी बालूगंज निवासी 52 वर्षीय आनंद प्रसाद गुप्ता के रूप में की गई। बताया गया कि घटना की सूचना मिलने पर घायल व्यक्ति के परिजन भी पहुंचे जिनके द्वारा बेहतर इलाज के लिए औरंगाबाद ले जाया गया।

संक्षिप्त ›› अपडेट्स

ट्रेन की चपेट में आकर 17 वर्षीय युवक घायल,हादसे में दोनों हाथ के उंगली कटे

मेदिनीनगर। शहर थाना क्षेत्र के हमीदगंज कंदाखाड़ मोहल्ला निवासी स्वर्गीय विजय चंद्रवंशी के पुत्र प्रभाकर कुमार उर्फ मंगू उम्र 17 वर्ष बीते शाम ट्रेन की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया।उसका दोनों हाथ का उंगली ट्रेन से कट गया है। इस घटना के बाद से परिजन काफी परेशान और चिंतित है।इस घटना के बारे में परिजनों ने बताया कि बीते शाम मंगू किसी काम से सुदना अघोर आश्रम गया था। इसी बीच रेलवे पटरी पार करने के दौरान वह ट्रेन की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद स्थानीय लोगों के द्वारा इस घटना की जानकारी परिजनों को दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन घटनास्थल पर पहुंचकर स्थानीय लोगों के सहयोग से मंगू को इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया।जहां इलाज के बाद भी चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया।

अभियान

हस्ताक्षर अभियान सैंकड़ों कार्यकताओं की मौजूदगी में गर्म जोशी के साथ शुरू किया गया

वोट चोर गद्दी छोड़ हस्ताक्षर अभियान चलाया : विधायक निसात आलम

राष्ट्रीय खबर

पाकुड़: जिला मुख्यालय स्थित कांग्रेस भवन में वोट चोर गद्दी छोड़ हस्ताक्षर अभियान सैंकड़ों कार्यकताओं की मौजूदगी में गर्म जोशी और उत्साह के साथ शुरू किया गया। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव एवं झारखंड प्रदेश सह प्रभारी डॉ सिरिवेला प्रसाद ने अभियान की शुरूआत की। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष शहजादा अनवर तथा पाकुड़ विधायक निसात आतम ने हस्ताक्षर अभियान को गति देने का काम किया। कांग्रेस भवन में चस्पा किए गए वोट कर गही छोड़ के बैनर पर हस्ताक्षर कर अभियान शुरू किया गया। अभियान के बैनर में सबसे पहले डॉ सिरितेला प्रसाद ने हस्ताक्षर किया।

इसके बाद झारखंड प्रदेश सह प्रभारी शहजादा अनवर एवं विधायक निसात आलम ने हस्ताक्षर कर अभियान को आगे बढ़ाया। इससे पहले आईएनसी के सचिव एवं प्रदेश सह प्रभारी डॉ सिरिवेला प्रसाद तथा प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष शहजादा अनवर ने विधायक निसात आलम की मौजूदगी में कार्यकताओं के साथ वोट चोर गद्दी छोड़ हस्ताक्षर अभियान की सफलता को लेकर बैठक किया।

बैठक में कार्यकताओं को संबोधित करते हुए डॉ सिरिवेला प्रसाद ने कहा कि राष्ट्रीय अधाक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जी एवं राहुल गांधी जी के निर्देश पर देश भर में वोट चोर गद्दी छोड़ हस्ताक्षर अभियान चलाया जा रहा है। देश भर में पांच करोड हस्ताक्षर संग्रह करने का लक्ष्य रखा गया है। जिसे राष्ट्रपति के पास भेजा जाएगा। झारखंड में भी अभियान को चलाया जाना है। इसकी शुरूआत आज पाकुड़ से कर दिया गया। पूरे झारखंड में 25 लाख हस्ताक्षर कलेक्ट करना है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी चुनाव आयोग के जरिए वोट चोरी कर जनता के मताधिकार के साथ खिलवाड़ कर रहा है। देश के संविधान पर प्रहार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जी ने बोट चोरी के मामले को पूरे तथ्य और सबूत के साथ देश के सामने रखने का काम किया। पाकुड़ जिला कांग्रेस कमिटी शुरू किया हस्ताक्षर अभियान कार्यक्रमः किस तरह भारतीय जनता पार्टी चुनाव आयोग के साथ सांठगांठ कर वोट चोरी कर सत्ता भोग रहा है. राहुल गांधी जी ने इसका पदार्फाश करने का काम किया है।

रोजगार मेला का आयोजन, 22 कंपनियों ने 600 शिक्षित बेरोजगारों को नियुक्ति पत्र दिया

● पाकुड़ की विधायक के हाथों दिया गया नियुक्ति पत्र युवकों को

राष्ट्रीय खबर

पाकुड़: जिला मुख्यालय के कृषि उत्पादन बाजार समिति परिसर में दत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेला का आयोजन किया गया. इस दौरान मेला का उद्घाटन मुख्य अतिथि विधायक निशात आलम ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया. इस मौके पर उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया, जिला नियोजन पदाधिकारी राहुल कुमार समेत सैकड़ों रोजगार पाने की इच्छा रखने वाले युवक युवतियां मौजूद रहे. जिला नियोजनालय सह मॉडल करियर सेंटर द्वारा आयोजित मेले में रोजगार पाने की इच्छा रखने वाले सैकड़ों शिक्षित बेरोजगार युवक युवतियों ने रोजगार प्राप्ति को लेकर लगाए गए स्टालों में आवेदन जमा किए. इस बीच मेला में स्थानीय सहित दूसरे राज्यों की दर्जनों कंपनियों ने स्टॉल लगाकर रोजगार मुहैया कराने के लिए प्राप्त आवेदनों प्रमाण पत्रों की स्क्रूटनी के बाद नियुक्ति पत्र मुहैया कराया गया. इस दौरान रोजगार मेला में 22 कंपनियों ने 600 शिक्षित बेरोजगारों को नियुक्ति पत्र दिया विधायक निशात आलम ने बताया कि हेमंत सरकार ने बेरोजगार युवक युवतियों को रोजगार दिलाने के लिए रोजगार मेला का आयोजन किया है. इस मेला के माध्यम से जॉब देने का काम किया जा रहा है और ज्यादा से ज्यादा बेरोजगार युवक युवतियों को यहां आकर अपना आवेदन दिया।

राष्ट्रीय खबर कॉर्नर

जिला अनुकंपा समिति की बैठक में 10 आवेदनों की समीक्षा की गयी समिति द्वारा 09 अभ्यावेदनों की अनुशंसा की गई

राष्ट्रीय खबर

लातेहार : गुरूवार को उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में जिला अनुकंपा समिति की बैठक आयोजित की गई. बैठक में समिति द्वारा उग्रवादी हिंसा एवं सामान्य के आश्रितों के अभ्यावेदनों की विस्तार से समीक्षा की गई. समिति द्वारा कुल 10 अभ्यावेदनों की समीक्षा की गई.इनमें उग्रवादी हिंसा के 01 एवं सामान्य के 09 अभ्यावेदन थे. सामान्य के अभ्यावेदनों पर विचार विमर्श के बाद समिति द्वारा 09 अभ्यावेदनों की अनुशंसा की गई. उग्रवादी हिंसा से संबंधित 01 मामले पर विचार विमर्श करते हुए समिति ने आवश्यक दस्तावेज के लिए संबंधित कार्यालय को रिमाइंडर भेजने का निर्देश दिया.इसके साथ ही आवश्यक दस्तावेज के साथ अगली बैठक में रखने का निर्देश दिया गया. बैठक में उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद, अपर समाहर्ता रामा रविदास, स्थापना उप समाहर्ता मेरी मड़की, प्रभारी पदाधिकारी सामान्य शाखा अजय कच्छप, जिला कोषागार पदाधिकारी निहारिका वर्मा, जिला शिक्षा अधीक्षक गौतम कुमार साहू, कार्यपालय अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल दीपक महतो उपस्थित थे.

ग्राम कुसुम टांड़ के खराब ट्रांसफार्मर को बदले बिजली विभाग: रूचिर तिवारी

सुधर जाए बिजली विभाग अन्यथा जनता देगी सुधार : भाकपा

राष्ट्रीय खबर

आज भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी के जिला सचिव सह डालटेनगंज विस के पूर्व विधायक उम्मीदवार रूचिर कुमार तिवारी ने आज विद्युत अधीक्षक अभियंता से मुलाकात किया मुलाकात के क्रम में सदर प्रखंड के ग्राम कुसुमटाड़ के सैकड़ो ग्रामीण उपस्थित थे।

श्री तिवारी ने अधीक्षक अभियंता से कहा कि ग्राम कुसुम टाड़ के सैकड़ो ग्रामीण आज 20 दिन से अंधेरा में रह रहे हैं वहां ट्रांसफार्मर खराब हो गया है लेकिन बिजली विभाग के अभियंता एवं अधीक्षक अपने एसी के कमरे में सोया हुआ है मुलाकात के क्रम में श्री तिवारी ने कहा कि अगर एक दिन के अंदर ग्राम कुसुम टाड़ में ट्रांसफार्मर नहीं लगा तो सैकड़ो लोगों के साथ बिजली विभाग कार्यालय पर प्रदर्शन कर तालाबंदी किया जाएगा आए दिन बिजली विभाग के पदाधिकारी ग्रामीण जनता पर फाइन लगाकर एवं झूठा मुकदमा कर उनका शोषण कर रहे हैं लेकिन नियमित बिजली आपूर्ति एवं ट्रांसफार्मर खराब हो जाने के बाद उनको नहीं देखते हैं भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी बिजली विभाग की मनमानी नहीं चलने देगी। विद्युत अधीक्षक अभियंता को सैकड़ो ग्रामीण के हस्ताक्षर का एक आवेदन भी दिया गया आवेदन देने में ग्राम कुसुम कार्ड की वार्ड सदस्य सुमन देवी, मोहन सिंह, रीता देवी अनीता देवी अजय सिंह मालती देवी बीरबल सिंह रिंकी देवी दीपक प्रजापति अनिल प्रजापति सहित सैकड़ो लोग थे।

मन के तमोगुण के प्रभाव को कम करने के लिए कीर्तन बहुत जरूरी है, मन को निर्मल बनाता है कीर्तन

● कीर्तन एक उच्चतम और श्रेष्ठतम भावनात्मक अभ्यास है जो हमें अशांति, तनाव और चिंता से मुक्ति दिलाता है

राष्ट्रीय खबर

हजारीबाग : आनन्द मार्ग प्रचारक संघ की ओर से हजारीबाग सहित पूरे विश्व में ₹बाबा नाम केवलम₹ कीर्तन का गायन किया गया । जूम ऐप के माध्यम से भी 24 घंटे का अखंड कीर्तन आज 9 अक्टूबर को संपन्न हुआ। हजारीबाग के विभिन्न यूनिटों में आज 9 अक्टूबर को 12 बजे कीर्तन संपन्न हुआ।

सम्पूर्ण ब्रह्मांड के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह अष्टाक्षरी सिद्ध महामंत्र ₹बाबा नाम केवलम₹ जिसे सद्गुरु श्री आनंदमूर्ति जी ने 8 अक्टूबर 1970 को अमझरिया, लातेहार जिला, झारखंड, भारत में स्थापित किया था। आठ अक्षरों वाला यह शक्तिशाली और सार्वभौमिक मंत्र, सार्वभौमिक प्रेम का सार है और दुनिया भर के आध्यात्मिक साधकों द्वारा इसका अभ्यास किया जाता है। कीर्तन समाप्ति के पश्चात सुनील आनंद ने अपने आध्यात्मिक उद्बोधन में कहा की ईश्वर की प्राप्ति के सुगम साधन कीर्तन है।

कीर्तन, भक्ति और ध्यान का अद्वितीय माध्यम है, जिसके माध्यम से एक व्यक्ति ईश्वर के साथ गहरा संवाद स्थापित कर सकता है। उन्होंने ने बताया कि कीर्तन की शक्ति व्यक्ति को अविरल ध्यान, स्थिरता और आनंद की अनुभूति देती है। यह एक अद्वितीय विधि है जो हमें मन, शरीर और आत्मा के संगम के अनुभव को आदर्श दशार्ती है। कीर्तन से हम अपने मन को संयमित कर सकते हैं और इंद्रियों के विषयों के प्रति वैराग्य की प्राप्ति कर सकते हैं। यह हमें अविरल स्थिति में रहने की क्षमता प्रदान करता है और हमारे जीवन को धार्मिक और आध्यात्मिक महत्वपूर्णता के साथ भर देता है। उपस्थित आदर्शवादियों को यह संदेश दिया कि कीर्तन एक उच्चतम और श्रेष्ठतम भावनात्मक अभ्यास है, जो हमें अशांति, तनाव और चिंता से मुक्ति दिलाता है।

उत्पाद विभाग की टीम द्वारा अवैध शराब बरामद, दो अभियुक्त न्यायिक हिरासत में भेजे गए

राष्ट्रीय खबर

महेशपुर: उत्पाद विभाग, पाकुड़ की टीम द्वारा महेशपुर थाना अंतर्गत राजापुर ग्राम स्थित समिरन दता तथा पाकुड़िया थाना अंतर्गत बब्लू राय के घर एवं दुकान में छापेमारी की गई। तलाशी के क्रम में दोनों के पास से कुल 04.83 लीटर अवैध विदेशी शराब एवं 11.00 लीटर अवैध बीयर बरामद की गई। बरामद अवैध शराब को जब्त करते हुए दोनों अभियुक्तों को संबंधित धाराओं के अंतर्गत न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

जिला मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय पाकुड़ में एसए-1 परीक्षा शांतिपूर्ण प्रारंभ

राष्ट्रीय खबर

पाकुड़: जिला मुख्यालय स्थित मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय पाकुड़ (पूर्व में पाकुड़ राज +2 स्कूल) में एस ए -1 अर्धवार्षिक परीक्षा का पहला दिन शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। विद्यालय प्रबंधन द्वारा दी गई जानकारी और संलग्न उपस्थिति चार्ट के अनुसार, कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों ने परीक्षा में उत्साहपूर्वक भाग लिया। परीक्षा को कदाचार मुक्त बनाने के लिए कक्ष निरीक्षकों की समुचित व्यवस्था की गई थी। परीक्षा में छात्रों की उपस्थिति सराहनीय रही, जो उनकी शैक्षणिक प्रतिबद्धता को दशार्ती है। विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य राजू नन्दन साहा ने बताया की परीक्षा के सफल और शांतिपूर्ण संचालन के लिए कड़ी निगरानी की गई है। परीक्षा केंद्रों पर स्वच्छ, शांत और भयमुक्त वातावरण प्रदान किया गया ताकि छात्र बिना किसी तनाव के अपने प्रदर्शन को अधिकतम कर सकें।

श्रीमती अनिता पूर्ति जिला शिक्षा पदाधिकारी ने निरीक्षण के उपरांत कहा कि यह परीक्षा आने वाले वार्षिक बोर्ड परीक्षाओं के लिए छात्रों की तैयारी का आकलन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

लिदकी गांव में चलाया गया भागीदारी पार्टी का सदस्यता अभियान, ग्रामीणों ने रखी अपनी समस्याएं

राष्ट्रीय खबर

मेदिनीनगरः डाल्टनगंज विधानसभा क्षेत्र के भागीदारी पार्टी के पूर्व प्रत्याशी सुनील प्रजापति के नेतृत्व में सदस्यता अभियान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम पलामू जिला अध्यक्ष कमलेश प्रजापति, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष सुनैना देवी एवं सुधीर प्रजापति आदि की उपस्थिति में भंडरिया प्रखंड अंतर्गत बिजका पंचायत के ग्राम लिदकी में संपन्न हुआ। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए और अपनी समस्याओं से नेताओं को अवगत कराया।ग्रामीणों ने बताया कि आज भी लिदकी गांव विकास से कोसों दूर है। गांव के लोगों ने गंभीर चिंता जताते हुए कहा कि बिजली विभाग के आदेश पर ग्रामीणों ने स्वयं पोल का गड्ढा खोदा और पोल गाड़ा। लेकिन आज तक मजदूरी का पैसा विभाग की ओर से नहीं मिला है। इसके अलावा पोल गाड़े कई वर्ष बीत जाने के बाद भी बिजली विभाग ने तार नहीं जोड़ा। स्थिति यह है कि ग्रामीण अब भी ढिबरी युग में जीने को मजबूर हैं।ग्रामीणों ने सड़क और पुल-पुलिया की बदहाली पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने बताया कि गांव में आज तक पक्की सड़क नहीं बनी है और न ही पुल-पुलिया का निर्माण हुआ है। बरसात के मौसम में बच्चों को स्कूल जाने के लिए नदी पार करनी पड़ती है। पुल नहीं रहने के कारण कई बार बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है और वे स्कूल जाने से कतराते हैं।मौके पर मौजूद ग्रामीण संविय मिंज, पेंतुस मिंज, धर्मदास कुच्छप, विनय कुजूर, तराशियुस कुच्छप, मंता कुच्छप, बिनोद कुजूर, विनय मिंज आदि ने संयुक्त रूप से सरकार से इस दिशा में ठोस कदम उठाने की मांग की।

इलाज के दौरान महिला की मौत, परिजनों नें डेंटिस्ट ज्या पर लगाया ईलाज में लापरवाही का आरोप

राष्ट्रीय खबर

चतरा : लोवागड़ा गांव निवासी गोमती देवी वृद्ध महिला का संदेहास्पद स्थिति में मौत का सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है। मृतिका के पुत्र पंकज मिश्रा ने शहर में संचालित ज्या डेंटल क्लीनिक के संचालक ज्या पर इलाज में लापरवाही बरतते हुए गलत इंजेक्शन देने का गंभीर आरोप लगाया है। परिजनों के अनुसार गोमती देवी के दांत में दर्द था, जिसका इलाज कराने वे लोग उन्हें लेकर डॉक्टर ज्या के क्लीनिक में गये थे। परिजनों के अनुसार जांच के बाद डॉक्टर ने महिला को दवा लिखने के साथ-साथ इंजेक्शन भी दिया था। इंजेक्शन देने के दौरान निडील टूट गया, जो अभी भी मृतिका के शरीर में ही मौजूद है। इंजेक्शन पड़ने के बाद वे लोग गोमती को लेकर अपने घर चले गए। जहाँ देर रात गोमती कि स्थिति अचानक बिगड़ने लगी, उसके बाद परिजन गोमती को लेकर आनन-फानन में सदर अस्पताल पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इधर घटना का सूचना पाकर विधायक जनार्दन पासवान भी सदर अस्पताल पहुंचे और मामले की उच्च स्तरीय जांच करते हुए लापरवाही बरतने वाले चिकित्सक के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। मौके पर विधायक ने स्वास्थ्य मंत्री पर डॉक्टर के नियुक्ति करने के बजाय बड़ी-बड़ी बातें करने का गंभीर आरोप लगाया है। कहा कि झारखंड में डॉक्टरों की भारी कमी है, बावजूद सरकार इस दिशा में ठोस कार्य करने के बजाय सिर्फ घोषणा और बयानबाजी पर टिकी है। जिसका कोपभाजन आमलोग हो रहे हैं।

निर्देश

पूर्व एनडीए प्रत्याशी सह समाजसेवी लखी पूजा पर पहुंचे गौरीपुर

● गौरीपुर में लखी पूजा का भव्य आयोजन

राष्ट्रीय खबर

पाकुड़: जिले के नसीपुर पंचायत के गौरीपुर गांव में इस वर्ष भी लखी पूजा का पावन अवसर धार्मिक उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। गांव में सुबह से ही पूजा-पाठ और धार्मिक अनुष्ठान का माहौल बना रहा। महिलाओं ने पारंपरिक परिधान धारण कर मां महालक्ष्मी की पूजा-अर्चना की और धन, समृद्धि, शांति व ऐश्वर्य की कामना की। पूजा स्थल पर दीपों की जगमगाहट और भक्ति संगीत से पूरा वातावरण आध्यात्मिक आभा से भर गया। उन्होंने ग्रामीणों के साथ पूजा में सम्मिलित होकर मां लखी के समक्ष नमन किया और सभी के सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। अजहर इस्लाम ने कहा कि मां महालक्ष्मी केठल धन की देवी नहीं, बल्कि वे शांति, सौहार्द और समृद्धि की प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि लखी पूजा जैसे पर्व हमें अपने जीवन में सकारात्मकता और आध्यात्मिकता बनाए रखने की प्रेरणा देते हैं

सभा को संचोधित करते हुए अजहर इस्लाम ने कहा, 'हम सभी धर्मों को साथ लेकर चलें, यही सच्ची मानवता है। उन्होंने यह भी कहा कि हर धर्म हमें प्रेम, भाईचारा और इंसानियत सिखाता है। चाहे दीपावली हो, ईद, क्रिसमस या गुरुपर्व, सभी त्यौहार समाज में आपसी एकता और सद्भाव का संदेश देते हैं। उनका यह विचार उपस्थित लोगों के दिलों को गहराई से छू गया।

लखी पूजा के मूल में है शांति और समृद्धि का भाव

गांव के बुजुर्गों ने बताया कि लखी पूजा का पर्व वर्षों से यहां बड़ी परंपरा के साथ मनाया जाता है। माना जाता है कि इस दिन मां लखी की पूजा करने से घर में सुख, शांति और समृ ?द्धि का वास होता है। पूजा के दौरान वरों की स्वच्छता, दीपों की रौशनी और भक्ति भाव इस पर्व को और अधिक पवित्र बना देते हैं। महिलाएं इस अवसर पर विशेष प्रसाद तैयार करती हैं और परिवार की उन्नति की कामना करती हैं।

अजहर इस्लाम का समाजिक एकता का आह्वानः

अजहर इस्लाम ने कहा कि देश और समाज तभी प्रगति कर सकता है जब लोग आपसी प्रेम और सम्मान से साथ रहें। उन्होंने अपील की कि 'धर्म नहीं, इंसानियत सबसे बड़ा धर्म है।

वन स्टॉप सेंटर का डालसा सचिव रूपा बंदना किरो ने किया निरीक्षण

पाकुड़: माननीय उच्च न्यायालय रांची के निर्देश पर आज पाकुड़ प्रखंड परिसर में स्थित वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के सचिव रूपा बंदना किरो द्वारा किया गया। इस दौरान वन स्टॉप सेंटर के मूलभूत सुविधाओं से जैसे रजिस्टर रिकॉर्ड, प्रतिनियुक्त कर्मी, परिसर का साफ सफाई, भोजन, पानी की व्यवस्था की बारीकी से जानकारी ली। साफ सफाई एवं रजिस्टर रिकॉर्ड को लेकर निर्देश दी गई। मौके पर वन स्टॉप सेंटर के प्रतिनियुक्त कर्मी , डालसा कर्मी, पैरा लीगल वॉलिंटियर्स कमला राय गांगुली, चंद्र शेखर घोष सहित कई मौजूद थे।

राशन कार्डधारियों को 10 महीने से नहीं मिला आनाज, लाभुकों ने उपायुक्त से की शिकायत

राष्ट्रीय खबर

पाकुड़: जिले के सदर प्रखंड के कालिदासपुर पंचायत के धारसुडी गांव सहित विभिन्न गांवों के पुरुष-महिला राशन कार्डधारी लाभुक आज उपायुक्त के पास शिकायत लेकर पहुंचे। इन लाभुकों का कहना है कि पिछले 10 माह का बकाया अनाज उन्हें राशन डीलर द्वारा नहीं दिया गया है। राशन कार्डधारी लाभुक दशरथ मरांडी ने बताया कि 2 सितंबर को लगभग 250 से अधिक राशन कार्डधारी लाभुक शिकायत लेकर उपयुक्त कार्यालय पहुंचे थे, जहां उन्हें आश्वासन मिला था कि एक सप्ताह के भीतर सभी को उनका बकाया अनाज जन वितरण प्रणाली के दुकानदार द्वारा दे दिया जाएगा। लेकिन, डीलर द्वारा केवल 6 माह का ही अनाज वितरित किया गया, जबकि बकाया 10 माह का था। कई लाभुकों को तो 6 माह के बजाय केवल 4 माह का अनाज दिया गया। इस असंतोष के साथ वे आज उपायुक्त से मिलने पहुंचे हैं और सवाल उठा रहे हैं कि आखिर वे कहां जाएं ताकि उन्हें उचित न्याय मिल सके।

वहीं, भाजपा प्रदेश कार्यकारी सदस्य और राज्य स्तरीय खाद्य निगम के सदस्य अनुग्राहित प्रसाद शाह ने एक शिकायत पत्र में आदिवासी, असहाय और गरीब राशन कार्डधारी लाभुकों को उचित न्याय दिलाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि 2 सितंबर को लगभग 250 लाभुक राशन डीलर के खिलाफ शिकायत लेकर उपायुक्त कार्यालय पहुंचे थे। जिला आपूर्ति पदाधिकारी और प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी ने आश्वासन दिया था कि एक सप्ताह के अंदर सभी लाभुकों को बकाया राशन मिल जाएगा, लेकिन राशन डीलर ने सिर्फ आंशिक रूप से ही अनाज वितरित किया।

शहर >> अपडेट

सांसद सुखदेव भगत शोकाकुल परिवारों से मिलकर संवेदना प्रकट किये

कुडू: बडकी चाँपि पंचायत के वरिष्ठ कोंग्रेसी कार्यकर्ता भूपाल पाठक का पुत्र सूर्यकांत पाठक का आकस्मिक निधन हो गया था। श्राद्धकर्म में आज लोहरदगा लोकसभा के सांसद सुखदेव भगत भूपाल पाठक के घर पहुंचकर शोकाकुल परिवारों से मिलकर अपनी ओर से गहरी संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि ईश्वर शोकाकुल परिवारों को दुख सहने की असीम शक्ति प्रदान करें ।मौके पर शोक व्यक्त करने वालों में आलोक साहू,लाल बिकास नाथ शाहदेव, राजीव टाना भगत, नंदलाल तिवारी, संजय चंद्र मुखर्जी आदि मौजूद थे।

शॉर्ट न्यूज

अवैध बालू लदा ट्रैक्टर जप्त

डोमचांच। थाना प्रभारी अभिमन्यु कुमार ने अवैध रूप से बालू का उत्खनन के लिए डोमचांच थाना के सामने से बालू लोड ट्रेक्टर को आते हुए देखा तो गाड़ी नंबर जेएच 12 एम 2878 तेजी से भगाने लगा। पीछा करते हुए ब्लॉक रोड के पास ट्रेक्टर को रुकवा कर उसे जब्त कर थाना ले आयी। मालूम हो कि एनजीटी के रोक के बावजूद प्रखंड के विभिन्न नदियों से अवैध रूप से बालू का उत्खनन जारी है।

संक्षिप्त >> अपडेट्स

हजारीबाग में 11 अक्टूबर को उद्यम पंजीकरण जागरूकता शिविर का आयोजन

राष्ट्रीय खबर

हजारीबाग: हजारीबाग जिले में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग (टरटए) एमएसएमई इकाईयों को प्रोत्साहित करने तथा अधिक से अधिक उद्यमियों को उद्यम पंजीकरण से जोड़ने के उद्देश्य से जिला उद्योग केन्द्र, हजारीबाग द्वारा 11 अक्टूबर 2025 को एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन किया जाएगा।

प्रबंध निदेशक, जिडको, रांची के निदेर्शानुसार यह निःशुल्क शिविर नगर निगम कार्यालय, हजारीबाग के सभागार में पूर्वाह्न 11:00 बजे से आयोजित होगा। शिविर में जिले के इच्छुक उद्यमियों एवं व्यवसायियों को ऑन-द-स्पॉट उद्यम पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

शिविर में भाग लेने वाले उद्यमियों/व्यवसायियों से अनुरोध किया गया है कि वे आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक पासबुक एवं आधार लिंक्ड मोबाइल नंबर के साथ उपस्थित हों। इससे उन्हें अपने उद्यम/व्यवसाय का पंजीकरण तुरंत कराया जा सकेगा। जिला उद्योग केन्द्र के अधिकारियों ने सभी उद्यमियों से अपील की है कि वे इस अवसर का लाभ उठाएँ और अपने व्यवसाय को कानूनी एवं औपचारिक रूप से पंजीकृत कराएँ।

निरीक्षण — लाभुकों से संवाद कर शिविर में उपलब्ध सेवाओं की स्थिति की जानकारी ली

उपायुक्त ने किया पंचायत स्तर के शिविर का औचक निरीक्षण

राष्ट्रीय खबर

चतरा: जिले में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से पात्र लाभुकों को जोड़ने की दिशा में चल रहे शिविरों के प्रभावी संचालन की समीक्षा को प्राथमिकता देते हुए उपायुक्त श्रीमती कीर्तिश्री जी आज औचक निरीक्षण पर निकलीं। इस क्रम में उन्होंने चतरा सदर प्रखंड क्षेत्र के पंचायत सचिवालय देवरिया में आयोजित शिविर का निरीक्षण किया। इस शिविर के माध्यम से कृषि सहित अनुषंगी विभागों की विभिन्न योजनाओं, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, जन्म प्रमाण पत्र निर्गमन तथा मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना से संबंधित ऑनलाईन आवेदन सृजन की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने लाभुकों से संवाद कर शिविर में उपलब्ध सेवाओं की स्थिति की जानकारी ली और कार्यप्रणाली का जायजा लिया। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त के साथ प्रखंड विकास पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि शिविर में आने वाले प्रत्येक लाभुक को योजनाओं की संपूर्ण जानकारी और समयबद्ध सुविधा मिले। उन्होंने कहा कि किसी भी पात्र व्यक्ति को योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहने दिया जाए।

उन्होंने शिविर की व्यवस्था, पंजीकरण की प्रक्रिया, तकनीकी सहयोग और कर्मियों की तैनाती की भी गहन समीक्षा की। उपायुक्त ने कहा कि शिविरों के माध्यम से सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

बता दें कि वार्ड और पंचायत स्तरीय इन शिविरों का आयोजन नगर परिषद क्षेत्र में 9 से 18 अक्टूबर 2025 तक और सभी प्रखंडों में 6 से 18 अक्टूबर 2025 तक रोस्टर के अनुसार किया जा रहा है।

शिविरों की प्रभावशीलता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए उपायुक्त प्रतिदिन संध्या 7 बजे संबंधित विभागों के पदाधिकारियों के साथ प्राप्त एवं निष्पादित आवेदनों की समीक्षा स्वयं करती हैं, ताकि किसी भी आवेदन के निष्पादन में विलंब न हो और लाभुकों को समय पर योजनाओं का लाभ मिल सके।

उपायुक्त ने आमजन से अधिकाधिक संख्या में शिविरों में पहुंचकर योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की तथा अधिकारियों को शिविर की सुचारू व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए।

इचाक में नशा और जुए के खिलाफ जनप्रतिनिधियों का आक्रोश, भ्रष्ट अधिकारियों पर रिट याचिका की तैयारी

राष्ट्रीय खबर

इचाक : इचक प्रखंड में बढ़ते अपराध, जुआ, नशा, चोरी और अवैध शराब तस्करी को लेकर जनप्रतिनिधियों में भारी आक्रोश व्याप्त है। जनप्रतिनिधियों का आरोप है कि प्रशासन की मिलीभगत से जुआ और नशा का अवैध कारोबार फल-फूल रहा है। वे कहते हैं कि पुलिस तस्करों को पकड़ने के बाद धन लेकर छोड़ देती है, जिससे अपराधियों का मनोबल बढ़ गया है।

युवा नेता गौतम ने चेतावनी दी है कि यदि एक सप्ताह के भीतर क्षेत्र के सभी ड्रग्स तस्करों, जुआरियों, अवैध शराब निमार्ताओं और पशु चोरों को गिरफ्तार नहीं किया गया तो वे जनआंदोलन के लिए सड़क पर उतरने को बाध्य होंगे। मुखिया संघ के अध्यक्ष रंजीत मेहता ने आरोप लगाया कि हाल ही में डुमरौन गांव में रात्री के समय पकड़े गए जुआरियों को भी पुलिस ने पैसे लेकर छोड़ दिया, जो अत्यंत निंदनीय है।

भाजपा महामंत्री सुनील मेहता ने कहा कि इचक के युवा नशा और जुए की गिरफ्त में फंस रहे हैं, जबकि प्रशासन नशामुक्त समाज बनाने के बजाय अपराधियों को संरक्षण दे रहा है। वहीं, कई जनप्रतिनिधियों ने भ्रष्ट पदाधिकारियों की अवैध संपत्ति की जांच हेतु जल्द ही हाई कोर्ट में रिट याचिका दायर करने की घोषणा की है। इस उद्देश्य से एक समिति गठित की जाएगी।

इस बैठक में डाढ़ीघाघर पंचायत के मुखिया नंदु मेहता, प्रयाग मेहता, मुखदेव मेहता, जागेश्वर मेहता सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय खबर कॉर्नर

बैटरी चोरी करने वाले चार लोगों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

राष्ट्रीय खबर

झुमरीतिलैया: थाना क्षेत्र अंतर्गत महतो आहर गझंडी रोड के आरकेएस प्लांट के समीप खड़े तीन टैंकर गाड़ी का शीशा तोड़कर बैटरी चोरी करने वाले चोरों को पुलिस ने बीती रात्रि गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार चोरों ने बीती रात टैंकर गाड़ी का शीशा तोड़कर बैटरी चोरी कर लिया। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने चोरी की घटना का अंजाम देने वाले कृष्णा कुमार पिता विनोद वर्मा, सचिन कुमार पिता छोटेलाल प्रसाद वर्मा, चंदन वर्मा पिता स्वर्गीय नारायण महतो एवं विकास वर्मा पिता राजेंद्र वर्मा सभी साकिन गुमो वार्ड नंबर 20 तिलैया निवासी को गिरफ्तार किया। इस संबंध में थाना में कांड संख्या 311/ 25 दर्ज किया गया है। वहीं गिरफ्तार चारों आरोपियों को शुक्रवार को जेल भेज दिया गया।

मरकच्चो में साप्ताहिक समीक्षा बैठक सम्पन्न

राष्ट्रीय खबर

मरकच्चो: प्रखंड मुख्यालय सभागार में ग्रामीण विकास विभाग एवं पंचायती राज विभाग की योजनाओं का समीक्षा बैठक प्रखंड विकास पदाधिकारी हुलास महतो की अध्यक्षता में शुक्रवार को किया गया। इस दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी ने सभी पंचायत सचिव को निर्देश दिए कि पंचायत भवन का सुचारू रूप से क्रियान्वयन करेंगे। ज्ञान केंद्र में बच्चों की उपस्थिति दर्ज करेंगे। सरकार आपके द्वारा से प्राप्त आवेदनों का नियमानुसार निष्पादन करेंगे ।मनरेगा के तहत कनीय अभियंता एवं सहायक अभियंता को पोषण वाटिका के लिए स्थल चयन करने को कहा गया ।मनरेगा अंतर्गत प्रति ग्राम कम से कम 5 योजनाओं का क्रियान्वयन करने एवं मानव दिवस सृजन का निदेश ग्राम रोजगार सेवक, पंचायत सचिव एवं कनीय अभियंता को निर्देश दिए। अबुआ आवास एवं पीएम आवास योजना अंतर्गत चल रहे सभी लंबित आवासों को जल्द से जल्द पूर्ण करने को बात कही गई। बैठक में प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी मनरेगा रवि शंकर, बीपीआरओ सियाराम सिंह, सहायक अभियंता चितरंजन कुमार, प्रखंड समन्वयक रवि कुमार, शशि कुमार यादव, सभी कनीय अभियंता, पंचायत सचिव, रोजगार सेवक, जनसेवक, बीएफटी एवं प्रखंड के कर्मी मौजूद रहे।

आपदाओं में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर आमजन को किया गया जागरूक

● विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

राष्ट्रीय खबर

चतरा: विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर आज जिले में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस वर्ष की थीम (आपातकाल में मानसिक स्वास्थ्य) को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन को मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों के प्रति जागरूक करना तथा आपदाओं एवं आपात स्थितियों में मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने पर बल देना रहा। इस अवसर पर सदर अस्पताल चतरा में जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश, सिविल सर्जन, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार (ऊछरअ), प्राचार्य चतरा कॉलेज एवं सदर अस्पताल के उपाधीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया।

मौके पर जिला कार्यक्रम प्रबंधक, जिला लेखा प्रबंधक, जिला एनसीडी कार्यालय के स्वास्थ्य कर्मी एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत प्रभात फेरी से हुई, जिसे सिविल सर्जन एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

अपने संबोधन में माननीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री शंभू लाल साव ने मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अक्सर ग्रामीण एवं शहरी समाज में मानसिक स्वास्थ्य से पीड़ित व्यक्तियों को असामान्य व्यवहार के आधार पर अलग-अलग नामों से संबोधित किया जाता है, जिससे उनकी स्थिति और गंभीर हो जाती है।

टिकट काउंटर पर यात्रियों से लिए जाते हैं ज्यादा पैसे

राष्ट्रीय खबर

झुमरीतिलैया: अगर आप पढ़े लिखे हैं तब आपके साथ सब चीज ठीक होगा। यह थोड़ी देर के लिए रेलवे टिकट काउंटर के संबंध में कहना जायज प्रतीत होता है। और अगर आप अनपढ़ हैं कम पढ़े लिखे हैं तब टिकट काउंटर पर आपकी जेब कटनी तय है। ताजा मामला गुरुवार की रात कोडरमा रेलवे स्टेशन के टिकट काउंटर का है, जहां टिकट काटने वाले क्लर्क राजेश कुमार के द्वारा कई यात्रियों का टिकट काटने के बदले ज्यादा पैसे लिए गए। कई यात्रियों के टिकट रिफंड करने पर उनसे निर्धारित शुल्क के अलावा ज्यादा पैसे काटे गए। यह कोई पहला मामला नहीं है यहां अक्सर ऐसा होते रहता है। यात्रियों से जब पूछा गया तब उन्होंने बताया कि उन्हें इस बारे में नहीं पता। जो टिकट रिफंड किये हैं उसके बदले हमें कम पैसे मिले हैं। इस संबंध में जब टिकट काटने वाले क्लर्क से बातचीत की गई तो उन्होंने स्वीकार किया कि कभी-कभी ऐसा हो जाता है, अक्सर नहीं। उन्होंने बताया कि एक ऑनलाइन टिकट रिफंड करने के चक्कर में उन्हें अपने घर से 335 रुपये का घाटा हो गया है। वे बाद में इसे एडजस्ट करेंगे। जब उनसे पूछा गया कि ऑनलाइन टिकट आपने कैश में क्यों रिफंड किया, तब उन्होंने बताया कि जल्दबाजी के कारण ऐसा हुआ है।

परसाबाद में अवैध आरा मील पर वन विभाग ने की छापेमारी

राष्ट्रीय खबर

कोडरमा: जिले के जयनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत परसाबाद में चल रहे अवैध आरा मील में वन विभाग ने छापेमारी करते हुए ध्वस्त किया है। वही मौके पर से वन विभाग की टीम ने 42 पीस पटरा लकड़ी, एक बोटा व मील की मशीनों को जप्त किया है। रेंजर रविंद्र कुमार ने बताया कि डीएफओ को गुप्त सूचना मिली थी कि परसाबाद में अवैध तरीके से एक आरा मिल संचालित किया जा रहा है। जिसके बाद जयनगर थाना पुलिस व वन विभाग टीम की सयुक्त रूप से टीम का गठन कर उक्त स्थान पर छापेमारी करते हुए भारी मात्रा में लकड़ी और मशीनों को जप्त किया है। बताया जा रहा कि आरा मिल परसाबाद निवासी प्रिंस कुमार संचालित कर रहा था। वहीं आगे की कार्रवाई की जा रही है। छापेमारी टीम में प्रभारी वनपाल अनिल कुमार साव, वनरक्षी अभिमन्यु कुमार, पिंटू पंडित, सुनील कुमार दास, देवनारायण दास, संतोष कुमार, अनिल कुमार व जयनगर थाना के पदाधिकारी व जवान शामिल थे।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

राष्ट्रीय खबर

कोडरमा: जिला विधिक सेवा प्राधिकार, कोडरमा, हेन्ड इन हेन्ड इंडिया, चिल्ड्रेन आफ इंडिया फाउंडेशन, लायंस क्लब, मारवाडी युवा मंच के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर हॉली फैमिली स्थित जीवोदया संस्थान में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा के सचिव गौतम कुमार ने कहा कि मानसिक रोगियों के साथ सहानुभूति पूर्वक व्यवहार करना चाहिए ताकि वे भी अपने आप को आम लोगो की तरह सरल व सहज समझ सके। उन्होने कहा कि मानसिक रोगियों को दवा से ज्यादा प्यार की जरूरत है।

मारवाडी युवा मंच के अध्यक्ष राहुल जैन ने कहा कि मानसिक दिव्यांगों को समाज की मुख्य धारा शामिल करने का प्रयास हम सबों को करनी चाहिए। लायंस क्लब कोडरमा के डिस्ट्रिक्ट चैयरपर्सन सुजीत कुमार अम्बष्ठा ने कहा कि मानसिक रोगियो के कारणो पर मंथन करने की जरूरत है। उन्होने मोबाइल और टीवी से दूर रहने की लोगो से अपील की। नोडल पदाधिकारी अर्चना ज्वाला ने कहा कि मानसिक रोगियो की सेवा कर जीवोदया ने समाज के सामने एक आदर्श प्रस्तुत किया है जिससे हमे प्रेरणा लेने की जरूरत है ।मारवाडी युवा मंच के संजय अग्रवाल ने कहा कि इस प्रकार का आयोजन मानसिक दिव्यांगो के मानसिक विकास के लिए अत्यंत लाभकारी साबित होगा। हैंन्ड इन हैंन्ड इंडिया के प्रोग्रम मैनेजर रूपेश कुमार ने कहा कि हमें एक दिन नहीं, बल्कि हमेशा जीवोदया आकर मानसिक रोगियों से प्रेम बांटने की जरूरत है।

नवाचार के क्षेत्र में ग्रिजली विद्यालय की नई उड़ान, मिली सफलता

राष्ट्रीय खबर

कोडरमा: तिलैया डैम स्थित ग्रिजली विद्यालय के छात्रों ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा और नवाचार क्षमता से विद्यालय तथा कोडरमा जिले का नाम रोशन किया है।

हाल ही में रास्पबेरी पाई फाउंडेशन, यूनाइटेड किंगडम (यूके) द्वारा आयोजित कूलस्ट प्रोजेक्ट्स इंडिया नामक राष्ट्रीय स्तर की नवाचार प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में देशभर से प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में शीर्ष तीन प्रदर्शन करने वालों को फेवरेट्स ऑफ जजेज के रूप में चयनित किया गया, जिसमें कक्षा 12 की छात्रा पूनम कुमारी ने हार्डवेयर श्रेणी में अपनी जगह सुनिश्चित की। विद्यालय की एक अन्य टीम ह्लसतर्क : द ड्राइवर मॉनिटरिंग सिस्टमह्व ने अपनी अभिनव प्रस्तुति से निर्णायकों को प्रभावित किया। इस टीम में मास्टर प्रिंस कुमार बर्णवाल, मास्टर तृजल राज, मास्टर शौर्य गुप्ता और मिस श्रुति कुमारी शामिल थे। उन्होंने आत्मविश्वास के साथ अपनी परियोजना प्रस्तुत की और पूनम के समकक्ष अंक प्राप्त किए।विद्यालय के सीईओ प्रकाश गुप्ता ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह केवल एक उपलब्धि नहीं, बल्कि हमारे विद्यार्थियों की कल्पनाशीलता, परिश्रम और नवाचार के प्रति समर्पण का प्रतीक है। प्रधानाचार्या अंजना कुमारी ने कहा कि हमारे विद्यार्थियों की सफलता हमारे संस्थान की गुणवत्ता, मार्गदर्शन और प्रेरणादायी शिक्षण प्रणाली का प्रतिफल है। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक द्वय मनीष कपिसमे और अविनाश सेठ, सीईओ प्रकाश गुप्ता, सीओओ तनीष्क सेठ, प्रधानाचार्या अंजना कुमारी, प्रशासक अशरफ खान, संयोजकगण विजय कुमार सिंह, जितेन्द्र चौधरी, बीडी नस्कर, अनुराग कुमार सिंह, शिल्पी भदानी और प्रीति जगनानी सहित कई मौजूद थे।

अभियान

नशामुक्त समाज के निर्माण को लेकर अवैध अफीम की खेती के खिलाफ चलाया जा रहा है सशक्त पूर्व खेती अभियान

राष्ट्रीय खबर

चतरा: अवैध अफीम की खेती पर नकेल कसने और जिले को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन चतरा द्वारा दिनांक 03 अक्टूबर से 17 अक्टूबर 2025 तक विशेष पूर्व खेती अभियान चलाया जा रहा है। इस व्यापक अभियान के तहत अफीम की अवैध खेती से प्रभावित क्षेत्रों में प्रशासनिक स्तर पर संगठित तरीके से जन-जागरूकता की मुहिम चलाई जा रही है, ताकि आगामी फसली वर्ष में इस अवैध खेती को पूरी तरह रोका जा सके।

इस अभियान के तहत ग्रामीणों को (नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस एक्ट) सहित अन्य कानूनी एवं दाण्डिक प्रावधानों की जानकारी दी जा रही है। लोगों को बताया जा रहा है कि अफीम की अवैध खेती न केवल एक गंभीर अपराध है बल्कि यह समाज के स्वास्थ्य और सामाजिक ताने-बाने को गहराई से प्रभावित करता है। नशे की लत व्यक्ति, परिवार और समाज को खोखला कर देती है, इसी वजह से प्रशासन ने इसे रोकने के लिए जन-जागरूकता को हथियार बनाया है।

उपायुक्त कीर्तिश्री के निदेर्शानुसार और जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी चतरा शकील अहमद के आदेशानुसार पूरे जिले में यह अभियान रोस्टर के अनुसार चरणबद्ध तरीके से संचालित किया जा रहा है। नुक्कड़ नाटक, गीत-नाट्य, पंपलेट, बैनर और जन संवाद के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक किया जा रहा है।

अभियान के तहत नुक्कड़ नाटक और गीत नाट्य की शुरूआत 8 अक्टूबर से की गई, जिसके तहत कुन्दा, गिद्धौर और कान्हाचट्टी प्रखंडों में नुक्कड़ नाटकों के जरिए लोगों को अवैध अफीम की खेती के कानूनी और सामाजिक दुष्परिणामों से अवगत कराया गया। कुन्दा प्रखंड के ककहिया, कुसुम्हा, सरजामातु और लपूगढ़ा जैसे ग्रामों में हुए कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। गिद्धौर प्रखंड के मंझगावा, गिद्धौर, सलगा, पहरा और बारीयातु पंचायतों में भी जनजागरूकता अभियान का असर स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। कान्हाचट्टी प्रखंड के पथेल, केन्दुआ सहोर, डुमरिया और कोटाप ग्रामों में भी ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

इसी क्रम में प्रतापपुर प्रखंड में 9 अक्टूबर से अभियान की शुरूआत की गई। योगिडीह पंचायत के महकमपुर और योगिडीह ग्रामों में कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को कानूनी जानकारी के साथ वैकल्पिक खेती के विकल्पों से भी अवगत कराया गया। अगले चरण में चंद्रीगोविन्दपुर, घोड़दौड़, सिजुआ और मोनिया पंचायतों में 10 से 14 अक्टूबर तक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी प्रकार लावालौंग प्रखंड में सिलदाग पंचायत से 9 अक्टूबर को शुरूआत हुई।

जनता दरबार में डीसी आमजन की समस्याओं से हुए अवगत

राष्ट्रीय खबर

कोडरमा: जनता दरबार में शुक्रवार को उपायुक्त ऋतुराज आमजनों की समस्याओं से रूबरू हुए। जनता दरबार में नागरिकों ने अपनी विभिन्न व्यक्तिगत एवं सामुदायिक समस्याएं उपायुक्त के समक्ष प्रस्तुत कीं।

जनता दरबार में गलत तरीके से जमीन की बिक्री कर पैसे का ठगी करने, जमीन विवाद, मालगुजरी रसीद काटने, रसीद निर्गत करने, सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा, जमीन पर जबरन कब्जा करने समेत अन्य शिकायतें शामिल हैं। उपायुक्त ऋतुराज ने सभी आवेदकों की समस्याएं बारी-बारी से गंभीरतापूर्वक सुनी और संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को त्वरित एवं निष्पक्ष कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया।

फुटबॉल टूनार्मेंट का फाइनल मुकाबला कल

राष्ट्रीय खबर

मरकच्चो: प्रखंड के विचारिया नई टांड़ मैदान में न्यू सपोर्टिंग क्लब तेलोडीह के तत्वाधान मे चल रहे फुटबॉल टूनार्मेंट का फाइनल मुकाबला रविवार को धनबाद बनाम गोमिया के बीच खेला जाएगा। आयोजन समिति की ओर से मैच को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। मैदान की सजावट से लेकर खिलाड़ियों के स्वागत तक की तैयारी अंतिम चरण में है। दर्शकों में फाइनल मुकाबले को लेकर काफी उत्साह देखा जा रहा है। समिति के सदस्यों ने बताया कि विजेता टीम एवं उपविजेता टीम को आकर्षक पुरस्कार दिया जाएगा। समिति के अध्यक्ष संजय सिंह, सचिव रोहित सिंह, कोषाध्यक्ष प्रदीप राम, व्यवस्थापक मनिंदर राम, एम चन्द्रा ने बताया कि फुटबॉल फाईनल मैच मे मुख्य अतिथि के रूप मे जिप अध्यक्ष रामधन यादव व विशिष्ट अतिथि पूर्व जिप अध्यक्ष शालिनी गुप्ता, तुसार राय जिला खेल पदाधिकारी के अलावे खेल प्रेमी, समाजसेवी व जनप्रतिनिधि मौजूद रहेंगे।

क्लच शतरंज लीजेंड्स के दूसरे दिन भी भारत का भाग्य खराब

कास्पारोव ने आनंद से पांच अंकों की बढ़त ली

- अंतिम दिन अभी 12 अंक दांव पर
- भारतीय ग्रैंड मास्टर ने मौका गंवाया
- बढ़त पर होने के बाद भी मौका चूक गये

राष्ट्रीय खबर

सेंट लुइस: जीएम विश्वनाथन आनंद के पास जीत की स्थिति में एक मिनट से ज्यादा का समय था, लेकिन वे जीएम गैरी कास्परोव से समय पर हार गए। 2025 क्लच शतरंज लीजेंड्स के दूसरे दिन की शुरूआत इस भारतीय दिग्गज के लिए सबसे खराब रही। कास्परोव ने दबदबा बनाया और एक और गेम जीत लिया, जब आनंद ने 17वीं चाल में एक गोटी गलती कर दी। कास्परोव 8.5-3.5 से आगे हैं, लेकिन रोमांच बना हुआ है, क्योंकि अंतिम दिन अभी भी 12 अंक दांव पर हैं। तीसरा दिन, जिसमें अंतिम दो रैपिड और ब्लिट्ज गेम शामिल हैं, शुक्रवार, 10 अक्टूबर को दोपहर 1 बजे शुरू होगा। कास्परोव क्लच शतरंज: द लीजेंड्स के दूसरे दिन एक अंक की बढ़त के साथ आए थे, लेकिन आनंद दिन के पहले गेम के बाद आसानी से बढ़त बना सकते थे।

यह शुरूआत से ही एक दिलचस्प खेल था और एक चाल ने कास्परोव को पूरी तरह से चौंका दिया और उन्हें छह मिनट के लिए सोचने पर मजबूर कर दिया। उसके बाद काफी देर तक खेल धीमा और सममित रहा, और बाद में कास्परोव ने अफसोस जताया। उन्होंने कहा, मैंने सममित खेला। मुझे कहना होगा कि यह मेरी सबसे कम पसंदीदा स्थिति है।

तनातनी भारत पाकिस्तान के बिगड़े संबंधों का क्रिकेट विवाद अब भी जारी

मोहसिन नकवी ने ट्राफी को कार्यालय में बंद किया

- लोगों को हिदायत भी दी गयी है
- भारतीय टीम से उनसे ट्राफी नहीं ली
- पाकिस्तान के प्रभावशाली मंत्री भी हैं

राष्ट्रीय खबर

दुबई: एशिया कप ट्रॉफी को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच तनातनी खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। पिछले महीने भारत की पाकिस्तान पर शानदार जीत के साथ समाप्त हुए इस टूनामेंट की खबरें हफ्तों बाद भी सुर्खियों में बनी हुई हैं। यह एशिया कप ट्रॉफी, जिसे फाइनल में पाकिस्तान पर जीत के बाद विजयी भारतीय टीम को सौंप दिया जाना चाहिए था, वह अभी भी दुबई में एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) मुख्यालय के अंदर बंद है। यह सब एसीसी के अध्यक्ष और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के प्रमुख मोहसिन नकवी के सख्त निदेशों पर किया गया है। जो व्यक्ति पाकिस्तान के आंतरिक मंत्री भी हैं, नकवी ने कथित तौर पर 28 सितंबर को हुए मैच के बाद पुरस्कार समारोह के दौरान जब भारतीय टीम ने उनसे ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया, तो वह खुद ही ट्रॉफी को प्रेजेंटेशन स्टेज से उठाकर ले गए थे। पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद से ही भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव पहले से ही ज्यादा था, और इस टूनामेंट में दोनों देशों के बीच कूटनीतिक खेल भावना में एक महत्वपूर्ण दरार देखने को मिली थी।

नकवी के करीबी एक सूत्र ने बताया, आज की तारीख में, ट्रॉफी अभी भी दुबई में एसीसी कार्यालयों में है, जिसमें नकवी के स्पष्ट निर्देश हैं कि इसे उनकी मंजूरी और व्यक्तिगत उपस्थिति के बिना किसी को भी नहीं सौंपा जाएगा और न ही हिलाया जाएगा। सूत्र ने आगे कहा, नकवी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि ट्रॉफी केवल वही व्यक्तिगत रूप से भारतीय टीम या बीसीसीआई को सौंपेंगे, (जब भी ऐसा होगा)। इस घटना ने टूनामेंट के आसपास के पहले से ही तनावपूर्ण माहौल को और गहरा कर दिया है, जो पूरे समय भारत-पाक शत्रुता से प्रभावित रहा था। इस आयोजन के दौरान भारतीय खिलाड़ियों ने अपने पाकिस्तानी समकक्षों के साथ हाथ मिलाने से स्पष्ट रूप से परहेज किया था, और दोनों पक्षों ने मैदान पर खुले तौर पर राजनीतिक इशारे किए थे।

नकवी ने स्वयं टूनामेंट के दौरान सोशल मीडिया पर राजनीतिक रूप से विवादास्पद टिप्पणियाँ करके और विवाद खड़ा कर दिया था, जिस पर बीसीसीआई ने कथित तौर पर कड़ी आपत्ति जताई है। बीसीसीआई या किसी भी भारतीय प्रतिनिधि को इसे औपचारिक रूप से स्वीकार करने की अनुमति दिए बिना ट्रॉफी को शारीरिक रूप से मंच से हटाने का उनका निर्णय एक कूटनीतिक और क्रिकेटिंग गतिरोध का कारण बन गया है।

खेल जगत अपडेट्स

आईपीएल 2026 की तैयारी और नीलामी की संभावना

नईदिल्ली: दुनिया की सबसे बड़ी और लोकप्रिय टी20 लीग, इंडियन प्रीमियर लीग के 2026 संस्करण की तैयारियां अभी से शुरू हो चुकी हैं। ताजा खबरों के मुताबिक, आईपीएल 2026 की मेगा नीलामी दिसंबर के दूसरे हफ्ते में आयोजित की जा सकती है। यह नीलामी टीमों के लिए अपने स्क्वॉड को नए सिरे से तैयार करने का एक बड़ा मौका होगी। इससे पहले, सभी 10 फ्रेंचाइजी टीमों को 15 नवंबर तक अपनी रिटेंशन लिस्ट (जिन खिलाड़ियों को वे अगले सीजन के लिए अपने पास रखना चाहते हैं) सौंपनी होगी। इस बार नीलामी में कई बड़े और नए खिलाड़ियों पर बोली लगेगी, जिससे टीमों की संरचना में बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं। टीमों के बीच रणनीतिक जंग शुरू हो चुकी है, जहां उन्हें तय करना होगा कि किन अनुभवी खिलाड़ियों को रिटेन करना है और किन नए टैलेंट पर दांव लगाना है। इस नीलामी से पहले ट्रेड विंडो भी खुल सकती है, जो टीमों को खिलाड़ियों की अदला-बदली का मौका देगी।

शुभमन गिल को बधाई: 6 मैचों का सिलसिला टूटा

नई दिल्ली: वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के टॉस के बाद भारतीय ड्रेसिंग रूम में एक खास पल देखने को मिला, जब कप्तान शुभमन गिल को उनके साथी खिलाड़ियों ने बधाई दी। यह बधाई इसलिए खास थी, क्योंकि इससे छह मैचों का वह सिलसिला टूट गया था, जब भारतीय कप्तान टॉस हार रहे थे। लगातार टॉस हारना अक्सर टीमों पर मानसिक दबाव डालता है, इसलिए इस बार टॉस जीतना टीम के लिए एक छोटा लेकिन सकारात्मक संकेत था। शुभमन गिल के लिए यह कप्तानी का शुरूआती चरण है, और इस तरह की छोटी जीतें टीम के माहौल को हल्का और खुशनुमा बनाती हैं। टॉस जीतकर गिल ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया, जो आमतौर पर दिल्ली की पिच पर एक अच्छा फैसला माना जाता है। इस जीत ने टीम को खेल की शुरुआत में ही मनोवैज्ञानिक बढ़त दिलाई।

न्यूज फटाफट

ऋषभ पंत की रणजी ट्रॉफी से वापसी की संभावना

नई दिल्ली: टीम इंडिया के स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत के फैंस के लिए एक बड़ी और अच्छी खबर है। पिछले साल एक कार दुर्घटना में घायल होने के बाद से मैदान से दूर चल रहे पंत अब वापसी के बेहद करीब हैं। खबरों के अनुसार, अगर वह अपना फिटनेस टेस्ट सफलतापूर्वक पास कर लेते हैं, तो वह 25 अक्टूबर से शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी 2025-26 के दूसरे राउंड में दिल्ली टीम के लिए खेलते हुए दिख सकते हैं। यह वापसी न केवल उनके व्यक्तिगत करियर के लिए महत्वपूर्ण होगी, बल्कि इससे भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और चयनकर्ताओं को भी उनके फॉर्म और फिटनेस का आकलन करने का मौका मिलेगा। रणजी ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन उन्हें जल्द ही साउथ अफ्रीका टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम में जगह दिलाने में मदद कर सकता है। पंत की आक्रामक बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग स्किल्स को देखने के लिए क्रिकेट जगत बेसब्री से इंतजार कर रहा है।

वेस्टइंडीज के खिलाड़ी काली पट्टी बांधकर मैदान में उतर

नई दिल्ली: दिल्ली टेस्ट में भारत के खिलाफ खेलते हुए वेस्टइंडीज के खिलाड़ी काली पट्टी बांधकर मैदान पर उतरे थे। यह दृश्य देखने के बाद कई फैंस के मन में सवाल उठा कि आखिर इस विशेष अवसर पर टीम ने ऐसा क्यों किया। बाद में, यह बात सामने आई कि वेस्टइंडीज टीम ने यह काली पट्टी अपने देश या कैरेबियन क्रिकेट जगत के किसी दिवंगत महान व्यक्ति, पूर्व खिलाड़ी या कोच को श्रद्धांजलि देने के लिए पहनी थी। काली पट्टी बांधना खेल जगत में शोक और सम्मान व्यक्त करने का एक पारंपरिक तरीका है। यह कदम दर्शाता है कि भले ही खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रतिस्पर्धा कर रहे हों, लेकिन वे अपने क्रिकेट समुदाय के प्रति गहरा सम्मान और भावनात्मक जुड़ाव रखते हैं। यह एक मार्मिक इशारा था जिसने खेल भावना के महत्व को रेखांकित किया।

विश्व कप फुटबॉल के प्रारंभिक दौर में चौथा अफ्रीका देश

अल्जीरिया ने अगले साल के लिए क्वालीफाई किया

- सोमालिया की टीम को 3-0 से हराया
- वाशिंगटन डी.सी. में होगी इसका ड्रा
- फुटबॉल जगत में अफ्रीका का दबदबा बढ़ा

राष्ट्रीय खबर

बिर एल जिर, अल्जीरिया : अल्जीरिया 2026 विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने वाला चौथा अफ्रीकी देश बन गया है-और ये सभी देश महाद्वीप के उत्तर भाग से हैं। गुरुवार को सोमालिया पर 3-0 की जीत ने अल्जीरिया को अफ्रीकी क्वालीफाइंग के ग्रुप जी में पहला स्थान सुनिश्चित कर दिया, जिससे वे 2014 के बाद पहली बार विश्व कप में वापसी कर रहे हैं। रियाद महरेज की कप्तानी में और स्विट्जरलैंड के पूर्व कोच व्लादिमीर पेटकोविच के मार्गदर्शन में, अल्जीरिया ने पड़ोसी देशों मोरक्को और ट्यूनीशिया के साथ-साथ मोहम्मद सलाह के मिस्र की टीमों को भी इस सूची में शामिल कर लिया है, जिन्होंने अगले साल अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले विस्तारित 48 टीमों के टूनामेंट में अपनी जगह पक्की कर ली है। यह अल्जीरियाई टीम के लिए विश्व कप में पाँचवाँ मौका होगा। वे सिर्फ एक बार ग्रुप चरण से आगे बढ़े हैं-2014 में, जब वे राउंड ऑफ 16 में जर्मनी से हार गए थे।

कुल नौ अफ्रीकी टीमें सीधे क्वालीफाई करेंगी और 5 दिसंबर को वाशिंगटन डी.सी. में होने वाले विश्व कप टूनामेंट ड्रॉ में शामिल होंगी। बाकी पाँच ग्रुप विजेताओं का फैसला अगले सप्ताह में हो जाएगा। चार सर्वश्रेष्ठ उपविजेता नवंबर में एक नॉकआउट प्रतियोगिता खेलेंगे, और विजेता प्लेऑफ में जाएगा।

सोमालिया का घरेलू मैच होने के बावजूद, यह अल्जीरिया के मिलौद हदेफी ओलंपिक कॉम्प्लेक्स में आयोजित किया गया था, और प्रशंसकों को महरेज का शानदार खेल देखने को मिला। टीम के यह स्टार विंगर, जो पहले मैनचेस्टर सिटी के लिए खेलते थे और अब सऊदी अरब के अल अहली में हैं, ने बेहतरीन प्रदर्शन किया।

जसप्रीत बुमराह ने रचा इतिहास

राष्ट्रीय खबर

नईदिल्ली: भारतीय टीम के प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने हाल ही में एक शानदार उपलब्धि हासिल करते हुए इतिहास रच दिया है। उन्होंने अपने करियर में एक ऐसा कीर्तिमान स्थापित किया है जिसके बाद वह भारतीय तेज गेंदबाजों की लिस्ट में एक खास मुकाम पर आ गए हैं। बुमराह अपनी सटीक यॉर्कर्स, तेज गति और अप्रत्याशित एक्शन के लिए जाने जाते हैं। यह उपलब्धि उनकी कड़ी मेहनत, निरंतरता और तीनों प्रारूपों में उनके जबरदस्त प्रभाव का प्रमाण है। इस रिकॉर्ड के साथ ही, उन्हें अब भारतीय क्रिकेट इतिहास में कपिल देव, जवागल श्रीनाथ जैसे महान तेज गेंदबाजों के साथ गिना जा रहा है। बुमराह का यह प्रदर्शन बताता है कि वह सिर्फ वर्तमान के नहीं, बल्कि भविष्य के भी एक बड़े मैच विनर हैं, और भारतीय टीम की सफलता में उनकी भूमिका अमूल्य है।

कंट्रोवर्सी का नहीं पड़ता दीपिका पादुकोण को फर्क, बोलीं-

बस मां होने की ड्यूटी निभाना चाहती हूं

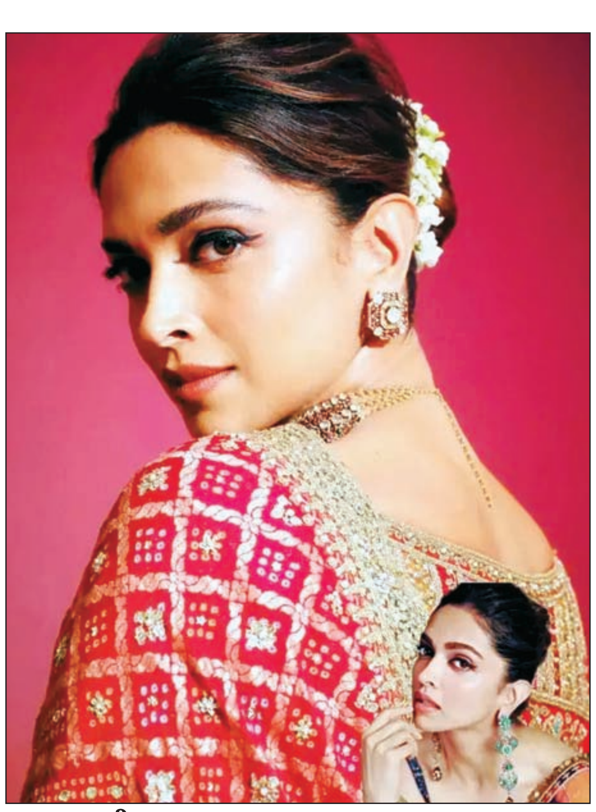

राष्ट्रीय खबर

नई दिल्ली : दीपिका पादुकोण इस साल दो बड़ी फिल्मों से बाहर हुई थीं जिसके लिए उन्हें काफी ट्रोल किया गया था। अब एक्ट्रेस ने सभी ट्रोल्स को जवाब देते हुए साफ किया कि उन्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।साल 2025 एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण के लिए काफी मुश्किलों से भरा रहा। पिछले कुछ वक्त में उनके प्रोफेशनलिजम पर कई सारे सवाल उठाए गए हैं। एक्ट्रेस की डिमांड्स को लेकर भी बहुत विवाद रहा, जिसके कारण उन्हें फिल्मों से भी हाथ धोना पड़ा। दीपिका, संदीप रेड्डी वांगा की 'स्पिरिट' और नाग अश्विन की 'कल्कि 2' से बाहर हुईं।

कॉन्ट्रोवर्सीज में घिरीं दीपिका, कैसे खुद को संभालती हैं?

इंडियन फिल्म इंडस्ट्री की दो बड़ी फिल्मों से बाहर होने पर दीपिका पादुकोण को काफी ट्रोल किया गया। कई लोगों ने उनकी डिमांड्स को मनमानी का नाम दिया। तो कुछ लोगों ने उनका साथ भी दिया। अब एक्ट्रेस ने अपनी कॉन्ट्रोवर्सीज पर बात करते हुए साफ किया है कि उन्हें लोगों की ट्रोलिंग और गालियों से कोई फर्क नहीं पड़ता है। उनका फोकस मां बनकर बेटी को पालने पर है।इंडियन फिल्म इंडस्ट्री की दो बड़ी फिल्मों से बाहर होने पर दीपिका पादुकोण को काफी ट्रोल किया गया। कई लोगों ने उनकी डिमांड्स को मनमानी का नाम दिया। तो कुछ लोगों ने उनका साथ भी दिया। अब एक्ट्रेस ने अपनी कॉन्ट्रोवर्सीज पर बात करते हुए साफ किया है कि उन्हें लोगों की ट्रोलिंग और गालियों से कोई फर्क नहीं पड़ता है। उनका फोकस मां बनकर बेटी को पालने पर है।

गोविंदा ने करवा चौथ पर दिया ऐसा गिफ्ट

सुनीता आहूजा की खुशी का नहीं रहा ठिकाना

राष्ट्रीय खबर

नई दिल्ली : करवा चौथ के मौके पर सभी आज अपने पति के साथ इस खास त्योहार को सेलिब्रेट कर रहे हैं। सभी औरतों ने अपने पति के लिए फास्ट रखा है। सुनीता आहूजा और गविंदा जिनके रिलेशन के बीच अनबन की खबरें आ रही हैं, अब सुनीता ने करवा चौथ के मौके पर गोविंदा को लेकर पोस्ट किया है। उन्होंने अपने करवा चौथ का गिफ्ट भी दिखाया है।सुनीता ने फोटो शेयर की है जिसमें उनके गले में सोने का बड़ा हार पहना हुआ है। सुनीता के चेहरे पर हार की खुशी साफ नजर आ रही फोटो शेयर कर सुनीता ने लिखा, सोना कितना है सोना है। गोविंदा...मेरा करवा चौथ गिफ्ट आ गया। इस पोस्ट पर सभी सुनीता की तारीफ कर रहे हैं। कुछ दिनों पहले खबर आई कि दोनों का तलाक होने वाला है। सुनीता ने कोर्ट में तलाक की अर्जी डाल दी है। हालांकि बाद में दोनों ने इन खबरों को गलत बताया। यहां तक की गणेश चतुर्थी के मौके पर दोनों पैपराजी के सामने साथ में आए और फोटोज क्लिक करवाईं। इतना ही नहीं सुनीता ने खुद कहा कि अगर ये सच होता तो क्या हम ऐसे चिपक कर फोटोज क्लिक करवाते।

गोविंदा और सुनीता ने 1987 में शादी की थी। दोनों के 2 बच्चे हैं टीना आहूजा और यशवर्धन आहूजा। हाल ही में अपने एक यूट्यूब वीडियो के दौरान सुनीता ने कहा था कि अगर कोई हमें अलग करने की कोशिश करेगा तो माता रानी उसे छोड़ेगी नहीं।

गोविंदा की प्रोफेशनल लाइफ की बात करें तो वह काफी समय से फिल्मों से दूर हैं।

आखिर कितनी संपत्ति की मालकिन है बॉलीवुड क्वीन रेखा?

राष्ट्रीय खबर

नई दिल्ली : आज, 10 अक्टूबर को बॉलीवुड की एवरग्रीन रेखा का जन्मदिन है। फिल्मों और ब्रांड एंडोर्समेंट्स से करोड़ों कमाने वाली इस ऐक्ट्रेस की लाइफस्टाइल बेहद भव्य है। उनके पास लग्जरी कारों, महंगी साड़ियों और गहनों का कलेक्शन है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि उनके इस शोहरत और दौलत के पीछे क्या राज छुपा है? मुंबई के बांद्रा में उनका 100 करोड़ का बंगला और सालाना लाखों की कमाई सिर्फ एक शुरूआत है। उनके फैन्स के लिए यह सिर्फ जन्मदिन नहीं, बल्कि उनकी शाही जिंदगी और अनकही कहानियों का रहस्य जानने का मौका है। आखिर कितनी संपत्ति की मालकिन है बॉलीवुड क्वीन रेखा। बॉलीवुड की एवरग्रीन ऐक्ट्रेस रेखा की खूबसूरती और अदाकारी का हर कोई दीवाना है। उन्होंने 200 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। अपनी खूबसूरती,आकर्षण, नजाकत और शान-शौकत से आज लाखों लोगों के दिलों पर वो राज कर रही है।

भारतीय सिनेमा में अपनी शानदार योगदान,बोल्ड और जोशीले इंटरव्यूज और सार्वजनिक रूप से अपनी उपस्थिति के मामले में भी रेखा अपने समय से हमेशा आगे रहीं है।आज ही के दिन, 10 अक्टूबर 1954 को उनका जन्म मद्रास में साउथ इंडिया के ऐक्टर जेमिनी गणेशन और पुष्पावल्ली के घर में हुआ था।

असल में उनका पूरा नाम भानुरेखा गणेशन है, जिसे उन्होंने छोटा कर के सिर्फ रेखा रखा अपने स्टेज नेम के लिए। तमिल पिता और तेलुगु माता के घर जन्मी रेखा तामिल और तेलुगु दोनों भाषाओं में पारंगत है। भारत की सबसे बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक मानी जाने वाली रेखा ने 1966 में एक बाल कलाकार के रूप में अपने करियर की शुरूआत की और 1970 के दशक की शुरूआत में मुख्य भूमिकाओं में नजर आने लगीं। रेखा के पास ऑडी ए8, मर्सिडीज-बेंज एस-क्लास, रोल्स रॉयस घोस्ट और बीएमडब्ल्यू 17 जैसी कई शानदार लग्जरी कारों का कलेक्शन हैं। जैसा कि उनकी कई सार्वजनिक प्रस्तुतियों में देखा जा चुका है, सिलसिला की ऐक्ट्रेस के पास कई खूबसूरत कांजीवरम साड़ियां और शानदार गहने का कलेक्शन हैं। वही, अपनी फिल्मी दौर की सबसे लोकप्रिय ऐक्ट्रेस में से एक होने के नाते, वह एक फिल्म के लिए लगभग 14 करोड़ रुपये चार्ज करती थी । रेखा अपने ब्रांड एंडोर्समेंट्स और लोगों के सामने आने के लिए करीब 6 करोड़ रुपये चार्ज करती हैं।

प्रदेश >> अपडेट

मां का शव ले-जा रहे बेटे सहित 3 की मौत

हिसार: हरियाणा के रोहतक जिले में शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। गांव खरकड़ा के पास 152डी फ्लाईओवर पर एक तेज रफ्तार कार सड़क किनारे खड़े ट्रक से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतकों की पहचान 24 वर्षीय कीरत पुत्र सुरेंद्र, 61 वर्षीय कृष्णा पत्नी रामधन, निवासी गांव भागखेड़ा (जिला जींद) और 27 वर्षीय सचिन पुत्र दलवीर, निवासी गांव जागसी (जिला सोनीपत) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार सभी लोग जयपुर से अपने एक रिश्तेदार का शव लेकर गांव लौट रहे थे कि रास्ते में यह हादसा हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बड़ी मशक्कत के बाद कार में फंसे शवों को बाहर निकाला। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, वहीं घायल को गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

शॉर्ट न्यूज अपडेट्स >>

जेनरेशन जेड ने राष्ट्रपति से इस्तीफा मांगा

अंटानानारिवो: मेडागास्कर की राजधानी अंटानानारिवो में गुरुवार को लगभग 1,000 प्रदर्शनकारियों ने मार्च किया और पुलिस के साथ उनकी झड़प हुई, जिसने उन्हें शहर के कुछ हिस्सों में तितर-बितर करने के लिए आँसू गैस और स्टन ग्रेनेड का इस्तेमाल किया। यह हिंसा हिंद महासागर के इस द्वीप राष्ट्र में वर्षों में हुए सबसे महत्वपूर्ण अशांति का तीसरा सप्ताह है। पुलिस को बख्तरबंद कारों में अंटानानारिवो की सड़कों पर गश्त करते और प्रदर्शनकारियों, जिनमें से अधिकांश ने मास्क पहने हुए थे, पर चार्ज करते हुए देखा गया। तत्काल यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि कोई घायल हुआ है या नहीं। जनरेशन जी मेडागास्कर नामक एक समूह के नेतृत्व में हो रहे ये विरोध प्रदर्शन, ऐसे प्रदर्शनों की नवीनतम श्रृंखला है जिसके बारे में संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि इसमें अब तक 22 लोग मारे गए हैं और दर्जनों घायल हुए हैं। हालांकि, सरकार इस संख्या पर विवाद करती है। विरोध प्रदर्शनों की शुरुआत सबसे पहले पानी और बिजली कटौती के कारण हुई थी, लेकिन जल्द ही यह भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद के आरोपों से उपजी निराशाओं को शामिल करने के लिए बढ़ गया। विरोध प्रदर्शनों के कारण मेडागास्कर के राष्ट्रपति एंड्री राजोलीना को अपने पूरे मंत्रिमंडल को बर्खास्त करना पड़ा, लेकिन यह युवाओं को शांत करने में विफल रहा, जो अब उनसे इस्तीफा देने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने बुधवार को राजोलीना के साथ बातचीत के निमंत्रण को भी अस्वीकार कर दिया। महमासीना म्यूनिसिपल स्टेडियम के पास एनोसी और महमासीना जिलों में झड़पों के दौरान, प्रदर्शनकारियों ने सड़कों को पत्थरों और जलते टायरों से अवरुद्ध कर दिया। अधिकारियों ने पुलिस की निगरानी में एमबोहिजातोवो के डेमोक्रेसी स्क्वायर और आसपास के क्षेत्र में कारों के चलने पर प्रतिबंध लगा दिया। 51 वर्षीय राजोलीना को 2018 में राष्ट्रपति चुना गया था और 2023 में वह फिर से चुने गए थे, एक ऐसा चुनाव जिसका विपक्षी दलों ने बहिष्कार किया था। नवीनतम विरोध प्रदर्शनों में इसके सबसे प्रमुख प्रतीक के रूप में समुद्री डाकू की खोपड़ी और क्रॉस बोन्स की एक छवि प्रदर्शित की गई है, जिसे पिछले महीने नेपाल में युवा-नेतृत्व वाले विद्रोह और दुनिया भर के अन्य विरोध प्रदर्शनों में देखा गया था। अधिकारियों का कहना है कि प्रदर्शनों के दौरान लूटपाट भी हुई है। विरोध आंदोलन ने इंटरनेट के माध्यम से एकजुटता जुटाई है और प्रदर्शनकारियों का कहना है कि वे नेपाल और श्रीलंका में सरकारों को गिराने वाले प्रदर्शनों से प्रेरित थे।

ईंधन नाकाबंदी अल कायदा से जुड़े आतंकवादियों ने इलाके की घेराबंदी

माली में इस ईंधन नाकाबंदी से राजधानी प्रभावित

- सैन्य सरकार ने निवासियों को आश्वासन दिया है कि यह केवल एक अस्थायी समस्या है
- सभी ईंधन आपूर्ति सड़क मार्ग से देश में लाई जाती है

राष्ट्रीय खबर

बमाको: माली की राजधानी बमाको में पेट्रोल पंपों के चारों ओर लंबी कतारें लगी हुई हैं, एक महीने बाद अल-कायदा से जुड़े उग्रवादियों ने प्रमुख राजमार्गों पर टैंकरों पर हमला करके ईंधन नाकाबंदी लगा दी है। एक मोटरसाइकिल टैक्सी ड्राइवर ने बीबीसी को बताया, हमारा व्यवसाय ठप है, क्योंकि कई अन्य लोग बमाको में अराजक दृश्यों के बीच पेट्रोल लाइनों में शामिल होने के लिए अपने वाहनों को धकेल रहे थे।

कुछ गैरेज, जिन्हें पिछले सप्ताह बंद करने के लिए मजबूर किया गया था, जिससे शहर लकवाग्रस्त हो गया था, अब फिर से खुल गए हैं, जब मंगलवार को सेना के एस्कॉर्ट के तहत आइवरी कोस्ट से 300 से अधिक पेट्रोल टैंकर पहुँचे। सैन्य सरकार ने निवासियों को आश्वासन दिया है कि यह केवल एक अस्थायी समस्या है, लेकिन डर है कि नया स्टॉक जल्द ही खत्म हो जाएगा झ्र क्योंकि अन्य लोग मूल्य वृद्धि की शिकायत कर रहे हैं। अन्य शहर और क्षेत्र भी कई हफ्तों से ऐसी ही कमी, बिजली कटौती और ईंधन मुद्रास्फीति से पीड़ित हैं। मध्य शहर मोप्ती में एक विक्रेता ने मछली को ठंडा रखने की अपनी समस्याओं के बारे में बताया, मेरा व्यवसाय मर रहा है। माली एक स्थल-रुद्ध देश है, इसलिए सभी ईंधन आपूर्ति सेनेगल और आइवरी कोस्ट जैसे पड़ोसियों से सड़क मार्ग से देश में लाई जाती है।

जंटा (सैन्य सरकार) को पाँच साल पहले सत्ता पर कब्जा करने पर लोकप्रिय समर्थन मिला था, जिसने उत्तर में जातीय तुआरेग्स द्वारा शुरू किए गए अलगाववादी विद्रोह से प्रेरित लंबे समय से चले आ रहे सुरक्षा संकट से निपटने का वादा किया था, जिसे बाद में इस्लामी उग्रवादियों ने अपहरण कर लिया था।

संयुक्त राष्ट्र शांति सेना और फ्रांसीसी आतंकवाद-रोधी बल, जो 2013 में विद्रोह के मद्देनजर तैनात किए गए थे, अब जा चुके हैं और सैन्य सरकार ने इसके बजाय रूसी भाड़े के सैनिकों को काम पर रखा है। लेकिन जिहादी विद्रोह जारी है, और इसने देश के अधिकांश उत्तर और पूर्व को अशासनिक बना दिया है।

अल-कायदा से जुड़े जमात नुसरत अल-इस्लाम वाल-मुस्लिमिन द्वारा नवीनतम नाकाबंदी झ्र जिसमें ट्रकों पर घात लगाकर हमला किया गया है, कुछ को आग लगा दी गई है और ड्राइवरों का अपहरण कर लिया गया है झ्र अपने विद्रोह के भौगोलिक विस्तार की ओर इशारा करता है क्योंकि इसके लड़ाके माली को उसके पश्चिम और दक्षिण के पड़ोसियों से जोड़ने वाले राजमार्गों को निशाना बना रहे हैं। सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से साझा की गई छवियाँ बमाको में पेट्रोल पंपों पर घंटों इंतजार कर रहे लोगों की शोरगुल वाली लाइनों को उजागर करती हैं।

प्रधानमंत्री अब्दौलाय मैगा की अध्यक्षता में मंगलवार को एक संकट बैठक के बाद, वाणिज्य के उप महानिदेशक ने कहा कि एक कार्य योजना अपनाई गई है और, अन्य बातों के अलावा, गैरेज में राज्य-निर्धारित कीमतों का पालन सुनिश्चित करने के लिए टीमें भेजी जा रही हैं। सौमाइला जित्तेये ने कहा, स्थिति आने वाले दिनों में सुधरेगी, ईंधन परिवहन में शामिल लोगों को उनके बलिदान और देशभक्ति के लिए धन्यवाद दिया और सुरक्षा बलों को श्रद्धांजलि दी।

बताया गया है कि यह स्थिति बमाको में बिजली कटौती को भी बढ़ा रही है। एएफपी ने राज्य के स्वामित्व वाली बिजली फर्म के एक अधिकारी के हवाले से कहा कि कुछ क्षेत्रों में आपूर्ति को सामान्य 19 घंटे से घटाकर प्रतिदिन केवल छह घंटे कर दिया गया है।

इजरायली कैबिनेट ने युद्धविराम प्रस्ताव को मंजूरी दे दी

ट्रंप ने गाजा युद्ध समाप्त होने का एलान किया

राष्ट्रीय खबर

वाशिंगटन: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को दावा किया कि दो साल से चल रहा गाजा युद्ध समाप्त हो गया है और आश्वासन दिया कि हाल ही में हस्ताक्षरित गाजा युद्धविराम समझौते के पहले चरण के तहत बंधकों को सोमवार या मंगलवार को रिहा कर दिया जाएगा। कल रात, हम मध्य पूर्व में एक महत्वपूर्ण सफलता पर पहुँचे, जिसके बारे में लोगों का कहना था कि यह कभी नहीं होगा। हमने गाजा में युद्ध समाप्त कर दिया है, और मुझे लगता है कि यह एक स्थायी शांति होगी, उम्मीद है, एक शाश्वत शांति। हमने शेष सभी बंधकों की रिहाई सुनिश्चित कर ली है, और उन्हें सोमवार या मंगलवार को रिहा कर दिया जाना चाहिए। उन्हें रिहा करना एक जटिल प्रक्रिया है, उन्होंने कहा। मैं वहाँ जाने की कोशिश करूँगा। हम वहाँ पहुँचने की कोशिश करेंगे। हम समय पर, सटीक समय पर काम कर रहे हैं। हम मिस्र जाएँगे, जहाँ हम एक हस्ताक्षर करेंगे, एक अतिरिक्त हस्ताक्षर। मेरे प्रतिनिधित्व में एक हस्ताक्षर पहले ही हो चुका है, लेकिन हम एक आधिकारिक हस्ताक्षर करने जा रहे हैं, उन्होंने आगे कहा।

यह बयान नोबेल शांति पुरस्कार की घोषणा से एक दिन पहले आया है क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति सात और अब आठ युद्धों को समाप्त करने के लिए नोबेल पुरस्कार की मांग कर रहे हैं। इस बीच, हमास के एक वरिष्ठ अधिकारी ओसामा हमदान ने कहा कि आतंकवादी समूह ने गाजा प्रशासन की देखरेख के लिए एक अंतरिम शांति बोर्ड के ट्रम्प के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है, जिसके अध्यक्ष स्वयं अमेरिकी राष्ट्रपति होंगे।

भारतीय सेना फिर से पूर्ण सतर्कता की स्थिति में तैनात

सियालकोट में पाकिस्तानी टैकों की गतिविधि

राष्ट्रीय खबर

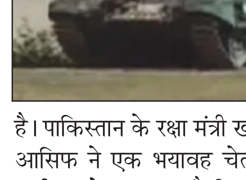

नईदिल्ली: भारत-पाकिस्तान सीमा पर सियालकोट सेक्टर के पास पाकिस्तानी सेना की असामान्य सैन्य गतिविधियों के कारण तनाव काफी बढ़ गया है। खुफिया रिपोर्टों ने नियंत्रण रेखा पर टैंकों की एक नई टुकड़ी और 19वीं कैवलरी रेजिमेंट की बख्तरबंद इकाइयों की तैनाती की पुष्टि की है, साथ ही सैन्य काफिले और रसद सामग्री को अग्रिम चौकियों की ओर ले जाया जा रहा है। यह असामान्य गतिविधि सीमा पार से सैन्य तैयारियों में भारी वृद्धि का संकेत है। सियालकोट का यह क्षेत्र ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह 1965 के युद्ध के दौरान द्वितीय विश्व युद्ध के बाद के सबसे बड़े टैंक युद्धों में से एक, चाविंडा की लड़ाई का केंद्र था। इस क्षेत्र में नवीनतम सैन्य गतिविधि इस्लामाबाद की बढ़ती आक्रामक बयानबाजी के बीच हुई है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक भयावह चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि भारत के साथ युद्ध की संभावनाएँ वास्तविक हैं और दावा किया कि पाकिस्तान भविष्य के किसी भी सशस्त्र संघर्ष में और भी बड़ी सफलता हासिल करेगा। एक उच्च पदस्थ अधिकारी के ये आक्रामक बयान सीमा पर टकराव की ओर उन्मुख एक खतरनाक मानसिकता को रेखांकित करते हैं। जवाबी कार्रवाई में, नई दिल्ली ने इन शारीरिक गतिविधियों और आक्रामक बयानबाजी, दोनों का जवाब कड़ी और स्पष्ट चेतावनी के साथ दिया है।

शहर में अस्पताल पर गोलाबारी से तेरह की मौत

राष्ट्रीय खबर

एल फाशेर: सूडान के घिरे हुए शहर एल-फाशेर में बचे हुए अंतिम अस्पतालों में से एक पर हमला होने के बाद कम से कम 13 लोग मारे गए हैं। एक डॉक्टर और एक नर्स सहित सोलह अन्य घायल हो गए, जब अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज ने मंगलवार रात को सऊदी अस्पताल पर कई बार गोलाबारी की, जैसा कि वहाँ के एक सूत्र ने बताया। सूडानी चिकित्सकों के एक समूह ने इस हमले को युद्ध अपराध करार दिया है। तस्वीरों में टूटी हुई खिड़कियाँ, छतों से आई दरारें, मिट्टी-ईंट की दीवार में एक बड़ा छेद और अस्पताल के बिस्तरों से मुड़ी हुई धातु फर्श पर बिखरी हुई दिखाई दी। आरएसएफ 17 महीने से अधिक समय से एल-फाशेर को घेर रहा है, जिससे लाखों लोग शहर में फँसे हुए हैं और भुखमरी का सामना कर रहे हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों से संपर्क के लिए भारतीय सिम कार्ड

पाकिस्तानी जासूसों के नये खेल का भंडाफोड़

राष्ट्रीय खबर

नईदिल्ली: केंद्रीय खुफिया एजेंसियों ने एक सनसनीखेज खुलासा किया है, जिसके अनुसार पाकिस्तान-स्थित जासूसों ने भारतीय सिम कार्डों का इस्तेमाल करते हुए जम्मू-कश्मीर और मथुरा में तैनात भारतीय सेना के कम से कम 75 जवानों से संपर्क साधा था। शुरूआती जाँच में पता चला है कि ये सिम कार्ड एक नेपाली नागरिक द्वारा कथित तौर पर भारत से तस्करी करके पाकिस्तान पहुँचाए गए थे। सुरक्षा एजेंसियों के लिए यह एक गंभीर चिंता का विषय है, क्योंकि इन पाकिस्तानी जासूसों ने मुख्य रूप से व्हाट्सएप के माध्यम से इन सैन्य कर्मियों के साथ संपर्क स्थापित किया और उनके साथ लगातार संपर्क में थे। इन सिम कार्डों के नेपाल के जरिए हासिल किया गया था। खुफिया एजेंसियों के उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तानी जासूस भारत में सक्रिय अपने एजेंटों के बजाय, सीधे इन भारतीय सिम कार्डों का उपयोग कर रहे थे ताकि अपनी पहचान और स्थान को छिपा सकें।

घोषणा हंगरी के लास्ज्लो क्रास्जनाहोरकाई को साहित्य का नोबेल पुरस्कार

उनकी रचनाओं पर पहले भी फिल्में बनायी जा चुकी है

राष्ट्रीय खबर

बुडापेस्ट: साहित्य का 2025 नोबेल पुरस्कार हंगरी के लेखक लास्ज्लो क्रास्जनाहोरकाई को प्रदान किया गया है। उन्होंने कहा कि उनके गहरे और कठिन उपन्यासों का उद्देश्य वास्तविकता की पागलपन की सीमा तक जाँच करना है। गुरुवार को स्टॉकहोम, स्वीडन में एक समारोह में इस पुरस्कार की घोषणा करते हुए, नोबेल समिति ने क्रास्जनाहोरकाई की प्रशंसा की उनके सम्मोहक और दूरदर्शी संपूर्ण साहित्यिक कृतियों के लिए, जो सर्वनाशकारी आतंक के बीच भी कला की शक्ति की पुष्टि करता है।

जब उनके केवल कुछ ही कार्यों का अंग्रेजी में अनुवाद हुआ था, तब साहित्यिक आलोचक जेम्स वुड ने लिखा था कि क्रास्जनाहोरकाई की किताबें एक समय दुर्लभ मुद्रा की तरह बांटी जाती थीं। तब से यह स्थिति बदल गई है, और नोबेल समिति ने कहा कि यह पुरस्कार उनके ऐसे साहित्यिक कार्यों को मान्यता देता है जिसने व्यापक प्रशंसा हासिल की है और जो बेतुकेपन और विकृत अतिरेक से चिह्नित हैं।

1954 में हंगरी के ग्युला में जन्मे झ्र हंगरी क्रांति से दो साल पहले, जिसका सोवियत संघ द्वारा क्रूर दमन किया गया था झ्र क्रास्जनाहोरकाई ने पहले कहा था कि वह एक ऐसी विकट परिस्थिति और देश में पले-बढ़े, जहाँ मुझ जैसा ऊँची सौंदर्य और नैतिक संवेदनशीलता से शापित व्यक्ति जीवित नहीं रह सकता।

दिवंगत अमेरिकी निबंधकार सुसान सोंटैग द्वारा सर्वनाश के समकालीन स्वामी कहे जाने वाले क्रास्जनाहोरकाई के उपन्यास झ्र जो अक्सर सिहरते हुए मध्य यूरोपीय गाँवों पर आधारित होते हैं झ्र एक ईश्वरहीन दुनिया में बिखरे प्रतीकों में अर्थ खोजने वाले कस्बे के निवासियों को दर्शाते हैं।

उनका एक चर्चित उपन्यास फासीवाद के उदय के लिए एक रूपक जैसा प्रतीत होता है, यह स्पष्ट नहीं है कि क्रास्जनाहोरकाई अपने पाठकों को इससे कोई सबक लेना चाहते हैं या नहीं। उनके उपन्यास अक्सर सीधे नैतिक समाधानों का विरोध करते हैं। इस वर्ष एक साक्षात्कार में, उन्होंने सीधे तौर पर कहा कि कला खोए हुए होने की भावना के प्रति मानवता की असाधारण प्रतिक्रिया है जो हमारा भाग्य है झ्र और यह, कोई मान सकता है, इस खोए हुए होने के साथ क्या करना है, इसके बारे में कोई सलाह नहीं है।

हंगेरियन निर्देशक बेला तार्र ने सैटनटैंगो पर 1994 में एक फिल्म बनाई थी, जिसके साथ क्रास्जनाहोरकाई ने विभिन्न पटकथाओं पर सहयोग किया है। इसके सात घंटे के चलने के समय के बावजूद, सोंटैग ने कहा कि फिल्म हर मिनट के लिए मंत्रमुग्ध कर देने वाली थी। समिति ने कहा कि उनके 2021 के काम हर्श्ट 07769 को देश की सामाजिक अशांति को चित्रित करने में उसकी सटीकता के कारण एक महान समकालीन जर्मन उपन्यास के रूप में सराहा गया है।

पेज एक का शेष

मारिया कोरिनो मचाडो को नोबल .. .. ..

के इस फैसले की आलोचना की कि उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बजाय वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिनो मचाडो को शांति पुरस्कार से सम्मानित किया। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता स्टीवन चेउंग ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, राष्ट्रपति ट्रम्प शांति समझौते करना, युद्ध समाप्त करना और जीवन बचाना जारी रखेंगे। उनके पास मानवतावादी का दिल है, और अपनी इच्छाशक्ति के दम पर पहाड़ों को हिलाने वाला उनके जैसा कोई दूसरा कभी नहीं होगा।

चेउंग ने दोहराया कि नोबेल समिति ने साबित कर दिया कि वे शांति से ऊपर राजनीति को रखते हैं। नॉर्वेजियन नोबेल समिति ने वेनेजुएला की मारिया कोरिनो मचाडो को आजादी के बहादुर रक्षकों के रूप में उद्धृत करते हुए यह वार्षिक पुरस्कार प्रदान किया, जो सत्तावादी नेतृत्व के खिलाफ उठते और प्रतिरोध करते हैं। ट्रम्प ने इस पुरस्कार के लिए आक्रामक रूप से प्रचार किया था, और इसी सप्ताह उन्होंने गाजा युद्ध को समाप्त करने के लिए संघर्ष विराम और बंधक समझौते की घोषणा भी की थी। रिपब्लिकन राष्ट्रपति ने अभी तक नोबेल के फैसले पर कोई टिप्पणी नहीं की है, लेकिन उन्होंने शुक्रवार की सुबह अपने ट्रुथ सोशल अकाउंट पर गाजा समझौते का जश्न मना रहे समर्थकों के तीन वीडियो पोस्ट किए।

फिलीपींस में 7.6 तीव्रता .. ..

बताया गया है। इस गहराई और तीव्रता के भूकंप अक्सर समुद्र तल में बड़े विस्थापन का कारण बनते हैं, जिससे विनाशकारी समुद्री लहरें (सुनामी) उत्पन्न होती हैं, जो कुछ ही समय में तटीय इलाकों तक पहुँच सकती हैं।

राष्ट्रीय आपदा राहत एजेंसियों और तटीय गार्ड को सक्रिय कर दिया गया है ताकि सुनामी की चेतावनी का पालन सुनिश्चित किया जा सके और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। तटीय क्षेत्रों में सायरन और लाउडस्पीकरों के माध्यम से लगातार चेतावनी प्रसारित की जा रही है। लोगों को तत्काल ऊँचे स्थानों या आंतरिक सुरक्षित क्षेत्रों की ओर जाने की सलाह दी गई है। हालांकि, प्रारंभिक रिपोर्टों से यह संकेत मिला है कि बड़े पैमाने पर कोई बड़ा नुकसान या हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन अधिकारी अभी भी स्थिति का आकलन कर रहे हैं। इमारतों, पुलों और अन्य बुनियादी ढाँचों के विस्तृत निरीक्षण के बाद ही नुकसान की सही तस्वीर सामने आ पाएगी। इस बीच, सरकार ने आपदा प्रबंधन टीमों को किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया है, क्योंकि सुनामी का खतरा कई घंटों तक बना रह सकता है।

अयोध्या के गांव के हादसे से देश .. ..

जा रहा है। अधिकारियों ने एहतियात के तौर पर और बचाव कार्यों में बाधा न हो, इसके लिए आस-पास के घरों को अस्थायी रूप से खाली करा दिया है। स्थानीय लोगों से भी दुर्घटनास्थल से दूर रहने का आग्रह किया गया है ताकि बचाव कार्य निर्बाध रूप से चल सके।

यह हादसा कई सवाल खड़े कर रहा है, जिनमें सबसे महत्वपूर्ण है विस्फोट का कारण। सर्किल ऑफिसर शैलेंद्र सिंह ने कहा कि विस्फोट के सटीक कारण का पता लगाने के लिए जाँच शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि विशेषज्ञ टीमें मलबे की जाँच कर रही हैं ताकि विस्फोट के पीछे की वजहों का पता लगाया जा सके।

बिहार मतदाता सूची विवाद पर .. .. ..

कानूनी सहायता परामर्शदाता और अर्ध-कानूनी स्वयंसेवक उपलब्ध कराए जाएँ।

प्रत्येक गाँव में बूथ स्तर के अधिकारियों की सूची के साथ-साथ अपील दायर करने में मदद करने वाले अर्ध-कानूनी स्वयंसेवकों के नंबर भी उपलब्ध होने चाहिए। ये अधिकारी अपीलों का मसौदा तैयार करने और अपील दायर करने के लिए पैनल से परामर्शदाताओं की सुविधा भी प्रदान करेंगे। न्यायालय ने प्राधिकरण को एक सप्ताह के भीतर सभी आवश्यक जानकारी एकत्र करने और अदालत को एक स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करने का भी निर्देश दिया।

सुप्रीम कोर्ट गैर-सरकारी संगठन एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) सहित कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था, जिन्होंने बिहार एसआईआर को चुनौती दी थी।

हम दोनों सीमा पार आतंकवाद .. .. ..

हमने संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय के माध्यम से नशीली दवाओं के पुनर्वास सामग्री की भी आपूर्ति की है। आतंकवाद और विकास पर जयशंकर की टिप्पणियों से चिह्नित बैठक ने सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ अपने दृढ़ रुख को बनाए रखते हुए साझा सुरक्षा और मानवीय प्राथमिकताओं पर अफगानिस्तान के साथ जुड़ने की भारत की मंशा का संकेत दिया।

अंटार्कटिका के ऊपर से गुजरा .. .. ..

विपरीत, लगभग 20 मीटर व्यास की वस्तुएँ – जैसे कि 2013 में रूस के चेल्याबिंस्क के ऊपर विस्फोट हुआ था – शक्तिशाली वायु-विस्फोट उत्पन्न कर सकती हैं जो इमारतों को नुकसान पहुँचाने और झटके की तरंगों से लोगों को घायल करने में सक्षम होते हैं। दुनिया भर में वेधशालाओं का तंत्र लगातार आकाश को स्कैन करता है, चमकदार धूमकेतुओं से लेकर 2025 टीएफ जैसे क्षुद्रग्रहों तक। कैटालिना आकाश सर्वेक्षण और पैन-स्टारआरएस जैसे सर्वेक्षण नियमित रूप से नई पृथ्वी के निकट की वस्तुओं की खोज करते हैं, जबकि समर्पित अनुवर्ती दूरबीनें उनकी कक्षाओं को परिष्कृत करते हैं। भले ही क्षुद्रग्रह 2025 टीएफ ने कभी कोई खतरा उत्पन्न नहीं किया, लेकिन इस तरह की निकट उड़ानें यह उजागर करती हैं कि हमारा सौर पड़ोस कितना गतिशील और चौकस है।

तीन राज्यों से 186 करोड़ रुपये .. .. ..

एक ड्रग तस्कर को पकड़ा गया और उससे लगभग 8.4 लाख रुपये मूल्य की 12 ग्राम हेरोइन जब्त की गई।

मणिपुर में सुरक्षा बलों ने दो संदिग्ध तस्करों- मोहम्मद इथम खान और राजू खान को गिरफ्तार किया, जिनसे करीब 70 करोड़ रुपये की ब्राउन शुगर और मेथामफेटामाइन टैबलेट जब्त की गई। साथ ही, उनके पास से 38 लाख रुपये नकद भी बरामद हुए। इंफाल जिले में एक अन्य अभियान में दो संदिग्ध तस्करों से दो किलोग्राम वर्ल्ड इज योर्स (ह) नामक ड्रग्स भी जब्त की गई।

सी.आर.पी.एफ. और असम राइफल्स के संयुक्त कमांडेंट के अनुसार, सुरक्षा बलों के सूत्रों ने चिंता व्यक्त की है कि ड्रग्स का फल-फूल रहा कारोबार और राज्य की हिंसक घटनाओं के बीच एक गहरा संबंध है। उनका मानना है कि यह ड्रग्स ही युवाओं को हिंसा के लिए उकसाने का काम कर रही है।

जब्त की गई वर्ल्ड इज योर्स ड्रग्स को याबा के नाम से भी जाना जाता है, जिसका थाई भाषा में अर्थ उन्मादी बनाने वाली दवा होता है। यह कैफीन और मेथैम्फेटामाइन को मिलाकर बनाई जाती है और इसे कैंडी के स्वाद (जैसे- ऑरेंज, वैनिला, चॉकलेट) वाली रंगीन गोलियों के रूप में बेचा जाता है। म्यांमार दुनिया में मेथामफेटामाइन का सबसे बड़ा उत्पादक है और भौगोलिक निकटता के कारण पूर्वोत्तर राज्यों में इसकी तस्करी आसान हो गई है।

ड्रग्स विरोधी कार्रवाई के अलावा, असम राइफल्स और मणिपुर पुलिस कमांडो की एक संयुक्त टीम ने काकचिंग जिले में एक निर्णायक आतंकवाद-रोधी अभियान भी चलाया। विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर थंबल चिंग्या इलाके में संदिग्ध ठिकाने की तलाशी ली गई। इस अभियान में हथियारों और गोला-बारूद का एक बड़ा जखीरा सफलतापूर्वक बरामद किया गया, जिसमें एक एके-47 राइफल, एक जी3 राइफल, तीन बोल्ट-एक्शन सिंगल-बैरल राइफल, एक हथगोला और 60 राउंड गोला-बारूद शामिल थे।

राष्ट्रीय ख़बर
हमारी नज़र
प्रथम पृष्ठ 2
रांची शनिवार 12
web : www.rashtriyakhabar.com
epaper.rastriyakhabar.com
11/10/2025

कैबिनेट की बैठक 16 को

रांची: सीएम हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक 16 अक्तूबर को होगी। बैठक अपराह्न तीन बजे से प्रोजेक्ट भवन में शुरू होगी। यह जानकारी मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग (समन्वय) ने दी।जानकारी के अनुसार कैबिनेट की बैठक में कई अहम निर्णय लिए जाने की संभावना है। नगर निकाय चुनाव, कर्मियों के महंगाई भत्ता, सहित अन्य विभाग के कई प्रस्तावों पर मंजूरी मिल सकती है।

राहत

आर्मी लैंड स्कैम में सुप्रीम कोर्ट से छवि रंजन को राहत

सशर्त जमानत मिलने के बाद जेल से बाहर आने का रास्ता साफ

- सुप्रीम कोर्ट ने दी बेल
- 4 मई 2023 को गिरफ्तारी
- हाईकोर्ट ने खारिज की थी याचिका

राष्ट्रीय खबर

रांची: आर्मी लैंड स्कैम मामले में रांची के पूर्व उपायुक्त आईएएस छवि रंजन को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। शुक्रवार को शीर्ष अदालत ने उनकी जमानत याचिका स्वीकार करते हुए उन्हें कुछ शर्तों के साथ बेल दे दी। इस फैसले के बाद अब उनके जेल से बाहर आने का रास्ता साफ हो गया है। छवि रंजन को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 4 मई 2023 को गिरफ्तार किया था और तब से वे न्यायिक हिरासत में थे। सुप्रीम कोर्ट में उनकी याचिका पर जस्टिस सूर्यकान्त और जस्टिस जॉयमाला बागची की पीठ ने सुनवाई की। इससे पहले प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) की विशेष अदालत और झारखंड हाईकोर्ट ने छवि रंजन की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। झारखंड हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद ने 6 अगस्त को उनकी याचिका को खारिज करते हुए बेल देने से इनकार किया था। दोनों अदालतों से राहत नहीं मिलने के बाद छवि रंजन ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, जहां से उन्हें बड़ी राहत मिल गई है। ईडी ने छवि रंजन को रांची के बड़गाईं अंचल के बरियातु स्थित सेना के कब्जे वाली जमीन की खरीद-बिक्री से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में आरोपी बनाया है। इस केस में रांची के पूर्व डीसी के अलावा चर्चित कारोबारी विष्णु अग्रवाल, राजस्व उप निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद, फर्जी रैयत प्रदीप बागची, अफसर अली, इम्तियाज खान, तल्हा खान, फैयाज खान, मोहम्मद सद्दाम, अमित अग्रवाल और दिलीप घोष सहित कई लोगों को भी आरोपी बनाया गया है। ईडी का आरोप है कि इन सभी ने मिलकर सेना के कब्जे वाली जमीन को फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से बेचने की साजिश रची थी। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला झारखंड की नौकरशाही और राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है।

दो अपराधी घायल, भारी मात्रा में हथियार बरामद

राहुल दुबे गैंग के साथ पुलिस का एनकाउंटर

राष्ट्रीय खबर

रांची: राज्य की राजधानी रांची के रातू इलाके में पुलिस और कुख्यात राहुल दुबे गैंग के अपराधियों के बीच जबरदस्त मुठभेड़ हुई है। इस मुठभेड़ में पुलिस की तरफ से हुई गोलीबारी में राहुल दुबे गिरोह के दो कुख्यात अपराधी घायल हुए हैं जिन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं दो अपराधियों को पुलिस की टीम ने खदेड़ कर धर दबोच लिया है।रांची के ग्रामीण एसपी प्रवीन पुष्कर ने बताया कि अपराधियों के जमा होने की सूचना पर पुलिस की टीम ठाकुर गांव ,खलारी और रातू थाना क्षेत्र के सीमा पर पहुंची थी, पुलिस को देखकर अपराधियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी जवाबी फायरिंग में दो अपराधियों को गोली लगी है जिन्हें घायल अवस्था में ही गिरफ्तार कर इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। वही दो अपराधियों को पुलिस ने खदेड़ कर गिरफ्तार किया है।एनकाउंटर के बाद सर्च अभियान के दौरान रांची पुलिस के द्वारा भारी मात्रा में हथियार बरामद किए गए हैं। मौके से 8 बेहतरीन पिस्टल ,दर्जनों कारतूस बरामद किए गए हैं। पूरे मामले में अभी भी तफ्तीश जारी है। मौके पर एफएसएल की टीम को भी बुलाया गया है ताकि हथियारों की विधिवत जब्ती की जा सके।जिन अपराधियों को गोली लगी है उनकी पहचान कुख्यात साजन अंसारी और अमित गुप्ता के रूप में हुई है। दोनों राहुल दुबे गैंग के लिए काम किया करते हैं। वहीं अन्य गिरफ्तार दो अपराधियों से पुलिस की टीम पूछताछ कर रही है।पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार अमन साहू के एनकाउंटर में मारे जाने के बाद राहुल दुबे ही गैंग की कमान संभाल रहा है। हाल के दिनों में रांची के कोयलांचल इलाके से इस गैंग को रंगदारी की रकम मिलनी बंद हो गई थी। दहशत फैलाने और दोबारा खौफ कायम करने के लिए ही राहुल दुबे के निर्देश पर गिरोह के एक दर्जन सदस्य दर्जन भर हथियारों के साथ खलारी के लिए निकले थे। लेकिन पुलिस को अपराधियों के मूवमेंट की सूचना मिल गई। जिसके बाद चार थानों की टीम ने ग्रामीण एसपी प्रवीन पुष्कर के नेतृत्व में कार्रवाई कर की।ठाकुर गांव रातू थाने की सीमा पर अपराधी और पुलिस आमने-सामने हो गए। पुलिस को देखकर अपराधियों ने फायरिंग शुरू कर दी। जिसके बाद पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की जिसमें दो अपराधियों को गोली लगी। पुलिस को भारी पड़ता देख अपराधी खेत की तरफ फरार होने लगे, जिसमे से दो को दौड़ा कर गिरफ्तार किया गया। वहीं दो अपराधी गोली लगने से घायल होने के बाद पकड़े गए।

हाईकोर्ट ने नेक्सजेन और मोटोजेन को दी राहत

भ्रष्टाचार जांच के बीच सीमित शर्तों पर शोरूम खोलने की अनुमति

राष्ट्रीय खबर

रांची: झारखंड उच्च न्यायालय ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) द्वारा सील किए गए नेक्सजेन और मोटोजेन गाड़ियों के शोरूम को खोलने की अनुमति दे दी है, लेकिन इसके साथ कई कड़े निर्देश भी जारी किए हैं। न्यायमूर्ति दीपक रौशन की पीठ ने शुक्रवार को इस मामले में सुनवाई करते हुए आदेश दिया कि दोनों शोरूम दीपावली और धनतेरस के मद्देनजर सीमित अवधि के लिए खोले जा सकते हैं, ताकि ग्राहकों को वाहन खरीदने में परेशानी न हो। हालांकि, अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि शोरूम से होने वाली बिक्री पर एसीबी की सतर्क निगरानी रहेगी और किसी भी प्रकार का नकद लेनदेन नहीं किया जाएगा। न्यायालय ने आदेश दिया है कि दोनों शोरूम में एसीबी के दो अधिकारी स्थायी रूप से मौजूद रहेंगे, जो सभी बिक्री और वित्तीय लेनदेन पर नजर रखेंगे। साथ ही अदालत ने यह भी कहा कि शोरूम में लगे बंद सर्किट कैमरे कार्यशील स्थिति में रखे जाएं और उनकी रिकॉर्डिंग जांच एजेंसी को उपलब्ध कराई जाए। अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि गाड़ियों की बिक्री से प्राप्त राशि का उपयोग या हस्तांतरण बिना न्यायालय की अनुमति के नहीं किया जाएगा।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने पहले इन शोरूम को भ्रष्टाचार से जुड़े एक मामले की जांच के दौरान सील किया था। जांच एजेंसी का कहना है कि इन शोरूम में बड़े पैमाने पर अविलिखित नकद लेनदेन किए गए थे और जब्त किए गए मोबाइल फोन का कूटशब्द अभियुक्तों द्वारा जानबूझकर नहीं दिया जा रहा है। वहीं, शोरूम संचालकों ने दलील दी थी कि त्योहार के मौसम में शोरूम बंद रहने से ग्राहकों की बुकिंग रद्द हो जाएगी और व्यापार को भारी नुकसान होगा। अदालत ने सभी पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद त्योहारी माहौल को देखते हुए शोरूम को अस्थायी रूप से खोलने का आदेश दिया। न्यायालय ने सह-अभियुक्त अरुण सिंह और स्निग्धा सिंह को जांच में पूर्ण सहयोग करने का निर्देश दिया है। इस मामले की अगली सुनवाई 13 अक्टूबर 2025 को निर्धारित की गई है।

नौकरी दिलाने के नाम पर 1.2 करोड़ की ठगी

राष्ट्रीय खबर

रांची: मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विस, भारतीय रेलवे और केंद्र व राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में नौकरी दिलाने के नाम पर करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले एक बड़े गिरोह का पदार्फाश हुआ है। लखनऊ मिलिट्री इंटेलिजेंस और रांची की बरियातू थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में इस गिरोह के तीन मुख्य अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई वादी अभिषेक कुमार की शिकायत पर शुरू हुई, जिन्होंने अभियुक्तों पर 37 लाख रुपये की ठगी का आरोप लगाया था। वादी, जो मूल रूप से पटना के नरमा के निवासी हैं और वर्तमान में रांची के तेतरटोली में रहते हैं, ने नौकरी लगाने के नाम पर धोखाधड़ी और जाली जॉइनिंग लेटर बनवाने का आरोप लगाया।इस संबंध में बरियातू थाना में राजकिशोर साह, सुनील साह, गौतम कुमार, चंदन कुमार सिंह, वापी वैशवाल और विनोद सहित कुल छह अभियुक्तों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई थी।मामले की गंभीरता को देखते हुए वरीय पदाधिकारियों ने संज्ञान लिया और डीएसपी के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल का गठन किया गया। जिसके बाद बरियातू थाना पुलिस और लखनऊ मिलिट्री इंटेलिजेंस की संयुक्त और त्वरित कार्रवाई करते हुए प्राथमिक अभियुक्तों में से तीन को गिरफ्तार कर लिया गया।गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों ने पूछताछ में स्वीकार किया है कि उन्होंने मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विस, इंडियन रेलवे, और केन्द्रीय एवं राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में नौकरी का झांसा देकर लोगों से करीब 1।2 करोड़ रुपये की ठगी की है। गिरफ्तार अभियुक्तों में चंदन कुमार सिंह, गौतम कुमार और विनोद कुमार शामिल है।

बिरसा मुंडा जेल में रिश्वतखोरी पर सख्त सरकार

आठ कर्मियों पर गिरी गाज, दो बर्खास्त, चार निलंबित

राष्ट्रीय खबर

रांची: राजधानी रांची स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में मुलाकातियों से पैसे लेने के आरोप में राज्य सरकार ने बड़ी कार्रवाई की है। इस मामले में कुल आठ कर्मियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है, जिनमें दो को बर्खास्त, चार को निलंबित और दो को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। सरकार ने यह कदम उस वीडियो के वायरल होने के बाद उठाया है, जिसमें जेलकर्मियों पर कैदियों से मिलने आए लोगों से अवैध वसूली करने के आरोप लगे थे। इस पूरे मामले पर झारखंड उच्च न्यायालय ने स्वतः संज्ञान लेते हुए सरकार से जवाब तलब किया था। अदालत के निर्देश के बाद सरकार ने तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन किया था, जिसने अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप दी। समिति की अनुशंसा के आलोक में सरकार ने तत्काल कार्रवाई की है। सरकार ने संविदा पर नियुक्त पूर्व सैनिक मिटकू उरांव और विश्वनाथ को दोषी पाते हुए सेवा से बर्खास्त कर दिया है। वहीं जेल के क्लर्क, चीफ हेड वार्डन, रिजर्व हेड वार्डन और अन्य कर्मचारियों के खिलाफ निलंबन और विभागीय कार्रवाई का आदेश दिया गया है। जेल अधीक्षक और सहायक जेलर को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। जांच रिपोर्ट के अनुसार, जिस दिन मुलाकातियों से पैसे लेने का मामला सामने आया था, उस दिन निरल टोप्पो कैदियों से मुलाकात कराने के प्रभारी थे। रिपोर्ट में बताया गया कि मुलाकात व्यवस्था में गंभीर अनियमितताएं पाई गईं और कई कर्मचारियों ने अपने पद का दुरुपयोग किया। वर्तमान में बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में नियमित जेल अधीक्षक की नियुक्ति नहीं है। प्रशासनिक अधिकारी सुदर्शन मुर्मू को फिलहाल जेल का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। सरकार ने साफ किया है कि जेल प्रशासन में भ्रष्टाचार या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषी अधिकारियों व कर्मचारियों पर आगे भी कठोर कार्रवाई की जाएगी। जेलों की निगरानी व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए राज्य स्तर पर विशेष दल गठित करने पर भी विचार किया जा रहा है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके।

झारखंड में 608 सड़कों का निर्माण बाकी, 60 काम अवार्ड ही नहीं

राष्ट्रीय खबर

रांची: झारखंड में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत अब तक राज्यभर में 608 सड़कों का निर्माण कार्य बाकी है। 60 सड़कों का अवार्ड नहीं हुआ है। झारखंड में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत 8451 सड़कों का निर्माण किया जाना है। इसके एवज में अब तक 7843 सड़कों का ही निर्माण हो पाया है। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत झारखंड में वित्तीय वर्ष 2025-26 में सिर्फ छह फीसदी ही सड़क का निर्माण हो पाया है। इस वित्तीय वर्ष में 3152 किलोमीटर सड़क का निर्माण करना है। जिसमें अब तक 180 किलोमीटर ही सड़क का निर्माण पूरा हो पाया है। 353 करोड़ रुपए खर्च किए जा चुके हैं। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत उग्रवाद प्रभावित इलाकों में 303 सड़कों का निर्माण किया जाना है। इसमें से 243 सड़कों का निर्माण पूरा हो चुका है। 60 सड़क का निर्माण कार्य बाकी है। एक सड़क काम अब तक अवार्ड नहीं हुआ है। वहीं पीएम जनमन योजना के तहत 300 सड़कों का निर्माण होना था। इसमें से सभी सड़कों का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है।पिछले चार वित्तीय वर्ष (2019-20 से 2023-24) में 10,060 किलोमीटर सड़क का निर्माण करना था। इसमें 6898 किलोमीटर सड़क का निर्माण हो पाया है। 3162 किलोमीटर सड़क का निर्माण नहीं हो पाया है।

बैठक

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये राज्यभर के एसपी होंगे शामिल

दिवाली-छठ पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर डीजीपी की अहम बैठक

- बैठक 13 अक्टूबर को
- डीजीपी अनुराग गुप्ता अध्यक्ष
- अपराध नियंत्रण पर फोकस

राष्ट्रीय खबर

रांची: आगामी दीपावली और छठ महापर्व को लेकर राज्य में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस मुख्यालय की ओर से एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई गई है। यह बैठक 13 अक्टूबर को शाम चार बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से होगी, जिसकी अध्यक्षता डीजीपी अनुराग गुप्ता करेंगे। फेडेरेशन ऑफ झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के विशेष अनुरोध पर यह बैठक आयोजित की जा रही है, जिसमें पूरे राज्य की विधि-व्यवस्था और अपराध नियंत्रण को लेकर रणनीति तय की जाएगी। डीजीपी ने सभी जिलों के एसएसपी और एसपी को निर्देश दिया है कि वे बैठक से पहले अपने-अपने जिले में चेंबर ऑफ कॉमर्स के प्रतिनिधियों के साथ मुलाकात कर उनकी समस्याओं और सुझावों को एकत्र करें ताकि बैठक के दौरान उन्हें विस्तार से प्रस्तुत किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा है कि यदि किसी कारणवश कोई एसएसपी या एसपी बैठक में शामिल नहीं हो पाते हैं तो वे अपने जिले के किसी वरीय अधिकारी को प्रतिनिधि के रूप में भेजें। बैठक का मुख्य उद्देश्य दीपावली और छठ के दौरान किसी भी तरह की आपराधिक गतिविधियों को रोकना, भीड़भाड़ वाले इलाकों में अतिरिक्त सुरक्षा सुनिश्चित करना और व्यापारिक प्रतिष्ठानों के लिए सुरक्षित माहौल बनाना है। इसके साथ ही पुलिस और व्यापारी समुदाय के बीच बेहतर तालमेल और संवाद की दिशा में यह बैठक एक अहम कदम मानी जा रही है। पुलिस मुख्यालय ने सभी जिलों से सुरक्षा तैयारियों और यातायात प्रबंधन की रिपोर्ट भी मांगी है ताकि त्योहारी सीजन में जनता को किसी असुविधा का सामना न करना पड़े।

मुख्य सचिव अविनाश कुमार ने राज्यपाल से की मुलाकात

राष्ट्रीय खबर

रांची: झारखंड के नवनियुक्त मुख्य सचिव अविनाश कुमार ने शुक्रवार को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से राजभवन में शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान मुख्य सचिव ने राज्यपाल को सरकार की प्रमुख योजनाओं, विकास परियोजनाओं और उनकी प्रगति के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार जनता से जुड़ी योजनाओं को प्रभावी तरीके से लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्यपाल ने मुख्य सचिव को जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देने और विकास योजनाओं को तेजी से लागू करने की सलाह दी। दोनों के बीच राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था और सुशासन को और मजबूत बनाने को लेकर भी चर्चा हुई।